विषय-सूची

1. भारतीय संविधान — 1-16

● संविधान सभा ● संविधान के भाग ● संविधान की अनुसूचियां ● संविधान के स्रोत ● संविधान की उद्देशिका/प्रस्तावना ● संघ एवं इसका क्षेत्र ● नागरिकता ● मौलिक अधिकार ● राज्य के नीति निदेशक तत्व ● मौलिक कर्तव्य ● संघीय कार्यपालिका– ❒ राष्ट्रपति ❒ उप-राष्ट्रपति ● संघीय मंत्रिपरिषद एवं प्रधानमंत्री ● महान्यायवादी ● नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ● संघीय विधायिका– ❒ राज्यसभा ❒ लोकसभा ● संघीय न्यायपालिका– ❒ उच्च न्यायालय ● राज्य कार्यपालिका– ❒ राज्यपाल ● राज्य की मंत्रिपरिषद एवं मुख्यमंत्री ● महाधिवक्ता ● राज्य विधायिका ● विधानसभा ● विधानपरिषद् ● राज्य न्यायपालिका– ❒ उच्च न्यायालय ● स्थानीय स्वशासन– ❒ पंचायत ❒ नगरपालिका ❒ सहकारी समितियां ● केंद्र-राज्य संबंध ● संवैधानिक निकाय– ❒ वित्त आयोग ❒ संघ लोक सेवा आयोग ❒ राज्य लोक सेवा आयोग ❒ केन्द्रीय निर्वाचन आयोग ❒ राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ❒ राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ❒ राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ● राजभाषा ● आपातकालीन उपबंध ● संविधान संशोधन प्रक्रिया

2. प्राचीन भारत का इतिहास — 17-24

● भारतीय इतिहास को जानने के स्रोत– ❒ अभिलेख ● प्रागैतिहासिक काल– ❒ पाषाण काल ● हड़प्पा सभ्यता ● वैदिक काल ● महाजनपद काल– ❒ गणतंत्रीय राज्य ● जैन धर्म और बौद्ध धर्म– ❒ जैन धर्म ❒ बौद्ध धर्म ● मौर्य साम्राज्य ● गुप्त एवं गुप्तोत्तर काल– ❒ कला साहित्य ● पूर्व मध्यकालीन राजवंश ● पूर्व मध्यकाल में दक्षिण भारत

3. मध्यकालीन इतिहास — 25-29

● भारत पर अरबों का आक्रमण ● भारत पर तुर्क आक्रमण ● दिल्ली सल्तनत– ❒ गुलाम वंश ❒ खिलजी वंश ❒ तुगलक वंश ❒ सैयद वंश ❒ लोदी वंश ● विजयनगर तथा बहमनी साम्राज्य ● सूफी एवं भक्ति आंदोलन– ❒ भक्ति आंदोलन ● मुग़ल साम्राज्य– ❒ मुग़ल प्रशासन ● मराठा साम्राज्य

4. आधुनिक भारत का इतिहास — 30-38

● भारत में यूरोपीय कम्पनियों का आगमन ● 1857 का विद्रोह ● जन आंदोलन एवं आदिवासी विद्रोह ● भारत में शिक्षा का विकास ● भारतीय समाचार पत्रों का इतिहास ● 19वीं शताब्दी में सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक पुनर्जागरण ● ब्रिटिश काल में प्रमुख समाज सुधार कानून ● भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन– ❒ भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस ● क्रांतिकारी गतिविधियों का प्रथम चरण (1907 -1917 ई.) ● गांधीजी के आगमन के बाद का राष्ट्रीय आंदोलन (1919-1947 ई.) ● क्रांतिकारी गतिविधियों का द्वितीय चरण (1924-1934 ई.) ● प्रमुख राष्ट्रीय व राजनैतिक संगठन ● प्रमुख क्रांतिकारी संगठन ● राष्ट्रीय आंदोलन (1927-1947 ई.)

5. अर्थव्यवस्था — 39-43

● राष्ट्रीय आय एवं आर्थिक विकास ● कृषि क्षेत्र ● उद्योग क्षेत्र ● राजकोषीय नीति एवं राजस्व ● आयोजना ● मुद्रा एवं बैंकिंग ● मानव विकास ● रोजगार एवं कल्याण योजनाएं ● आयात-निर्यात ● भुगतान संतुलन ● अंतर्राष्ट्रीय संगठन ● जनगणना ● विविध

6. भारत का भूगोल — 44-53

● सामान्य जानकारी ● भारत का भौतिक विभाजन ● नदियों का समागम स्थल ● भारत की कृषि ● भारत की मिट्टियाँ ● भारत के उद्योग ● देश के प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे ● सामुद्रिक जलमार्ग ● प्रमुख वन्य जीव अभयारण्य-राष्ट्रीय उद्यान

7. विज्ञान — 54-62

I. भौतिक विज्ञान

● मात्रक इकाई ● मापक यंत्र एवं पैमाने– ❒ यांत्रिकी ● गुरुत्वाकर्षण ● स्थूल पदार्थों के गुण– ❒ प्रकाश ● ऊष्मा एवं ऊष्मागतिकी ● तरंग गति– ❒ ध्वनि ● विद्युत धारा ● नाभिकीय भौतिकी

II. रसायन

● परमाणु संरचना ● रासायनिक एवं भौतिक परिवर्तन ● कार्बनिक रसायन ● धातुएँ ● अधातुएँ ● मिश्रधातुएं ● खाद्य संरक्षण ● उर्वरक ● विविध

III. जीव विज्ञान

● जैव विकास ● वर्गिकी ● पादप ● आनुवंशिकता ● जैव उर्वरक ● कोशिका ● मानव शरीरिकी ● रुधिर परिवहन तंत्र ● पाचन तथा उत्सर्जन तंत्र ● प्रकाश- संश्लेषण ● विटामिन एवं पोषण ● अन्तः स्रावी ग्रंथियां ● रोग एवं उपचार ● विविध

8. विविध — 63-75

● भारत रत्न ● ज्ञानपीठ पुरस्कार ● नोबेल पुरस्कार पाने वाले ● भारतीय/भारतीय मूल के व्यक्ति ● प्रमुख पुरस्कारः क्षेत्र एवं राशि ● प्रमुख शोध-संस्थान ● प्रमुख वाद्ययंत्र एवं वादक ● शास्त्रीय नृत्य एवं कलाकार ● लोकनृत्य ● भारत में प्रथम (महिला) ● भारत में प्रथम (पुरुष) ● भारत में सर्वाधिक बड़ा, लम्बा एवं ऊँचा ● विश्व में सर्वाधिक बड़ा, लम्बा एवं ऊँचा ● यूनेस्को सूची में शामिल भारत के विश्व विरासत स्थल ● समकालीन संयुक्त राष्ट्र अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष ● महत्वपूर्ण राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय दिवस ● विश्व के प्रमुख संगठन और उनके मुख्यालय ● समकालीन संयुक्त राष्ट्र अन्तर्राष्ट्रीय दशक ● दादा साहेब फाल्के पुरस्कार ● प्रमुख देशों की समाचार एजेंसियाँ ● प्रमुख चिह्न तथा प्रतीक ● अन्तर्राष्ट्रीय सीमाएँ ● प्रमुख देशों के सरकारी दस्तावेज ● विश्व की प्रमुख गुप्तचर संस्थाएँ ● संयुक्त राष्ट्र के महासचिव ● संयुक्त राष्ट्र विशिष्ट अभिकरण एवं अन्य संगठन

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

भारतीय संविधान

1. संविधान सभा

- भारत में **सर्वप्रथम** मौखिक रूप से संविधान सभा की मांग **1895** में बाल गंगाधर तिलक जी ने किया था।
- वर्ष 1934 में लिखित रूप से संविधान सभा का विचार मानवेन्द्र नाथ राय ने दिया था।
- जुलाई 1946 में कैबिनेट मिशन की संस्तुति पर भारतीय संविधान सभा का गठन किया गया।
- संविधान सभा की कुल सदस्य संख्या 389 निर्धारित थी, जिनमें 292 ब्रिटिश प्रान्तों के प्रतिनिधि, 4 चीफ कमिश्नरी प्रान्तों के प्रतिनिधि और 93 देशी रियासतों के प्रतिनिधि थे।
- संविधान सभा की प्रथम बैठक 9 दिसम्बर 1946 को संपन्न हुई। इसकी अध्यक्षता (अस्थायी) डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा ने की थी।
- 11 दिसम्बर, 1946 की बैठक में डॉ. राजेंद्र प्रसाद को संविधान सभा का स्थायी अध्यक्ष चुना गया।
- 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने राष्ट्रध्वज को अपनाया था।
- डॉ. भीम राव अम्बेडकर की अध्यक्षता में 29 अगस्त 1947 को प्रारूप समिति का गठन किया गया। इस समिति में कुल सदस्यों की संख्या 7 थी।
- बी.एन. राव संविधान सभा के संवैधानिक सलाहकार थे।
- देश के विभाजन के पश्चात 31 अक्टूबर 1947 को संविधान सभा का पुनर्गठन किया गया, जिसके पश्चात सभा में कुल सदस्यों की संख्या 299 निर्धारित हुई।
- संविधान का वाचन 3 चरणों में 114 दिनों तक हुआ था।
- संविधान सभा में कुल महिला सदस्यों की संख्या 15 थी।
- 26 नवम्बर 1949 को भारत का संविधान अंगीकार किया गया तथा 26 जनवरी 1950 को पूर्ण रूप से लागू हो गया।

विशेष : वर्ष 2015 से 26 नवम्बर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है।

- संविधान निर्माण की प्रक्रिया में कुल 2 वर्ष, 11 माह और 18 दिन का समय लगा था।
- मूल संविधान में 22 भाग, 395 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियां थीं।
- वर्तमान में अनुसूचियों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है।

Nitin Gupta.com

प्रारूप समिति के सदस्य

1.	डॉ. भीम राव अम्बेडकर (अध्यक्ष)
2.	अल्लादि कृष्णा स्वामी अय्यर
3.	डॉ. के.एम. मुंशी
4.	मोहम्मद सादुल्ला
5.	गोपालास्वामी आयंगर
6.	एन. माधव राव (बी.एल. मित्र की जगह)
7.	टी.टी. कृष्णामाचारी (डी.पी. खेतान की मृत्यु के पश्चात्)

संविधान सभा की प्रमुख समितियां एवं अध्यक्ष

समिति	अध्यक्ष
संघ संविधान समिति	पं जवाहर लाल नेहरु
संघ शक्ति समिति	पं जवाहर लाल नेहरु
संचालन समिति	डॉ. राजेंद्र प्रसाद
झंडा समिति	डॉ. राजेंद्र प्रसाद
प्रारूप समिति	डॉ. भीम राव अम्बेडकर
प्रांतीय संविधान समिति	सरदार वल्लभ भाई पटेल
मौलिक अधिकार एवं अल्पसंख्यक परामर्श समिति	सरदार वल्लभ भाई पटेल
मौलिक अधिकार उपसमिति	जे.बी. कृपलानी
अल्पसंख्यक परामर्श उपसमिति	एच.सी. मुखर्जी

2. संविधान के भाग

संविधान के भाग, संबंधित विषय एवं अनुच्छेद

भाग	विषय	अनुच्छेद
भाग I	संघ और उसका राज्य क्षेत्र	अनुच्छेद 1-4
भाग II	नागरिकता	अनुच्छेद 5-11
भाग III	मूल अधिकार	अनुच्छेद 12-35
भाग IV	राज्य के नीति निदेशक तत्व	अनुच्छेद 36-51

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

भाग IVA	मूल कर्तव्य	अनुच्छेद 51A
भाग V	संघ सरकार	अनुच्छेद 52-151
भाग VI	राज्य सरकार	अनुच्छेद 152-237
भाग VII	निरसन	अनुच्छेद 238 (निरसन)
भाग VIII	केंद्र शासित प्रदेश	अनुच्छेद 239-242
भाग IX	पंचायत	अनुच्छेद 243- 243O
भाग IXA	नगरपालिकाएं	अनुच्छेद 243P-243ZG
भाग IXB	सहकारी संस्थाएं	अनुच्छेद 243ZH-243ZT
भाग X	अनुसूचित और जनजाति क्षेत्र	अनुच्छेद 244-244A
भाग XI	संघ और राज्यों के बीच संबंध	अनुच्छेद 245-263
भाग XII	वित्त, संपत्ति, संविदाएं और वाद	अनुच्छेद 264-300A
भाग XIII	वाणिज्य और व्यापार	अनुच्छेद 301-307
भाग XIV	संघ और राज्यों के अधीन सेवाएं	अनुच्छेद 308-323
भाग XIVA	अधिकरण	अनुच्छेद 323A-323B
भाग XV	निर्वाचन	अनुच्छेद 324-329A
भाग XVI	कुछ वर्गों के लिए विशेष उपबंध	अनुच्छेद 330-342
भाग XVII	राजभाषा	अनुच्छेद 343-351
भाग XVIII	आपातकालीन प्रावधान	अनुच्छेद 352-360
भाग XIX	प्रकीर्ण	अनुच्छेद 361-367
भाग XX	संविधान संशोधन	अनुच्छेद 368
भाग XXI	अस्थाई संक्रमणकालीन और विशेष उपबंध	अनुच्छेद 369-392
भाग XXII	संक्षिप्त नाम, प्रारंभ, हिन्दी में प्राधिकृत पाठ और निरसन	अनुच्छेद 393-395

NitinGupta.com

3. संविधान की अनुसूचियां

- मूल संविधान में कुल 8 अनुसूचियां थी।
- संविधान संशोधनों के पश्चात् वर्तमान में अनुसूचियों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है; जिसमें–
  9वीं अनुसूची को प्रथम संविधान संशोधन अधिनियम, 1951 द्वारा, 10वीं अनुसूची को 52वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1985 द्वारा, 11वीं अनुसूची को 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 द्वारा और 12वीं अनुसूची को 74वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 द्वारा जोड़ी गई थी।

अनुसूची	संबंधित विषय
प्रथम अनुसूची	भारत संघ के राज्य एवं संघशासित क्षेत्र
द्वितीय अनुसूची	विभिन्न पदाधिकारियों के वेतन, भत्ते, पेंशन आदि से जुड़े प्रावधान
तृतीय अनुसूची	विभिन्न पदाधिकारियों के शपथ/प्रतिज्ञान
चौथी अनुसूची	विभिन्न राज्यों एवं संघशासित क्षेत्रों का राज्यसभा में प्रतिनिधित्व का विवरण
पांचवी अनुसूची	विभिन्न अनुसूचित क्षेत्रों और अनुसूचित जनजातियों का प्रशासन
छठी अनुसूची	असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम राज्यों के अनुसूचित क्षेत्रों का प्रशासन
सातवीं अनुसूची	केंद्र और राज्यों के मध्य शक्तियों का बंटवारा
आठवीं अनुसूची	संवैधानिक भाषाएं
नौवीं अनुसूची	भूमि सुधार कानून
दसवीं अनुसूची	दल-बदल कानून
ग्यारहवीं अनुसूची	पंचायती राज संस्थाओं के कार्य, शक्तियां तथा कर्तव्य
बारहवीं अनुसूची	शहरी राज संस्थाओं के कार्य, शक्तियां तथा कर्तव्य

4. संविधान के स्रोत

- भारतीय संविधान का सबसे बड़ा स्रोत भारत शासन अधिनियम, 1935 है।

ब्रिटेन	एकल नागरिकता, विधि का शासन, विधि के समक्ष समता, संसदात्मक शासन व्यवस्था, द्विसदनीय व्यवस्था, रिट शक्तियाँ, महान्यायवादी का पद, बजट
अमेरिका	मौलिक अधिकार, प्रस्तावना, विधि का समान संरक्षण, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, न्यायिक पुनरावलोकन, राष्ट्रपति पर महाभियोग प्रक्रिया, सुप्रीम कोर्ट एवं हाई कोर्ट के न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया
आयरलैंड	राज्य के नीति निदेशक तत्व, राष्ट्रपति की निर्वाचन प्रक्रिया, राज्यसभा में सदस्यों का मनोनयन

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

ऑस्ट्रेलिया	समवर्ती सूची, प्रस्तावना की भाषा, केंद्र व राज्य के बीच संबंध, संयुक्त बैठक
कनाडा	संघात्मक शासन व्यवस्था, अवशिष्ट शक्तियाँ केंद्र में निहित, राज्यपाल की नियुक्ति
फ्रांस	गणतंत्रात्मक शासन व्यवस्था, प्रस्तावना में वर्णित स्वतंत्रता, समता और बंधुत्व का विचार
दक्षिण अफ्रीका	संविधान संशोधन प्रक्रिया, राज्यसभा के सदस्यों का निर्वाचन
जर्मनी	मौलिक अधिकारों के निलंबन से संबंधित आपातकालीन प्रावधान, मूलभूत ढांचा
रूस	मौलिक कर्तव्य, प्रस्तावना में वर्णित न्याय
जापान	विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया

NitinGupta.com

5. संविधान की उद्देशिका/प्रस्तावना

- संविधान की उद्देशिका/प्रस्तावना को संविधान की कुंजी कहा जाता है।
- पं. जवाहर लाल नेहरु द्वारा 13 दिसम्बर 1946 को प्रस्तुत किए गए उद्देशिका प्रस्ताव में जो संकल्प प्रस्तुत किए गए थे, उन्हें ही संविधान सभा द्वारा 22 जनवरी 1947 को संविधान की उद्देशिका में शामिल कर लिया गया।

> हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्त्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिये तथा इसके समस्त नागरिकों को:
>
> सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय,
> विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता,
> प्रतिष्ठा और अवसर की समता
> प्राप्त कराने के लिये, तथा उन सब में
> व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता तथा
> अखण्डता सुनिश्चित करने वाली
> बंधुता बढ़ाने के लिये
>
> दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज दिनांक 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत दो हजार छः विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

- 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा प्रस्तावना में समाजवादी, पंथनिरपेक्ष और अखण्डता शब्द जोड़े गए।
- ठाकुर दास भार्गव ने प्रस्तावना को संविधान की आत्मा कहा था।

6. संघ एवं इसका क्षेत्र

- संविधान के **भाग I** के अन्तर्गत **अनुच्छेद 1 से 4** तक में संघ एवं इसके क्षेत्रों की चर्चा की गई है।
- **अनुच्छेद 1** में कहा गया है कि इंडिया अर्थात भारत 'राज्यों का संघ होगा'।
- अनुच्छेद 2 तथा 3 संसद को यह अधिकार देता है कि वह विधि बनाकर संघ में नए राज्यों का प्रवेश व स्थापना, राज्यों का नाम परिवर्तन, सीमाओं का परिवर्तन या राज्यों का पुनर्गठन कर सकती है।
- भाषा के आधार पर राज्यों के गठन हेतु वर्ष 1948 में धर आयोग एवं जेवीपी समिति का गठन किया गया था, परंतु इन समितियों ने भाषा के आधार पर राज्यों के गठन की मांग को अस्वीकार कर दिया था।
- वर्ष 1953 में पोट्टी श्री रामुलु के आन्दोलन के पश्चात् तेलुगु भाषा के आधार पर आंध्र प्रदेश भाषा के आधार पर गठित होने वाला प्रथम राज्य बना।
- वर्ष 1953 में फजल अली की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिश पर 1 नवम्बर 1956 को 14 राज्यों तथा 6 केन्द्रशासित प्रदेशों का गठन किया गया।
- **14 राज्य :** उत्तर प्रदेश, बिहार, बम्बई, जम्मू कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मद्रास, केरल, मैसूर, असम तथा आंध्र प्रदेश।
- **6 केन्द्रशासित प्रदेश :** दिल्ली, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, लकादीव-मिनीकाय-अमीनोदीव द्वीप समूह, मणिपुर, त्रिपुरा तथा हिमाचल प्रदेश।

विशेष : वर्ष 1973 में लकादीव-मिनीकाय-अमीनोदीव द्वीप समूह का नाम बदलकर लक्षद्वीप कर दिया गया।

1956 के पश्चात् गठित नवीन राज्य

वर्ष	नवीन राज्य	से पुनर्गठित राज्य/ केन्द्रशासित प्रदेश
1 मई 1960	गुजरात	महाराष्ट्र
1 दिसंबर 1963	नागालैंड	असम
1 नवंबर 1966	हरियाणा	पंजाब
25 जनवरी 1971	हिमाचल प्रदेश (18वां)	हिमाचल प्रदेश (संघ राज्य क्षेत्र)
21 जनवरी 1972	मणिपुर	मणिपुर (संघ राज्य क्षेत्र)
21 जनवरी 1972	त्रिपुरा	त्रिपुरा (संघ राज्य क्षेत्र)
21 जनवरी 1972	मेघालय	असम

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

16 मई 1975	सिक्किम (22वां)	सिक्किम (सहराज्य)
20 फरवरी 1987	मिजोरम	मिजोरम (संघ राज्य क्षेत्र)
20 फरवरी 1987	अरुणाचल प्रदेश	अरुणाचल प्रदेश (संघ राज्य क्षेत्र)
30 मई 1987	गोवा (25वां)	गोवा (संघ राज्य क्षेत्र)
1 नवंबर 2000	छत्तीसगढ़	मध्य प्रदेश
9 नवंबर 2000	उत्तराखण्ड	उत्तर प्रदेश
15 नवंबर 2000	झारखण्ड	बिहार
2 जून 2014	तेलंगाना (29वां)	आंध्र प्रदेश

केन्द्रशासित प्रदेशों का गठन

गठन वर्ष	केन्द्रशासित प्रदेश
1 नवंबर 1956	दिल्ली
1 नवंबर 1956	लक्षद्वीप
1 नवंबर 1956	अंडमान-निकोबार द्वीप समूह
16 अगस्त 1962	पुडुचेरी
1 नवंबर 1966	चंडीगढ़
31 अक्टूबर 2019	जम्मू व कश्मीर
31 अक्टूबर 2019	लद्दाख
26 जनवरी 2020	दादरा व नगर हवेली और दमन व दीव

Nitin-Gupta.com

7. नागरिकता

- संविधान के **भाग-2** के अन्तर्गत **अनुच्छेद 5 से 11** तक में नागरिकता की चर्चा की गई है।
- भारतीय संविधान में एकल नागरिकता का प्रावधान किया गया है, जिसका स्रोत ब्रिटेन है।
- **अनुच्छेद 11** के तहत संसद को नागरिकता के सन्दर्भ में विधि बनाने का अधिकार प्रदान किया गया है।
- संसद ने वर्ष 1955 में नागरिकता के सन्दर्भ में एक व्यापक कानून का निर्माण किया, जिसे भारतीय नागरिकता अधिनियम कहा गया।
- इस अधिनियम के तहत नागरिकता प्राप्ति के पांच और नागरिकता समाप्ति के तीन तरीकों का उल्लेख किया गया।

8. मौलिक अधिकार

- संविधान के **भाग-III** के अन्तर्गत **अनुच्छेद 12 से 35** तक में मौलिक अधिकारों की चर्चा की गई है, जिसका स्रोत अमेरिका का संविधान है।
- संविधान के भाग-III को मैग्नाकार्टा कहा जाता है।
- मौलिक अधिकार राज्यों के विरुद्ध होते हैं।
- मौलिक अधिकार न्यायालय में प्रवर्तनीय होते हैं।
- मूल संविधान में कुल मौलिक अधिकारों की संख्या 7 थी।
- 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 द्वारा सम्पति के अधिकार (अनुच्छेद 31) को मौलिक अधिकार की श्रेणी से समाप्त कर संविधान के भाग-XII के अनुच्छेद 300(A) में कानूनी अधिकार बना दिया गया।
- इस प्रकार वर्तमान में कुल मौलिक अधिकारों की संख्या 6 है, जो इस प्रकार है–

1. समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14-18)

- **अनुच्छेद 14 :** राज्य किसी भी व्यक्ति को विधि के समक्ष समता या विधि के समान संरक्षण से वंचित नहीं कर सकता है।
- **अनुच्छेद 15 :** राज्य को धर्म, जाति, नस्ल, रंग, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव करने का निषेध करता है।
- **अनुच्छेद 16 :** सरकारी नियोजन में समानता का प्रावधान।
- **अनुच्छेद 17 :** अस्पृश्यता के उन्मूलन का प्रावधान।
- **अनुच्छेद 18 :** उपाधियों के उन्मूलन का प्रावधान।

2. स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19-22)

- **अनुच्छेद 19** के अन्तर्गत 6 प्रकार की व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रावधान किया गया है, जिसमें मुख्य रूप से वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता [अनुच्छेद 19 (1)(a)] शामिल है।
- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अन्तर्गत ही प्रेस की स्वतंत्रता निहित मानी जाती है।
- **अनुच्छेद 20 :** अपराधों के लिए दोषसिद्धि के संबंध में संरक्षण का प्रावधान।
- **अनुच्छेद 21 :** प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता के संरक्षण का प्रावधान।
- अनुच्छेद 21 के अन्तर्गत ही निजता का अधिकार, जीवन साथी चुनने का अधिकार, सूचना पाने का अधिकार, पर्यावरण प्रदूषण के विरुद्ध अधिकार सम्मिलित है।

> **नोट :** अनुच्छेद 20 तथा 21 के तहत प्राप्त मौलिक अधिकारों को किसी भी परिस्थिति में निलंबित नहीं किया जा सकता है।

- **अनुच्छेद 21(A) :** 6 से 14 वर्ष के बच्चों को निःशुल्क तथा अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा का अधिकार। इसे 86वें संविधान अधिनियम 2002 द्वारा जोड़ा गया था।
- **अनुच्छेद 22 :** कुछ दशाओं में गिरफ़्तारी और निरोध से संरक्षण का प्रावधान।
- किसी व्यक्ति की गिरफ़्तारी के 24 घंटे के भीतर (यात्रा के समय को छोड़कर) निकटतम मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत करना अनिवार्य होता है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

3. शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23-24)

- **अनुच्छेद 23 :** मानव के दुर्व्यापार, बालात श्रम, बंधुवा मजदूरी, बेगारी आदि पर प्रतिबन्ध।
- **अनुच्छेद 24 :** चौदह वर्ष से कम आयु के बच्चों के नियोजन पर प्रतिबन्ध।

4. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25-28)

- **अनुच्छेद 25 :** अंतःकरण की स्वतंत्रता और अपने धर्म को मानने, आचरण करने और उसका प्रचार करने की स्वतंत्रता।
- **अनुच्छेद 25(2) :** सिक्खों को कृपाण धारण करने की स्वतंत्रता।

5. सांस्कृतिक एवं शिक्षा का अधिकार (अनुच्छेद 29-30)

- यह अधिकार केवल भारतीय अल्पसंख्यकों को प्राप्त है।
- **अनुच्छेद 29 :** अल्पसंख्यक वर्ग को अपनी लिपि, भाषा व संस्कृति के संरक्षण का अधिकार।
- **अनुच्छेद 30 :** अल्पसंख्यक वर्ग को अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों की स्थापना एवं संचालन का अधिकार।

6. संवैधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32)

- अनुच्छेद 32 के तहत सर्वोच्च न्यायालय मौलिक अधिकारों को न्यायिक संरक्षण प्रदान करता है।
- **डॉ. अम्बेडकर ने अनुच्छेद 32** को संविधान की ह्रदय एवं आत्मा कहा था।
- **अनुच्छेद 226** के तहत उच्च न्यायालय भी मौलिक अधिकारों को न्यायिक संरक्षण प्रदान करता है।
- मौलिक अधिकारों के न्यायिक संरक्षण में जारी किए गए विशेष आदेश को रिट या प्रादेश कहा जाता है। ये मुख्यतः 5 प्रकार के होते है : बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, प्रतिषेध, उत्प्रेषण और अधिकार पृच्छा।

9. राज्य के नीति निदेशक तत्व

- संविधान के **भाग-IV** के अन्तर्गत **अनुच्छेद 36 से 51** तक में राज्य के नीति निदेशक तत्व की चर्चा की गई है, जिसका स्रोत आयरलैंड का संविधान है।
- राज्य के नीति निदेशक तत्व का उद्देश्य कल्याणकारी राज्य की स्थापना करना है।
- राज्य के नीति निदेशक तत्व राज्यों के विरुद्ध नहीं होते है, अपितु इनके कर्तव्य होते है।
- **अनुच्छेद 37** में यह प्रावधान किया गया है कि राज्य के नीति निदेशक तत्व न्यायालय में प्रवर्तनीय नहीं होंगे।
- **अनुच्छेद 39 :** राज्य, सभी नागरिकों के लिए आजीविका के पर्याप्त साधन उपलब्ध करने तथा स्त्री और पुरुषों के लिए समान कार्य के लिए समान वेतन को सुनिश्चित करेगा।
- **अनुच्छेद 39(A) :** राज्य, समान न्याय और निःशुल्क कानूनी सहायता की व्यवस्था करेगा। (42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा)
- **अनुच्छेद 40 :** राज्य, ग्राम पंचायतों का गठन का प्रयास करेगा।
- **अनुच्छेद 41 :** राज्य, कुछ दशाओं में काम, शिक्षा तथा लोक सहायता पाने के अधिकार को प्राप्त कराने के लिए उचित प्रबंध करेगा।
- **अनुच्छेद 42 :** राज्य, काम की न्यायसंगत और मानवोचित दशाओं तथा महिला प्रसूति सहायता का प्रबंध करेगा।
- **अनुच्छेद 43 :** राज्य, कार्मिको को न्यूनतम मजदूरी और कुटीर उद्योगों में संवर्धन करने का प्रयास करेगा।
- **अनुच्छेद 44 :** राज्य, सम्पूर्ण राज्य क्षेत्र में समान नागरिक संहिता को लागू करने का प्रयास करेगा।
- **अनुच्छेद 45 :** राज्य, छह वर्ष से कम आयु के बच्चों की बाल्यावस्था की देख-रेख और उनके लिए उचित शिक्षा का प्रबंध करेगा।
- **अनुच्छेद 46 :** राज्य, अनुसूचित जातियों, जनजातियों तथा अन्य दुर्बल वर्गों की शिक्षा तथा आर्थिक हितों में वृद्धि का प्रयास करेगा।
- **अनुच्छेद 47 :** राज्य, लोगों के पोषाहार स्तर, जीवन स्तर और लोक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए उचित प्रबंध करेगा।
- **अनुच्छेद 48 :** राज्य, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से कृषि और पशुपालन को बढ़ावा देगा तथा दुधारू जानवरों की बलि पर प्रतिबन्ध का प्रयास करेगा।
- **अनुच्छेद 48(A) :** राज्य, पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन का तथा वन्य-जीवों की रक्षा का प्रयास करेगा (42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा।)
- **अनुच्छेद 49 :** राज्य, राष्ट्रीय महत्त्व के स्मारकों, स्थानों तथा वस्तुओं के संरक्षण का प्रयास करेगा।
- **अनुच्छेद 50 :** राज्य, लोक सेवाओं में न्यायपालिका को कार्यपालिका से पृथक करने का प्रयास करेगा।
- **अनुच्छेद 51 :** राज्य, अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की अभिवृद्धि का प्रयास करेगा।

10. मौलिक कर्तव्य

- संविधान के **भाग-IV(A)** के अन्तर्गत **अनुच्छेद 51(A)** में मौलिक कर्तव्यों की चर्चा की गई है, जिसका स्रोत रूस का संविधान है।
- सरदार स्वर्ण सिंह समिति की अनुशंसा पर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के शासन काल में 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा मौलिक कर्तव्यो को सम्मिलित किया गया था।
- प्रारम्भ में कुल 10 मौलिक कर्तव्यों को जोड़ा गया था परन्तु वर्तमान में इनकी संख्या बढ़कर 11 हो गई है।
- 11वें मौलिक कर्तव्य को 86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 के तहत जोड़ा गया था।

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

11. संघीय कार्यपालिका

राष्ट्रपति

- राष्ट्रपति देश का प्रथम नागरिक होता है।
- अनुच्छेद 53 के तहत संघीय कार्यपालिका का प्रमुख राष्ट्रपति होता है।
- भारत में राष्ट्रपति का निर्वाचन अप्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली के तहत एक निर्वाचक मंडल द्वारा होता है।
- राष्ट्रपति के निर्वाचक मंडल में लोकसभा तथा राज्यसभा के निर्वाचित सदस्य, सभी राज्यों की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य तथा दिल्ली और पुडुचेरी विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य शामिल होते है।
- राष्ट्रपति के उम्मीदवार को लोकसभा का सदस्य चुने जाने की योग्यता रखना अनिवार्य होता है।

राष्ट्रपति एक नज़र में	
पद का उल्लेख	अनुच्छेद 52
शपथ	भारत के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष
इस्तीफा	उपराष्ट्रपति को
कार्यकाल	5 वर्ष (शपथ ग्रहण से प्रारंभ)
न्यूनतम आयु	35 वर्ष
वेतन	5 लाख प्रति माह

Nitin-Gupta.com

- राष्ट्रपति को पद से हटाने की प्रक्रिया को महाभियोग कहा जाता है, जिसे अमेरिका के संविधान से लिया गया है।
- महाभियोग प्रक्रिया (अनुच्छेद 61) संसद के किसी भी सदन से प्रारंभ की जा सकती है।
- महाभियोग प्रस्ताव लाने के 14 दिन पूर्व राष्ट्रपति को लिखित सूचना देना अनिवार्य होता है।
- अनुच्छेद 62 में यह उल्लेखित है कि किसी भी कारणवश राष्ट्रपति का पद 6 माह से अधिक समय तक रिक्त नहीं रह सकता है।
- अनुच्छेद 71 के तहत राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति चुनाव संबंधी विवादों में हस्तक्षेप का अधिकार केवल सर्वोच्च न्यायालय को है।

राष्ट्रपति के कार्य एवं शक्तियाँ

- संघ की कार्यपालिका की समस्त शक्तियाँ राष्ट्रपति में निहित होती है।
- राष्ट्रपति संघ सरकार के महत्वपूर्ण अधिकारियों की नियुक्ति करता है; जैसे- प्रधानमंत्री, संघीय मंत्रिपरिषद के सभी मंत्री, सुप्रीम कोर्ट एवं हाई कोर्ट के न्यायाधीश, राज्यपाल, केन्द्रशासित प्रदेशों के प्रतिनिधि, तीनों सेनाओं के प्रमुख, दिल्ली के मुख्यमंत्री सहित सभी मंत्री, महान्यायवादी, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक आदि।
- राष्ट्रपति तीनों सेनाओं का प्रमुख/अध्यक्ष होता है।
- अनुच्छेद 72 के तहत राष्ट्रपति को न्यायालय द्वारा दी गई सजा/दण्ड के मामले में क्षमादान की शक्ति प्राप्त है।
- अनुच्छेद 80 के तहत राष्ट्रपति को राज्यसभा में 12 सदस्यों के मनोनयन का अधिकार प्राप्त है जो कला, विज्ञान, साहित्य या समाज सेवा के क्षेत्र से जुड़े हुए होते है।
- अनुच्छेद 85 के तहत राष्ट्रपति को संसद सत्र को आहूत करने, सत्रावसान करने और लोकसभा के विघटन का अधिकार प्राप्त है।
- अनुच्छेद 108 के तहत राष्ट्रपति को संसद के दोनों सदनों का संयुक्त अधिवेशन बुलाने का अधिकार प्राप्त है, जिसकी अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष करता है।
- अनुच्छेद 111 के तहत राष्ट्रपति को संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित विधेयक पर वीटो (निषेधाधिकार) शक्ति का अधिकार प्राप्त है, जो तीन प्रकार का होता है : आत्यान्तिक, निलम्बनकारी और जेबी वीटो।
- अनुच्छेद 123 के तहत राष्ट्रपति, संसद का सत्र न चलने की स्थिति में अध्यादेश जारी कर सकता है।
- अनुच्छेद 143 के तहत राष्ट्रपति, किसी भी विधिक मामले में सर्वोच्च न्यायालय से परामर्श ले सकता है।
- अनुच्छेद 280 के तहत राष्ट्रपति, प्रत्येक 5वें वर्ष में वित्त आयोग का गठन करता है।
- आपातकाल की स्थिति में राष्ट्रपति को विशेष शक्तियाँ प्रदान की गई है, जो निम्नलिखित है–
  1. अनुच्छेद 352 के तहत युद्ध, बाह्य आक्रमण और सशस्त्र विद्रोह के दौरान राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा का अधिकार।
  2. अनुच्छेद 356 के तहत राज्य का संवैधानिक तंत्र विफल होने की स्थिति में राज्य आपातकाल (राष्ट्रपति शासन) की घोषणा का अधिकार।
  3. अनुच्छेद 360 के तहत देश की आर्थिक स्थिति खराब होने की दशा में वित्तीय आपातकाल की घोषणा का अधिकार।

उपराष्ट्रपति

- संविधान के अनुच्छेद 63 में यह प्रावधान किया गया है कि भारत का एक उपराष्ट्रपति होगा।
- उपराष्ट्रपति का निर्वाचन अप्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली के तहत एक निर्वाचक मंडल द्वारा होता है, जिसमें संसद के दोनों सदनों के सभी सदस्य शामिल होते है।
- उपराष्ट्रपति के उम्मीदवार को राज्यसभा का सदस्य चुने जाने की योग्यता रखना अनिवार्य होता है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

उपराष्ट्रपति एक नज़र में	
पद का उल्लेख	अनुच्छेद 63
पद का स्रोत	अमेरिका
शपथ	राष्ट्रपति के समक्ष
इस्तीफा	राष्ट्रपति को
कार्यकाल	5 वर्ष (शपथ ग्रहण से प्रारंभ)
न्यूनतम आयु	35 वर्ष

- उपराष्ट्रपति को उसके पद से कार्यकाल से पूर्व भी महाभियोग प्रक्रिया द्वारा हटाया जा सकता है।
- उपराष्ट्रपति को पद से हटाने संबंधी महाभियोग प्रस्ताव को सर्वप्रथम राज्यसभा में पेश किया जाता है।

उपराष्ट्रपति के कार्य एवं शक्तियाँ

- उपराष्ट्रपति, राज्यसभा का पदेन सभापति होता है।
- उपराष्ट्रपति, राज्यसभा की कार्यवाही को सुचारू ढंग से चलवाता है।
- राष्ट्रपति का पद रिक्त होने की स्थिति में उपराष्ट्रपति कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करता है।

NitinGupta.com

12. संघीय मंत्रिपरिषद एवं प्रधानमंत्री

- अनुच्छेद 74 के तहत, राष्ट्रपति को विचार-विमर्श व सहायता देने हेतु एक संघीय मंत्रिपरिषद होती है, जिसका मुखिया प्रधानमंत्री होता है।
- संघीय मंत्रिपरिषद के सभी मंत्री संसद के सदस्य होते हैं।
- संघीय मंत्रिपरिषद के सभी मंत्रियों की नियुक्ति राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री की सलाह पर करता है।
- संघीय मंत्रिपरिषद के सभी मंत्री राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत कार्य करते हैं।
- संघीय मंत्रिपरिषद के सभी मंत्री सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होते हैं।
- **संघीय मंत्रिपरिषद में 3 स्तर के मंत्री होते हैं :** कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री एवं स्वतंत्र प्रभार मंत्री।
- संघीय मंत्रिपरिषद में कुल मंत्रियों की संख्या प्रधानमंत्री समेत लोकसभा के सदस्यों की कुल संख्या के 15% से अधिक नहीं हो सकती है।
- अनुच्छेद 75 के तहत राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री की नियुक्ति करता है और अन्य मंत्रियों की नियुक्ति राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री की सलाह पर करता है।

प्रधानमंत्री एक नज़र में	
नियुक्ति	राष्ट्रपति द्वारा
शपथ	राष्ट्रपति के समक्ष
इस्तीफ़ा	राष्ट्रपति को
कार्यकाल	5 वर्ष
न्यूनतम आयु	25 वर्ष

प्रधानमंत्री के कार्य एवं शक्तियाँ

- प्रधानमंत्री, संघीय कार्यपालिका का वास्तविक प्रमुख होता है।
- प्रधानमंत्री, नीति आयोग का पदेन अध्यक्ष होता है।
- प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय विकास परिषद् का पदेन अध्यक्ष होता है।
- **अनुच्छेद 85** के तहत राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री की सलाह पर लोकसभा को विघटित/भंग कर सकता है।

13. महान्यायवादी

- संविधान के अनुच्छेद 76 के तहत संघीय मंत्रिपरिषद की सलाह पर राष्ट्रपति महान्यायवादी की नियुक्ति करता है।
- महान्यायवादी, देश का सर्वोच्च कानूनी सलाहकार होता है।
- महान्यायवादी को देश के किसी भी न्यायालय में सुनवाई का अधिकार प्राप्त है।
- महान्यायवादी, संसद का सदस्य नहीं होता है, परन्तु संसद के किसी भी सदन की कार्यवाही में भाग ले सकता है और सदनों को संबोधित भी कर सकता है।
- महान्यायवादी, सदन में मत का प्रयोग नहीं कर सकता है।
- महान्यायवादी के पद की योग्यताएं सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के समान होती है।
- **भारत का प्रथम महान्यायवादी :** एमसी सीतलवाड़
- **भारत का वर्तमान महान्यायवादी :** आर वेंकटरमणि

14. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

- भारत शासन अधिनियम, 1858 के तहत वर्ष 1860 में महालेखा परीक्षक पद का प्रावधान किया गया था।
- संविधान के **अनुच्छेद 148-151** तक नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) का उल्लेख किया गया है।
- **अनुच्छेद 148** के तहत संघीय मंत्रिपरिषद की सिफारिश पर राष्ट्रपति नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति करता है।
- नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का कार्यकाल पद ग्रहण से 6 वर्ष अथवा 65 वर्ष की आयु तक (जो पहले पूरा हो) होता है।
- नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक को उसके पद से कार्यकाल से पूर्व भी हटाया जा सकता है जिसकी विधि सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों को पद से हटाने के समान होती है।
- नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का मुख्य कार्य लोक धन के व्यय की निगरानी करना होता है।
- नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के रिपोर्ट की जाँच लोक लेखा समिति करती है जिस कारण नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक को लोक लेखा समिति का मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक कहा जाता है।
- वर्ष 1976 में लेखा महानियंत्रक (CGA) नामक नए पद का निर्माण किया गया था, जिसकी नियुक्ति राष्ट्रपति करता है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- भारत के प्रथम नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक नरहरि राव थे।
- भारत के वर्तमान नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक गिरीश चंद्र मुर्मू है।

15. संघीय विधायिका

- **अनुच्छेद 79** के तहत संघीय विधायिका के रूप में कानून बनाने का कार्य संसद करती है।
- **संसद के तीन प्रमुख अंग है :** राष्ट्रपति (अध्यक्ष), राज्यसभा (उच्च सदन) और लोकसभा (निम्न सदन)।

राज्यसभा

- राज्यसभा का निर्माण राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों से मिलकर होता है।
- राज्यसभा को उच्च सदन या स्थायी सदन या राज्यों का परिषद् भी कहा जाता है।
- राज्यसभा को भंग नहीं किया जा सकता है क्योंकि यह एक स्थायी सदन है। इसके एक तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्ष पर सेवानिवृत्त हो जाते हैं।
- राज्यसभा में अधिकतम सदस्यों की संख्या 250 निर्धारित है, जिसमें से 238 सदस्य राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेशों से निर्वाचित और 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किए जाते हैं।
- राज्यसभा के सदस्यों का मनोनयन कला, विज्ञान, साहित्य और समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के आधार पर किया जाता है।
- राज्यसभा में वर्तमान सदस्यों की संख्या 245 है।
- **राज्यसभा में सर्वाधिक सीटों वाले राज्य :** उत्तर प्रदेश (31), महाराष्ट्र (19), तमिलनाडु (18), बिहार (16), पश्चिम बंगाल (16)
- राज्यसभा में प्रत्येक राज्य के प्रतिनिधियों का निर्वाचन उस राज्य की विधानसभा के सदस्यों द्वारा किया जाता है।
- राज्यसभा के सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष और न्यूनतम आयु 30 वर्ष होती है।
- राज्यसभा का पहली बार गठन 3 अप्रैल 1952 को हुआ था और इसकी पहली बैठक 13 मई 1952 को हुई थी।
- उपराष्ट्रपति, राज्यसभा का पदेन सभापति होता है, परन्तु राज्यसभा का सदस्य नही होता है।
- राज्यसभा अपने सदस्यों में से एक उपसभापति का चुनाव करती है।
- राज्यसभा के प्रथम सभापति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन और प्रथम उपसभापति एस. वी. कृष्णमूर्ति थे।
- राज्यसभा की प्रथम महिला उपसभापति वायलेट अल्वा थी।
- राज्यसभा के वर्तमान सभापति जगदीप धनखड़ और वर्तमान उपसभापति हरिवंश नारायण है।

Nitin Gupta.com

लोकसभा

- लोकसभा का संघटन सार्वभौम वयस्क मताधिक के आधार पर प्रत्यक्ष चुनाव द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों से किया जाता है।
- लोकसभा को निम्न सदन या अस्थायी सदन या जनता का सदन कहा जाता है।
- लोकसभा में अधिकतम सदस्यों की संख्या **550** निर्धारित है, जिसमें से **530** सदस्य राज्यों और **20** सदस्य केन्द्रशासित प्रदेशों से निर्वाचित होते हैं।
- लोकसभा में वर्तमान सदस्यों की संख्या **543** है।
- **लोकसभा में सर्वाधिक सीटों वाले राज्य :** उत्तर प्रदेश (80), महाराष्ट्र (48), पश्चिम बंगाल (42), बिहार (40), तमिलनाडु (39)
- लोकसभा के सदस्यों का कार्यकाल **5** वर्ष और न्यूनतम आयु **25** वर्ष होती है।
- राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान लोकसभा के कार्यकाल को 1 बार में 1 वर्ष के लिये बढ़ाया जा सकता है।
- वर्ष 1976 में 42वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा लोकसभा के कार्यकाल को **5 वर्ष** से बढ़ाकर **6 वर्ष** कर दिया गया था परन्तु वर्ष 1978 में 44वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा लोकसभा के कार्यकाल को **6 वर्ष** से घटाकर पुनः **5 वर्ष** कर दिया गया।
- लोकसभा अपने सदस्यों में से एक अध्यक्ष तथा एक उपाध्यक्ष का चुनाव करती है।
- संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता सदैव लोकसभा अध्यक्ष करता है।
- कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं इसका निर्णय सदैव लोकसभा अध्यक्ष करता है।
- धन विधेयक सदैव लोकसभा में प्रस्तुत होता है परन्तु राज्यसभा धन विधेयक को अधिकतम 14 दिनों तक रोक सकती है।
- पहली लोकसभा का गठन वर्ष 1952 में हुआ था। वर्तमान में 17वीं (2019-2024) लोकसभा कार्यरत है।
- लोकसभा के प्रथम अध्यक्ष गणेश वासुदेव मावलंकर व पहली महिला अध्यक्ष मीरा कुमार थी। इसके अतिरिक्त सुमित्रा महाजन भी लोकसभा अध्यक्ष रह चुकी है।
- लोकसभा के प्रथम उपाध्यक्ष अनंत शयनम आयंगर थे।
- लोकसभा के वर्तमान अध्यक्ष ओम बिड़ला है।

संसद संबंधी महत्वपूर्ण तथ्य

- संसद का कोई सदस्य यदि बिना किसी पूर्व सूचना के 60 दिनों तक अनुपस्थित रहता है तो उसकी सदस्यता समाप्त की जा सकती है।
- संसद के सदनों में कोरम कुल सदस्य का 1/10वां भाग होता है।
- साधारणतः वर्ष में तीन बार संसद सत्र आयोजित होते हैं– बजट सत्र, मानसून सत्र और शीतकालीन सत्र।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- संसद के दो सत्रों के बीच किसी भी स्थिति में 6 माह से अधिक का अंतराल नहीं होना चाहिए।
- संसद में सदनों की कार्यवाही का पहला घंटा (11 से 12 बजे) प्रश्न काल कहलाता है।
- संसदीय कार्यवाही में शून्यकाल भारत की देन है जो प्रश्न काल के तुरंत बाद (12 से 1 बजे तक) होता है।
- अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए संसद के 50 सदस्यों का अनुसमर्थन अनिवार्य होता है।
- संसदीय इतिहास में अब तक तीन बार (1961, 1978 एवं 2002) संयुक्त अधिवेशन बुलाया जा चुका है।

प्रमुख संसदीय समितियां

	लोक लेखा समिति	प्राक्कलन समिति	लोक उद्यम समिति
गठन वर्ष	1921 (भारत सरकार अधिनियम, 1919 के तहत)	1950 (जॉन मथाई की सिफारिश पर)	1964 (कृष्णा मेनन समिति की सिफारिश पर)
कुल सदस्य	22 (लोकसभा से 15 एवं राज्यसभा से 7)	30 (केवल लोकसभा से)	22 (लोकसभा से 15 एवं राज्यसभा से 7)
कार्य	CAG के रिपोर्ट की जाँच करना	बजट के अनुमानों की जाँच करना	CAG द्वारा लोक उद्यमों पर रखी गयी रिपोर्ट की जाँच करना
वर्तमान अध्यक्ष	अधीर रंजन चौधरी	डॉ. संजय जायसवाल	संतोष कुमार गंगवार

16. संघीय न्यायपालिका

उच्चतम न्यायालय

Nitin-Gupta.com

- भारत की न्यायिक व्यवस्था में एकीकृत न्याय का प्रावधान किया गया है, जिसमें शीर्ष स्थान पर उच्चतम न्यायालय व उसके अधीन उच्च न्यायालय हैं।
- संविधान के भाग-V में अनुच्छेद 124 से 147 तक उच्चतम न्यायालय का गठन, शक्तियाँ और क्षेत्राधिकार का प्रावधान किया गया है।
- रेग्यूलेटिंग अधिनियम, 1773 के तहत वर्ष 1774 में कलकत्ता में उच्चतम न्यायालय की स्थापना की गयी थी, जिसके प्रथम मुख्य न्यायाधीश सर एलिजा एम्पे थे।
- भारत शासन अधिनियम, 1935 के तहत संघीय न्यायपालिका का प्रावधान किया गया था।
- भारत के उच्चतम न्यायालय का उद्घाटन 28 जनवरी, 1950 को किया गया था।
- उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि करने की शक्ति संसद में निहित होती है।
- वर्तमान में उच्चतम न्यायालय में कुल न्यायाधीशों की संख्या मुख्य न्यायाधीश सहित 34 है।

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एक नज़र में

नियुक्ति	राष्ट्रपति द्वारा
पदच्युत प्रक्रिया	संसद को (असमर्थता के आधार पर)
शपथ	राष्ट्रपति के समक्ष
इस्तीफ़ा	राष्ट्रपति को
कार्यकाल	निर्धारित नहीं
अधिकतम आयु	65 वर्ष
वेतन	मुख्य न्यायाधीश को 2.8 लाख प्रतिमाह अन्य न्यायाधीश को 2.5 लाख प्रतिमाह

- उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश बनने के लिए किसी व्यक्ति को भारत का नागरिक होना चाहिए।
- वह व्यक्ति किसी उच्च न्यायालय में कम-से-कम पांच वर्ष तक न्यायाधीश रहा हो या उसे उच्च न्यायालय या विभिन्न न्यायालयों में मिलाकर 10 वर्ष तक वकील होना चाहिए या राष्ट्रपति की नज़र में विधिवेत्ता हो।
- उच्चतम न्यायालय के प्रथम भारतीय मुख्य न्यायाधीश हीरालाल जे. कानिया थे।
- उच्चतम न्यायालय के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ है।

17. राज्य कार्यपालिका

राज्यपाल

- राज्यपाल, राज्य का प्रथम नागरिक व संवैधानिक प्रमुख होता है।
- अनुच्छेद 153 के तहत प्रत्येक राज्य में राज्यपाल का प्रावधान किया गया है। एक राज्यपाल को दो या दो से अधिक राज्यों का राज्यपाल नियुक्त किया जा सकता है।
- राज्यपाल, राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत कार्य करता है।

राज्यपाल एक नज़र में

पद का उल्लेख	अनुच्छेद 153
पद का स्रोत	कनाडा
नियुक्ति	राष्ट्रपति द्वारा (केंद्रीय मंत्रिपरिषद की सिफारिश पर)
पदच्युत	राष्ट्रपति द्वारा (केंद्रीय मंत्रिपरिषद की सिफारिश पर)
शपथ	हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष
इस्तीफ़ा	राष्ट्रपति को
कार्यकाल	सामान्यतः 5 वर्ष
न्यूनतम आयु	35 वर्ष
वेतन	3.5 लाख प्रति माह

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

राज्यपाल के कार्य एवं शक्तियाँ

- राज्यपाल, राज्य की कार्यपालिका और विधायिका का प्रमुख होता है।
- राज्यपाल, राज्य सरकार के महत्वपूर्ण अधिकारियों की नियुक्ति करता है; जैसे- मुख्यमंत्री, राज्य मंत्रिपरिषद के सभी मंत्री, महाधिवक्ता, राज्य संबंधी संस्थाओं के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति।
- राज्यपाल, राज्य विश्वविद्यालय का कुलाधिपति होता है।
- अनुच्छेद 161 के तहत राज्यपाल, न्यायालय द्वारा दी गई सजा को कम अथवा पूर्णतः माफ़ कर सकता है, इसे राज्यपाल की क्षमादान शक्ति कहा जाता है।
- अनुच्छेद 171 के तहत राज्यपाल, विधानपरिषद की कुल सदस्य संख्या का 1/6 भाग सदस्यों को मनोनीत करता है, जिनका कला, विज्ञान, साहित्य, समाज सेवा एवं सहकारिता के क्षेत्र उत्कृष्ट योगदान होता है।
- अनुच्छेद 174 के तहत राज्यपाल, मुख्यमंत्री की सिफ़ारिश पर विधानसभा को भंग/विघटित कर सकता है।
- अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल, राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयक पर वीटो शक्ति का प्रयोग करके विधेयक को राष्ट्रपति के पास आरक्षित कर सकता है।
- अनुच्छेद 213 के तहत राज्यपाल, राज्य विधानमंडल का सत्र न चलने की स्थिति में राज्य सूची के किसी भी विषय पर अध्यादेश जारी कर सकता है।
- अनुच्छेद 356 के तहत राज्यपाल की सिफारिश पर राष्ट्रपति राज्य आपातकाल/राष्ट्रपति शासन की घोषणा करता है।

18. राज्य की मंत्रिपरिषद एवं मुख्यमंत्री

- अनुच्छेद 163 के तहत, राज्यपाल को विचार-विमर्श व सहायता देने हेतु एक राज्य मंत्रिपरिषद का गठन किया जाता है, जिसका मुखिया मुख्यमंत्री होता है।
- राज्य मंत्रिपरिषद के सभी मंत्री राज्य विधानमंडल के सदस्य होते हैं।
- राज्य मंत्रिपरिषद के सभी मंत्री राज्यपाल के प्रसादपर्यंत कार्य करते हैं।
- राज्य मंत्रिपरिषद के सभी मंत्री सामूहिक रूप से विधानसभा के प्रति उत्तरदायी होते है।
- अनुच्छेद 164 के तहत राज्यपाल, राज्य के मुख्यमंत्री की नियुक्ति करता है जबकि अन्य सभी मंत्रियों की नियुक्ति राज्यपाल, मुख्यमंत्री की सलाह पर करता है।
- मुख्यमंत्री सहित सभी मंत्रियों की न्यूनतम आयु 25 वर्ष होती है।
- मुख्यमंत्री का कार्यकाल सामान्यतः 5 वर्ष का होता है।
- मुख्यमंत्री, राज्य की कार्यपालिका का वास्तविक प्रमुख होता है।

19. महाधिवक्ता

- संविधान के अनुच्छेद 165 के तहत प्रत्येक राज्य के लिए महाधिवक्ता के पद का प्रावधान किया गया है।
- महाधिवक्ता की नियुक्ति राज्य मंत्रिपरिषद की सलाह पर राज्यपाल करता है और यह राज्यपाल के प्रसादपर्यंत पद धारण करता है
- महाधिवक्ता, राज्य का प्रथम और सर्वोच्च कानूनी सलाहकार होता है।
- महाधिवक्ता को देश के किसी भी न्यायालय में सुनवाई का अधिकार प्राप्त है।
- महाधिवक्ता, राज्य विधानमंडल के किसी भी सदन का सदस्य नहीं होता है, परन्तु सदनों की कार्यवाही में भाग ले सकता है और सदनों को संबोधित भी कर सकता है।
- महाधिवक्ता, सदन में मत का प्रयोग नहीं कर सकता है।
- महाधिवक्ता के पद की योग्यताएं उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के समान होती है।

20. राज्य विधायिका

- **अनुच्छेद** 168 के तहत राज्य विधायिका के रूप में कानून बनाने का कार्य राज्य विधानमंडल करती है।
- **राज्य विधानमंडल के तीन प्रमुख अंग है :** राज्यपाल (अध्यक्ष), विधानपरिषद् (उच्च सदन) और विधानसभा (निम्न सदन)।

21. विधानसभा

- विधानसभा को निम्न अथवा अस्थायी सदन कहा जाता है।
- मुख्यमंत्री की सिफारिश पर राज्यपाल किसी भी समय विधानसभा को भंग/विघटित कर सकता है, जिस कारण विधानसभा को अस्थायी सदन कहा जाता है।
- किसी राज्य की विधानसभा में अधिकतम सदस्यों की संख्या 500 और न्यूनतम सदस्यों की संख्या 60 निर्धारित है।
- देश की 4 विधानसभाएं न्यूनतम सदस्य संख्या का अपवाद है; गोवा (40), मिजोरम (40), सिक्किम (32) एवं पुडुचेरी (30)
- **सर्वाधिक विधानसभा सीटों वाले राज्य :** उत्तर प्रदेश (403), पश्चिम बंगाल (294), महाराष्ट्र (288), बिहार (243)
- **देश के तीन केन्द्रशासित प्रदेशों :** जम्मू कश्मीर (114), दिल्ली (70) एवं पुडुचेरी (30) में ही विधानसभा के गठन का प्रावधान किया गया है।
- अनुच्छेद 332 के तहत विधानसभाओं में जनसंख्या के आधार पर अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों को सीटों का आरक्षण किया गया है।
- विधानसभा के सदस्यों का कार्यकाल 5 वर्ष और न्यूनतम आयु 25 वर्ष होती है।

22. विधानपरिषद्

- विधानपरिषद् को उच्च अथवा स्थायी सदन कहा जाता है।
- विधानपरिषद् एकमात्र ऐसा सदन है, जिसे भंग नहीं किया जा सकता परन्तु समाप्त किया जा सकता है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- वर्तमान में केवल 6 राज्यों (उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश एवं तेलंगाना) में विधानपरिषद् विद्यमान है।
- किसी राज्य की विधानपरिषद् में कुल सदस्यों की संख्या उस राज्य की विधानसभा के कुल सदस्यों की संख्या के एक-तिहाई से अधिक नहीं हो सकती है।
- किसी राज्य की विधानपरिषद् में न्यूनतम सदस्यों की संख्या 40 हो सकती है।
- **सर्वाधिक विधानपरिषद् सीटों वाले राज्य :** उत्तर प्रदेश (100), महाराष्ट्र (78), बिहार (75), कर्नाटक (75), आंध्रप्रदेश (50) एवं तेलंगाना (40)।
- विधानपरिषद् के सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष का होता है परन्तु प्रत्येक दूसरे वर्ष एक-तिहाई सदस्य सेवानिवृत्त होते हैं तथा उनके स्थान पर नवीन सदस्य निर्वाचित होते हैं।
- विधानपरिषद् का सदस्य बनने के लिए न्यूनतम आयु सीमा 30 वर्ष है।
- विधानपरिषद् किसी साधारण विधेयक को अधिकतम 4 माह तक और किसी धन विधेयक को अधिकतम 14 दिनों तक रोक सकती है।
- विधानपरिषद् अपने सदस्यों में से एक सभापति एवं एक उपसभापति का चुनाव करती है।

NitinGupta.com

23. राज्य न्यायपालिका

- राज्य की न्यायपालिका में एक उच्च न्यायालय एवं उसके नीचे अधीनस्थ न्यायालय होते हैं।
- अधीनस्थ न्यायालय (अनुच्छेद 233-237), उच्च न्यायालय के अधीन एवं उसके निर्देशानुसार जिला और निम्न स्तरों पर कार्य करते हैं।

उच्च न्यायालय

- राज्य के न्यायिक प्रशासन में उच्च न्यायालय (अनुच्छेद 214-232) की स्थिति शीर्ष पर होती है।
- भारत में सर्वप्रथम उच्च न्यायालय की स्थापना 1862 में कलकत्ता में हुयी थी तत्पश्चात इसी वर्ष बम्बई और मद्रास में भी उच्च न्यायालय की स्थापना की गई।
- देश के चौथे उच्च न्यायालय की स्थापना 1866 में इलाहाबाद में हुई।
- संविधान के अनुच्छेद 214 के तहत प्रत्येक राज्य के लिए एक उच्च न्यायालय की व्यवस्था की गई थी।
- 7वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1956 के तहत यह प्रावधान किया गया कि एक उच्च न्यायालय दो या दो से अधिक राज्यों एवं एक संघ राज्य क्षेत्र के लिए साझा उच्च न्यायालय बन सकता है।
- वर्तमान में कुल उच्च न्यायालय की संख्या **25** है।

उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एक नज़र में	
नियुक्ति	राष्ट्रपति द्वारा
पदच्युत	संसद को
शपथ	राज्यपाल के समक्ष
इस्तीफ़ा	राष्ट्रपति को
कार्यकाल	निर्धारित नहीं
अधिकतम आयु	62 वर्ष
वेतन	मुख्य न्यायाधीश को 2.50 लाख प्रतिमाह अन्य न्यायाधीश को 2.25 लाख प्रतिमाह

- उच्च न्यायालय का न्यायाधीश बनने के लिए किसी व्यक्ति को भारत का नागरिक होना चाहिए।
- वह व्यक्ति किसी निम्न न्यायालय में कम-से-कम 10 वर्ष तक न्यायाधीश रहा हो या उच्च न्यायालय या विभिन्न न्यायालयों में मिलाकर 10 वर्ष तक वकील रहा हो।

24. स्थानीय स्वशासन

पंचायत

- लार्ड रिपन को भारतीय स्थानीय स्वशासन का जनक माना जाता है।
- 1882 के रिपन प्रस्ताव को भारतीय स्वशासन का मैग्नाकार्टा कहा जाता है।
- **अनुच्छेद 40** में ग्राम पंचायतों का गठन करना राज्यों का कर्तव्य बताया गया, जो गाँधीवादी विचारधारा से सम्बन्धित है।
- जनवरी 1957 में बलवंत राय मेहता समिति का गठन किया गया। इस समिति ने त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था की सिफारिश की थी।
- 2 अक्टूबर 1959 को बलवंत राय मेहता समिति की सिफारिश पर पं. नेहरू ने राजस्थान के नागौर जिले के बांगड़ी गांव में सर्वप्रथम त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था की शुरुआत की।
- वर्ष 1977 में अशोक मेहता समिति का गठन किया गया जिसका उद्देश्य पंचायती राजव्यवस्था में उत्पन्न कमियों को दूर करना था। इस समिति ने द्विस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था की सिफारिश की थी।
- वर्ष 1986 में प्रधानमंत्री राजीव गाँधी के शासनकाल में लक्ष्मीमल सिंघवी समिति का गठन किया गया।
- 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 के तहत संविधान के भाग-9 के अनुच्छेद 243 से अनुच्छेद 243(O) तक ग्रामीण पंचायती राजव्यवस्था को स्थापित किया गया।
- संविधान के भाग-9 में कुल अनुच्छेदों की संख्या 16 है।
- इसके साथ ही ग्राम स्तर की पंचायतों के कार्य, शक्तियाँ तथा कर्तव्यों का उल्लेख संविधान की 11वीं अनुसूची में किया गया। इस अनुसूची में कुल 29 विषय हैं।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- भारत का एकमात्र राज्य आंध्र प्रदेश है जहाँ अल्पसंख्यकों को पंचायतों में आरक्षण दिया गया है।
- उत्तर प्रदेश में महिलाओं को 1/3 सीटों का आरक्षण प्रदान किया गया है।
- मध्य प्रदेश, बिहार तथा उत्तराखंड में महिलाओं के लिए 1/2 सीटों का आरक्षण दिया गया है।
- भारत में पंचायती राजव्यवस्था का वास्तुकार बलवंत राय मेहता को माना जाता है।
- स्थानीय स्वशासन राज्य सूची का विषय है।
- पंचायतों का सदस्य बनने की न्यूनतम आयु 21 वर्ष होती है।
- अरुणांचल प्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य है जहाँ पर अनुसूचित जाति को सीटों का आरक्षण नहीं दिया गया है।
- मेघालय, मिजोरम तथा नागालैंड में पंचायतों का गठन नहीं किया गया है। इन राज्यों में एक स्तरीय जनजातीय परिषद कार्यरत है।
- 24 अप्रैल को प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- उत्तर प्रदेश पंचायत विधि (संशोधन) विधेयक वर्ष 1994 में पारित किया गया था, जो 22 अप्रैल 1994 को लागू हुआ था।
- स्वतंत्र भारत के प्रथम पंचायती राज मंत्री सुरेन्द्र कुमार डे थे।
- वर्तमान में केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री श्री गिरिराज सिंह है।
- ऐसे राज्यों में जहां जनसंख्या 20 लाख से कम है वहां मध्यवर्ती स्तर पर पंचायतों का गठन नहीं किया जा सकता है।
- अनुसूचित क्षेत्रों से संबंधित पंचायत विस्तार अधिनियम (PESA) का निर्माण वर्ष 1996 में किया गया था।

Nitin Gupta.com

नगरपालिका

- अंग्रेजों ने 1687 में पहली बार नगर निगम की स्थापना मद्रास में की थी।
- 74वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 के तहत संविधान के भाग-IX(A) में नगर पंचायत का उल्लेख अनुच्छेद 243(P) से अनुच्छेद 243(ZG) तक किया गया।
- संविधान के भाग-IX(A) में कुल अनुच्छेदों की संख्या 18 है।
- इसके साथ ही नगर स्तर की पंचायतों के कार्य, शक्तियाँ तथा कर्तव्यों का उल्लेख संविधान की 12वीं अनुसूची में किया गया। इस अनुसूची में कुल 18 विषय हैं।
- नगरपालिकाओं का कार्यकाल भी पंचायतों के समान प्रथम अधिवेशन (बैठक) से 5 वर्ष तक होता है।
- नगरपालिका में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा महिलाओं के लिए सीटों का आरक्षण प्रदान किया गया है।

सहकारी समितियां

- भारत में सहकारी आंदोलन की शुरुआत वर्ष 1904 में हुई थी।
- भारत में सहकारी आंदोलन का जनक एफ. निकोलसन को माना जाता है।
- 97वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2011 के तहत सहकारी समितियों को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया।
- इसके तहत संविधान में भाग-IX(B) को जोड़ा गया तथा इसके प्रावधान अनुच्छेद 243(ZH) से अनुच्छेद 243(ZT) तक किया गया।
- सहकारी समिति में निदेशकों की अधिकतम संख्या 21 हो सकती है। जिसमें से एक स्थान अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के लिए तथा दो स्थान महिला सदस्यों के लिए आरक्षित होते हैं।
- सहकारिता मंत्रालय के प्रथम/वर्तमान मंत्री अमित शाह है।

25. केंद्र-राज्य संबंध

- संविधान के **भाग-XI** में अनुच्छेद **245-263** तक केंद्र-राज्य संबंधो का उल्लेख किया गया है।
- केंद्र-राज्य संबंधों को मुखतः 3 भागों में विभाजित किया जाता है- विधायी संबंध (अनुच्छेद 245-255), प्रशासनिक संबंध (अनुच्छेद 256-263) एवं वित्तीय संबंध (अनुच्छेद 264-293)
- वित्तीय संबंध का उल्लेख संविधान के भाग-12 में किया गया है।
- अनुच्छेद 246 के तहत केंद्र एवं राज्यों के मध्य विधायी शक्तियों के बंटवारे के लिए तीन सूचियों का निर्माण सातवीं अनुसूची में किया गया।
- अनुच्छेद 246(A) के तहत वस्तु और सेवा कर (GST) के संबंध में विशेष प्रावधान किया गया।
- अनुच्छेद 248 के तहत विधायन की अवशिष्ट शक्तियां संसद में निहित किया गया।
- अनुच्छेद 249 के तहत राष्ट्रहित में राज्य सूची से संबंधित विषय पर संसद को कानून बनाने की शक्ति।
- अनुच्छेद 250 के तहत आपातकाल की स्थिति में राज्य सूची से संबंधित विषय पर संसद को कानून बनाने की शक्ति।
- अनुच्छेद 253 के तहत संसद को अंतर्राष्ट्रीय समझौते पर अमल करने के लिए विधि बनाने की शक्ति।
- **अनुच्छेद 262** के तहत संसद विधि बनाकर अंतर्राज्यीय नदियों अथवा नदी घाटियों के पानी से संबंधित विवादों के संबंध में न्याय निर्णय कर सकती है।
- **अनुच्छेद 263 :** राज्यों के मध्य तथा केंद्र और राज्यों के मध्य समन्वय के लिए अंतर्राज्यीय परिषद् के गठन का प्रावधान करता है।
- 101वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2016 के तहत अनुच्छेद 279(A) जोड़ा गया, जिसके द्वारा राष्ट्रपति को जीएसटी परिषद् की स्थापना की शक्ति प्राप्त होती है।
- केंद्र-राज्य संबंधों के संदर्भ में वर्ष 1966 में मोरारजी देसाई की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग का गठन किया गया था।
- वर्ष 1969 में डॉ. वी.पी. राजमन्नार की अध्यक्षता में 3 सदस्यीय राजमन्नार आयोग का गठन किया गया था।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

- वर्ष 1983 में केंद्र-राज्य संबंधों के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश आर.एस. सरकारिया की अध्यक्षता में 3 सदस्यीय सरकारिया आयोग का गठन किया गया था, जिसने संबंधों में सुधार की दिशा में 247 सिफ़ारिशें की थी।
- वर्ष 2007 में केंद्र सरकार ने केंद्र-राज्य संबंधों की समीक्षा के लिए पूर्व न्यायाधीश मदन मोहन पुंछी की अध्यक्षता में 4 सदस्यीय पुंछी आयोग का गठन किया था।

26. संवैधानिक/गैर संवैधानिक निकाय

वित्त आयोग

- वित्त आयोग का उल्लेख संविधान के **भाग-XII** के **अनुच्छेद 280** में किया गया है। यह एक अस्थायी आयोग है, जिसका राष्ट्रपति प्रत्येक 5वें वर्ष में गठन करता है।
- इस आयोग में एक अध्यक्ष सहित कुल 5 सदस्य होते है जिनकी नियुक्ति केन्द्र सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति करता है।
- इन सदस्यों का कार्यकाल 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक (जो पहले पूरा हो) होता है।
- **इस आयोग का मुख्य कार्य :** केंद्र और राज्यों के मध्य करों का बंटवारा करना।
- अब तक 15 वित्त आयोग का गठन किया जा चुका है।
- **15वें (2020-2025) वित्त आयोग के अध्यक्ष :** नन्द किशोर सिंह
- पहले वित्त आयोग के अध्यक्ष के.सी. नियोगी थे।

संघ लोक सेवा आयोग

- संघ लोक सेवा आयोग का उल्लेख संविधान के भाग-XIV के अनुच्छेद 315 में किया गया है।
- इस आयोग में एक अध्यक्ष सहित कुल 11 सदस्य होते हैं, जिनकी नियुक्ति राष्ट्रपति करता है। इन सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक (जो पहले पूरा हो) होता है।
- यह केन्द्रीय भर्ती संस्था (Grade A और B) के रूप में केन्द्र के कार्मिक मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।
- इस आयोग के प्रथम अध्यक्ष सर रोज बार्कर तथा प्रथम भारतीय अध्यक्ष एच.के. कृपलानी थे।
- इस आयोग के वर्तमान अध्यक्ष मनोज सोनी है।

राज्य लोक सेवा आयोग

- प्रत्येक राज्य के लिए एक राज्य लोक सेवा आयोग का उल्लेख संविधान के भाग-XIV के अनुच्छेद 315 में किया गया है।
- इस आयोग में एक अध्यक्ष सहित कुल 11 सदस्य होते हैं, जिनकी नियुक्ति राज्यपाल करता है।
- इन सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष या 62 वर्ष की आयु तक (जो पहले पूरा हो) होता है।
- यह राज्य भर्ती संस्था (Grade A और B) के रूप में राज्य के कार्मिक मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।

केन्द्रीय निर्वाचन आयोग

- केन्द्रीय निर्वाचन आयोग का उल्लेख संविधान के भाग-XV के अनुच्छेद 324 में किया गया है।
- इस आयोग में एक मुख्य चुनाव आयुक्त और दो चुनाव आयुक्त होते हैं, जिनकी नियुक्ति राष्ट्रपति करता है।
- इन सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक (जो पहले पूरा हो) होता है।
- प्रारम्भ में निर्वाचन आयोग एक सदस्यीय निकाय था परन्तु वर्ष 1989 में दो अन्य चुनाव आयुक्तों का प्रावधान करके निकाय को बहुसदस्यीय बना दिया गया।
- केन्द्रीय निर्वाचन आयोग के वर्तमान अध्यक्ष राजीव कुमार है।

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग

- 89वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 के तहत संविधान के भाग-XVI के अनुच्छेद 338 में अनुसूचित जाति आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया।
- इस आयोग में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष एवं तीन अन्य सदस्य होते हैं, जिनकी नियुक्ति राष्ट्रपति करता है।
- इन सदस्यों का कार्यकाल 3 वर्ष होता है।
- **इस आयोग का मुख्य कार्य :** अनुसूचित जाति की सुरक्षा एवं विकास करना।
- इस आयोग के वर्तमान अध्यक्ष किशोर मकवाना है।

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग

- 89वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 के तहत संविधान के भाग-XVI के अनुच्छेद 338(A) में अनुसूचित जनजाति आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया।
- इस आयोग में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष एवं तीन अन्य सदस्य होते हैं, जिनकी नियुक्ति राष्ट्रपति करता है।
- इन सदस्यों का कार्यकाल 3 वर्ष होता है।
- इस आयोग का मुख्य कार्य : अनुसूचित जनजाति की सुरक्षा एवं विकास करना।
- इस आयोग के वर्तमान अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य है।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग

- 102वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2018 के तहत संविधान के भाग-XVI के अनुच्छेद 338(B) में पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया।
- इस आयोग में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष एवं तीन अन्य सदस्य होते हैं, जिनकी नियुक्ति राष्ट्रपति करता है।
- इन सदस्यों का कार्यकाल 3 वर्ष होता है।
- इस आयोग का मुख्य कार्य : अन्य पिछड़ा वर्ग की सुरक्षा एवं विकास करना।
- इस आयोग के वर्तमान अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

गैर संवैधानिक निकाय				
	गठन वर्ष	कुल सदस्य	सदस्यों का कार्यकाल	वर्तमान प्रमुख/अध्यक्ष
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो	1963 (के. संथानम समिति की सिफारिश पर)	—-	—-	अनिल कुमार सिन्हा
केन्द्रीय सतर्कता आयोग	1964 (के. संथानम समिति की सिफारिश पर)	3	4 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक	ए.एस. राजीव
राष्ट्रीय महिला आयोग	1992	6	3 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक	रेखा शर्मा
राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग	1993	6	3 वर्ष या 70 वर्ष की आयु तक	न्यायमूर्ति अरुण कुमार मिश्रा
राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग	1993	7	3 वर्ष	इकबाल सिंह लालपुरा
केन्द्रीय सूचना आयोग	2005			हीरालाल सामरिया
राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग	2007	7	3 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक (अध्यक्ष) एवं 3 वर्ष या 60 वर्ष की आयु तक (अन्य सदस्य)	प्रियांक कानूनगो
नीति आयोग	2015		-—	नरेन्द्र मोदी

Nitin-Gupta.com

27. राजभाषा

- भारतीय संविधान के **भाग-XVII** के अन्तर्गत **अनुच्छेद 343-351** तक राजभाषा संबंधी प्रावधानों का उल्लेख किया गया है।
- अनुछेद 343 के तहत संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी है।
- अनुच्छेद 344 के तहत राष्ट्रपति, राजभाषा के संबंध में आयोग का गठन कर सकता है जिसमें एक अध्यक्ष और संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल विभिन्न भाषाओं के प्रतिनिधि शामिल होते हैं।
- वर्ष 1955 में बी.जी. खेर की अध्यक्षता में प्रथम राजभाषा आयोग का गठन किया गया था।
- राजभाषा के संबंध में संयुक्त संसदीय समिति के गठन का भी प्रावधान है इस समिति में कुल 30 सदस्य होते हैं, जिसमें 20 सदस्य लोकसभा से और 10 सदस्य राज्यसभा से होते हैं।
- वर्ष 1963 में संसद ने राजभाषा अधिनियम पारित किया था।
- भारतीय संविधान में किसी भी भाषा को आठवीं अनुसूची के अन्तर्गत शामिल किया जाता है।
- वर्तमान में आठवीं अनुसूची में 22 भाषाएं वर्णित (मूल रूप से 14) है।
- 21वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1967 के तहत सिन्धी भाषा को 8वीं अनुसूची में शामिल किया गया था।
- 71वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 के तहत कोंकणी, मणिपुरी और नेपाली भाषा को 8वीं अनुसूची में शामिल किया गया था।
- 92वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 के तहत बोडो, डोगरी, मैथिली एवं संथाली भाषा को 8वीं अनुसूची में शामिल किया गया था।
- 14 सितंबर, 1949 को हिंदी संवैधानिक रूप से राजभाषा घोषित की गई थी, जिस कारण प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है।
- **अनुच्छेद 348 :** उच्चतम न्यायालय तथा उच्च न्यायालय में प्रयोग की जाने वाली भाषा का उल्लेख।
- **अनुच्छेद 350(A) :** प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षण के लिए सुविधाएं।
- **अनुच्छेद 351 :** हिंदी भाषा के विकास के लिए निर्देश।

28. आपातकालीन उपबंध

- भारतीय संविधान के भाग-XVIII में अनुच्छेद 352-360 तक आपातकालीन उपबंधों का प्रावधान किया गया है।
- **भारतीय संविधान में तीन प्रकार के आपातकाल का उल्लेख किया गया है :** राष्ट्रीय आपातकाल, राज्य आपातकाल एवं वित्तीय आपातकाल।
- आपातकाल संबंधी सभी शक्तियाँ राष्ट्रपति में निहित होती है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- **अनुच्छेद 352** के तहत राष्ट्रपति युद्ध, बाह्य आक्रमण और सशस्त्र विद्रोह की स्थिति में मंत्रिमण्डल की सिफारिश पर राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा करता है।
- मूल संविधान के अनुच्छेद 352 में आंतरिक अशांति शब्द का प्रयोग किया गया था, परन्तु 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के तहत आंतरिक अशांति शब्द को हटाकर सशस्त्र विद्रोह किया गया।
- भारत में अब तक तीन बार (भारत-चीन युद्ध (1962), भारत-पाक युद्ध (1971) एवं आंतरिक अशांति का मामला (1975) राष्ट्रीय आपातकाल लग चुका है।
- राष्ट्रीय आपातकाल को 1 बार में अधिकतम 6 माह तक लगाया जा सकता है और 6-6 माह करके अनिश्चित समय तक बढ़ाया जा सकता है।
- अनुच्छेद 359 के तहत राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति में अनुच्छेद 20 तथा अनुच्छेद 21 को छोड़कर अन्य सभी मौलिक अधिकार निलंबित हो जाते हैं।
- अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति, किसी राज्य का संवैधानिक तंत्र विफल होने की स्थिति में उस राज्य के राज्यपाल की सिफारिश पर राज्य आपातकाल/राष्ट्रपति शासन की घोषणा करता है।
- राज्य आपातकाल को 1 बार में अधिकतम 6 माह तक लगाया जा सकता है और विशेष परिस्थिति में इसे बढ़ाकर 3 वर्ष किया जा सकता है।
- **सर्वाधिक बार राष्ट्रपति शासन वाले राज्य :** उत्तर प्रदेश (10), मणिपुर (10), बिहार (8)।
- सर्वाधिक बार राष्ट्रपति शासन इंदिरा गांधी (49 बार) के शासनकाल में लगा है।
- छत्तीसगढ़ और तेलंगाना ऐसे राज्य है जहां पर अब तक राष्ट्रपति शासन नहीं लगा है।
- अनुच्छेद 360 के तहत राष्ट्रपति, देश की वित्तीय स्थायित्व या साख के खतरे की स्थिति में केन्द्रीय मंत्रिपरिषद की सिफारिश पर वित्तीय आपतकाल की घोषणा करता है।
- वित्तीय आपातकाल को 1 बार में अधिकतम 6 माह तक लगाया जा सकता है और 6-6 माह करके अनिश्चित समय तक बढ़ाया जा सकता है।
- वित्तीय आपातकाल एकमात्र ऐसा आपातकाल है, जिसकी न्यूनतम अवधि (2 माह) निर्धारित है।
- अब तक कभी भी वित्तीय आपातकाल नहीं लगाया गया है।

29. संविधान संशोधन प्रक्रिया

- भारतीय संविधान के **भाग-XX** के अन्तर्गत **अनुच्छेद 368** में संसद को संविधान संशोधन की शक्ति प्रदान की गई है, जिसका स्रोत दक्षिण अफ्रीका है।
- भारतीय संविधान में 3 प्रकार से संशोधन किया जाता है : 1. साधारण बहुमत द्वारा, 2. विशेष बहुमत द्वारा तथा 3. विशेष बहुमत एवं राज्यों के अनुमोदन द्वारा।
- संविधान में संशोधन के लिए विधेयक को संसद के किसी भी सदन में प्रस्तुत किया जा सकता है।
- संविधान संशोधन विधेयक के मामले में दोनों सदनों को बराबर शक्तियाँ प्राप्त है।

महत्वपूर्ण संविधान संशोधन	
पहला संशोधन, 1951	भारतीय संविधान में 9वीं अनुसूची को जोडा गया।
7वां संशोधन, 1956	राज्यों का पुनर्गठन करके 14 राज्य और 6 केंद्रशासित प्रदेशों को पुनर्गठित किया गया।
10वां संशोधन, 1961	दादरा और नागर हवेली को भारतीय संघ में शामिल किया गया।
12वां संशोधन, 1962	गोवा, दमन और दीव को भारतीय संघ में शामिल किया गया।
14वां संशोधन, 1962	पुडुचेरी को भारतीय संघ में शामिल किया गया।
18वां संशोधन, 1966	पंजाब राज्य का पुर्नगठन करके हरियाणा राज्य और चण्डीगढ को केंद्रशासित प्रदेश बनाया गया।
21वां संशोधन, 1967	8वीं अनुसूची में सिन्धी भाषा को शामिल किया गया।
24वां संशोधन, 1971	संसद को मौलिक अधिकारों सहित संविधान के किसी भी भाग में संशोधन करने का अधिकार दिया गया।
36वां संशोधन, 1975	सिक्किम को भारतीय संघ में 22वें राज्य के रूप में सम्मिलित किया गया।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

42वां संशोधन, 1976	• इस संविधान संशोधन को लघु संविधान की संज्ञा दी जाती है। • मौलिक कर्तव्यों को संविधान में शामिल किया गया। • लोकसभा और विधानसभा के कार्यकाल को बढाकर 5 से 6 वर्ष कर दिया गया। • राष्ट्रपति को मंत्रिपरिषद की सलाह के अनुसार कार्य करने के लिए बाध्य किया गया। • संविधान की प्रस्तावना में पंथ निरपेक्ष, समाजवादी और अखण्डता शब्द को जोड़ा गया। • शिक्षा, वन और वन्यजीव, जनसंख्या नियंत्रण एवं परिवार नियोजन जैसे विषयों को समवर्ती सूची में शामिल किया गया।
44वां संसोधन, 1978	• लोकसभा और विधानसभा का कार्यकाल पुनः घटाकर 5 वर्ष कर दिया गया। • राष्ट्रीय आपात की घोषणा में आंतरिक अशान्ति शब्द को हटाकर सशस्त्र विद्रोह कर दिया गया। • सम्पत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकारों की श्रेणी से हटाकर कानूनी अधिकार बना दिया गया।
52वां संशोधन, 1985	संविधान में 10वीं अनुसूची को जोड़कर दल-बदल को रोकने के लिए कानून बनाया गया।
56वां संशोधन, 1987	गोवा को राज्य का दर्जा प्रदान किया गया।
61वां संशोधन, 1989	संविधान के अनुच्छेद 326 में संशोधन करके लोक सभा और राज्य विधान सभाओं में मताधिकार की उम्र 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दी गई।
69वां संशोधन, 1992	दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली का दर्जा प्रदान किया गया।
71वां संशोधन, 1992	संविधान की 8वीं अनुसची में कोंकणी, मणिपुरी और नेपाली भाषा को जोड़ा गया।
73वां संशोधन, 1992	संविधान में 11वीं अनुसची जोड़कर सम्पूर्ण देश में पंचायती राज की स्थापना का प्रावधान किया गया।
74वां संशोधन, 1992	संविधान में 12वीं अनुसूची जोड़कर नगरीय स्थानीय शासन को संवैधानिक संरक्षण प्रदान किया गया।
84वां संशोधन, 2001	1991 की जनगणना के आधार पर लोक सभा और विधान सभा क्षेत्रों के परिसीमन की अनुमति प्रदान की गई।
86वां संशोधन, 2003	प्राथमिक शिक्षा को मौलिक अधिकार की श्रेणी में लाया गया।
91वां संशोधन, 2003	संघीय मंत्रिपरिषद में मंत्रियों की कुल संख्या लोकसभा के या उस राज्य की विधानसभा की कुल सदस्य संख्या के 15% से अधिक नहीं हो सकती है।
92वां संशोधन, 2003	संविधान की 8वीं अनुसूची में बोडो, डोगरी, मैथिली और संथाली भाषा को शामिल किया गया।
93वां संशोधन, 2006	अन्य पिछड़ा वर्ग के बच्चों को सरकारी व निजी शिक्षण संस्थानों में 27% आरक्षण
99वां संशोधन, 2015	राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग का गठन (सुप्रीम कोर्ट द्वारा असंवैधानिक घोषित किया गया)
100वां संशोधन, 2015	भारत एवं बांग्लादेश के मध्य सीमा क्षेत्रों का आदान-प्रदान
101वां संशोधन, 2016	वस्तु एवं सेवा कर को संवैधानिक मान्यता
102वां संशोधन, 2018	अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा
103वां संशोधन, 2019	सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सरकारी नौकरियों एवं शिक्षण संस्थानों में 10% का आरक्षण।
104वां संशोधन, 2020	लोकसभा तथा राज्य विधानसभाओं में अनुसूचित जाति एवं जनजाति की सीटों के आरक्षण को 10 वर्षों के लिए बढाया गया और आंग्ल भारतीयों के आरक्षण को समाप्त किया गया।
105वां संशोधन, 2021	राज्यों द्वारा सामाजिक तथा शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों की पहचान करने की राज्यों की शक्ति को बहाल किया गया।

Nitin-Gupta.com

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

प्राचीन भारत का इतिहास

1. भारतीय इतिहास को जानने के स्रोत

- प्राचीन भारतीय इतिहास को जानने के मुख्यतः तीन स्रोत है–
  1. पुरातात्विक स्रोत
  2. साहित्यिक स्रोत
  3. विदेशी यात्रियों का विवरण
- **पुरातात्विक स्रोत :** पुरातात्विक स्रोत के अन्तर्गत मुख्य रूप से अभिलेख, स्थापत्य कला, चित्रकला, मुद्राएँ आदि को शामिल किया जाता हैं।

अभिलेख

- पुरातात्विक स्रोतों के अन्तर्गत सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्रोत अभिलेख है। अभिलेखों का उल्लेख मुख्यतः शिलाओं, स्तंभों, ताम्रपत्रों आदि पर प्राप्त होता है। अभिलेखों के अध्ययन को एपीग्राफी कहते हैं।
- विश्व का सबसे प्राचीनतम अभिलेख बोगजकोई (मध्य एशिया) है। इसमें वैदिक कालीन देवता इंद्र, मित्र, वरुण तथा नासत्य का उल्लेख प्राप्त होता है।
- भारत का सबसे प्राचीनतम अभिलेख अशोक के अभिलेखों को माना जाता है। अशोक के अभिलेख मुख्यतः ब्राह्मी तथा खरोष्ठी लिपि में प्राप्त हुए है।
- अशोक के अभिलेखों को सर्वप्रथम 1837 में जेम्स प्रिन्सेप ने पढ़ा था।

महत्वपूर्ण अभिलेख

अभिलेख	संबंधित शासक एवं उसकी विशेषताएँ
हाथी गुम्फा अभिलेख	कलिंग राज खारवेल (सर्वप्रथम भारतवर्ष का उल्लेख, कलिंग युद्ध का वर्णन)
जूनागढ़ अभिलेख	रुद्रदामन (सुदर्शन झील के विषय में जानकारी)
नासिक अभिलेख	गौतमीपुत्र शातकर्णी (सातवाहन शासको की उपलब्धियाँ)
प्रयाग स्तम्भ लेख	समुद्रगुप्त (समुद्रगुप्त के विजयों का उल्लेख)
ऐहोल अभिलेख	पुलकेशिन द्वितीय
मंदसौर अभिलेख	यशोवर्मन (रेशम बुनकर की श्रेणियों की जानकारी)
ग्वालियर अभिलेख	गुर्जर प्रतिहार शासकों के बारे में जानकारी
भीतरी स्तंभ लेख	स्कंदगुप्त (हूणों पर विजय का विवरण)
देवपाड़ा अभिलेख	बंगाल शासक विजयसेन के बारे में
बांसखेड़ा तथा मधुबन अभिलेख	हर्षवर्धन की उपलब्धियों का विवरण
बालाघाट एवं कार्ले अभिलेख	सातवाहन शासकों की उपलब्धियाँ
अयोध्या अभिलेख	शुंग शासकों की उपलब्धियाँ
भरहुत अभिलेख	शुंग शासकों द्वारा निर्मित
एरण अभिलेख	भानुगुप्त (सती प्रथा का पहला लिखित साक्ष्य)

- **साहित्यिक स्रोत :** साहित्यिक स्रोत मुख्यतः दो प्रकार के होते है–धार्मिक साहित्य और लौकिक साहित्य। धार्मिक साहित्यों में वेद, पुराण, उपनिषद्, आरण्यक, ब्राह्मण ग्रन्थ, वेदांग, रामायण, महाभारत, बौद्ध एवं जैन साहित्य आदि शामिल है जबकि लौकिक साहित्य में अर्थशास्त्र, अष्टाध्यायी, गार्गी संहिता, मुद्राराक्षस, देवीचंद्रगुप्तम, मालविकाग्निमित्रम, राजतरंगिणी आदि शामिल है।
- **विदेशी यात्रियों का विवरण :** भारत में आने वाले विदेशी यात्रियों एवं लेखकों के विवरण से भी प्राचीन भारतीय इतिहास की जानकारी प्राप्त होती है। इनमें मुख्यतः यूनानी, रोमन, अरबी एवं चीनी यात्री सम्मिलित है।

यात्री/लेखक	पुस्तक	संबंधी विवरण
मेगस्थनीज	इंडिका	मौर्यकालीन समाज व संस्कृति का उल्लेख
प्लिनी	नेचुरल हिस्टोरिका	भारत व इटली के मध्य व्यापार, वनस्पतियों व खनिजों का उल्लेख
टाल्मी	ज्योग्राफी एवं पेरिप्लस ऑफ द एरिथ्रियन सी	भारतीय बंदरगाहों तथा व्यापारिक वस्तुओं का वर्णन
हेरोडोटस	हिस्टोरिका	भारत व फारस के मध्य संबंधों का वर्णन
फाह्यान	फो-क्यू-की	गुप्तकालीन सामाजिक, धार्मिक एवं आर्थिक स्थिति का विवरण
ह्वेनसांग	सी-यू-की	हर्षकालीन भारत का वर्णन
ह्वी ली	ह्वेनसांग की जीवनी	हर्षकालीन इतिहास का वर्णन
इत्सिंग		नालंदा एवं विक्रमशिला विश्वविद्यालय और उस समय के भारत का उल्लेख
मार्कोपोलो		पाण्ड्य साम्राज्य का इतिहास
अलबरूनी		राजपूतकालीन समाज, धर्म, रीति-रिवाज आदि का वर्णन
अलमसूदी		राष्ट्रकूट एवं प्रतिहार शासकों का इतिहास

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- **प्राचीन भारतीय इतिहास का काल विभाजन :** प्राचीन भारतीय इतिहास की विशद सामग्री को इतिहासकारों ने अध्ययन की दृष्टि से तीन कालों में वर्गीकृत किया हैं–
  1. **प्रागैतिहासिक काल :** लिखित साक्ष्य प्राप्त नहीं
  2. **आद्य-ऐतिहासिक काल :** लिखित साक्ष्य प्राप्त परन्तु अपठनीय
  3. **ऐतिहासिक काल :** पठनीय लिखित साक्ष्य प्राप्त

2. प्रागैतिहासिक काल

पाषाण काल

- भारत में सर्वप्रथम पाषाणकालीन सभ्यता की खोज वर्ष 1863 में हुई। इस दौरान भू-वैज्ञानिक राबर्ट ब्रूस फुट ने मद्रास के पल्लवरम से प्रथम पुरा पाषाणकालीन उपकरण प्राप्त किया।
- अध्ययन की दृष्टि से पाषाण काल को तीन भागों में विभाजित किया गया है-

1. पुरापाषाण काल

Nitin-Gupta.com

- भारत में पुरापाषाण युगीन सभ्यता का विकास प्लाइस्टोसीन युग से हुआ।
- इस काल में मानव की जीविका का मुख्य आधार आखेट (शिकार) था।
- मध्यप्रदेश के भीमबेटका की गुफाओं में इस काल के बने चित्र प्राप्त होते है।
- इसी काल में होमोसेपियन्स (ज्ञानी मानव) का उदय हुआ।

2. मध्यपाषाण काल

- इसी काल के पशुपालन के सबसे प्राचीनतम साक्ष्य मध्यप्रदेश के आदमगढ़ और राजस्थान के बागोर से प्राप्त हुए।
- उत्तर प्रदेश के सरायनाहर तथा महदहा नामक स्थल से मध्यपाषाण कालीन मानव अस्थि पंजर प्राप्त हुए थे। इसे भारत में मानव कंकाल का प्रथम साक्ष्य माना जाता है।

3. नवपाषाण काल

- इस काल में मानव द्वारा सर्वप्रथम कृषि के साक्ष्य बलूचिस्तान के मेहरगढ़ से प्राप्त हुए इसी के साथ इलाहाबाद के कोल्डीहवा से चावल की खेती का साक्ष्य प्राप्त हुआ।
- इस काल में मानव कृषि के साथ-साथ पशुपालन भी किया करते थे।
- इस काल की सबसे बड़ी खोज पहिये का आविष्कार था।
- नवपाषाणकाल में ही सर्वप्रथम आग का प्रचलन हुआ।
- कश्मीर के बुर्जहोम से मानव के शव के साथ उसके पालतू कुत्ते को भी दफ़नाने का प्रमाण प्राप्त होता है।

3. हड़प्पा सभ्यता

- सिंधु घाटी की सभ्यता भारत की सबसे प्राचीन सभ्यता है, जिसे हम हड़प्पा सभ्यता के नाम से भी जानते हैं।
- सिंधु घाटी सभ्यता का विकास सिंधु नदी व उसकी सहायक नदियों के आस पास के क्षेत्र में हुआ था, इसीलिए इसे 'सिंधु घाटी सभ्यता' का नाम दिया गया है। इस सभ्यता के मुख्य निवासी द्रविड़ और भूमध्यसागरीय थे।
- रेडियो कार्बन-14 (C-14) तकनीक के माध्यम से इस सभ्यता का काल 2350 ई० पू० से 1750 ई० पू० तक बताया गया है।
- सिंधु घाटी सभ्यता एक नगरीय सभ्यता थी। नगर दो भागों में विभाजित थे दुर्ग और निचला शहर।
- सिंधु घाटी सभ्यता के लोगों का मुख्य व्यवसाय व्यापार कृषि तथा पशुपालन था। सिंधु घाटी सभ्यता के निवासी गेहूं, जौ, कपास, मटर, तिल तथा चावल एवं अनेक फल उगाते थे।
- सिंधु घाटी सभ्यता के लोगों द्वारा शाकाहारी व मांसाहारी दोनों प्रकार का भोजन प्रयोग किया जाता था।
- इस सभ्यता में स्त्री एवं पुरुष दोनों ही आभूषण पहनते थे।
- हड़प्पा की मोहरों पर सबसे अधिक एक श्रृंगी पशु का अंकन मिलता है।
- सिन्धु सभ्यता में मातृदेवी की उपासना सर्वाधिक प्रचलित थी। सिन्धु सभ्यता के लोग धरती को उर्वरता की देवी मानकर उसकी पूजा किया करते थे। वृक्ष-पूजा एवं लिंग पूजा के प्रचलन के साक्ष्य भी सिन्धु सभ्यता से मिलते हैं।
- पशुओं में कुबड़ वाला बैल इस सभ्यता के लोगों के लिए विशेष पूजनीय था।
- सिन्धु सभ्यता के लोग सूती एवं ऊनी वस्त्रों का प्रयोग करते थे।
- मनोरंजन के लिए मछली पकड़ना, शिकार करना, पशु-पक्षियों को आपस में लड़ाना, चौपड़ और पासा खेलना आदि साधनों का प्रयोग करते थे।

हड़प्पा सभ्यता के महत्त्वपूर्ण स्थल एवं उनकी अवस्थिति

स्थल	खोजकर्त्ता	अवस्थिति	महत्त्वपूर्ण खोज
हड़प्पा	दयाराम साहनी (1921)	पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मांटगोमरी जिले में रावी नदी के तट पर स्थित है।	बलुआ पत्थर की बनी मानव मूर्तियाँ, अन्नागार, बैलगाड़ी
मोहनजोदड़ो (मृतकों का टीला)	राखलदास बनर्जी (1922)	पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के लरकाना जिले में सिंधु नदी के तट पर स्थित है।	विशाल स्नानागार, अन्नागार, कांस्य की नर्तकी की मूर्ति, पशुपति महादेव की मुहर, दाढ़ी वाले मनुष्य की पत्थर की मूर्ति, बुने हुए कपड़े

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

सुत्कागेंडोर	स्टाइन (1927)	पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी राज्य बलूचिस्तान में दाश्त नदी के किनारे पर स्थित है।	हड़प्पा और बेबीलोन के बीच व्यापार का केंद्र बिंदु था।
चन्हूदड़ो	एन .जी. मजूमदार (1931)	सिंधु नदी के तट पर सिंध प्रांत में।	मनके बनाने का कारखाना
आमरी	एन.जी. मजूमदार (1935)	सिंधु नदी के तट पर	हिरन के साक्ष्य
कालीबंगन	घोष (1953)	राजस्थान में घग्गर नदी के किनारे	अग्नि वेदिकाएँ, ऊंट की हड्डियाँ, लकड़ी का हल
लोथल	आर. राव (1953)	गुजरात में कैम्बे की खाड़ी के समीप भोगवा नदी के किनारे पर स्थित है।	मानव निर्मित बंदरगाह, गोदीवाड़ा, धान की भूसी, अग्नि वेदिकाएं, शतरंज का खेल
सुरकोटदा	जे.पी. जोशी (1964)	गुजरात	घोड़े की हड्डियाँ, मनके
बनावली	आर.एस. बिष्ट (1974) जे.पी. जोशी (1967-68) खोजकर्त्ता	हरियाणा के हिसार जिले में स्थित।	मनके, जौ, हड़प्पा पूर्व और हड़प्पा संस्कृतियों के साक्ष्य
धौलावीरा	आर.एस. बिष्ट (1990) (उत्खननकर्त्ता)	गुजरात में कच्छ के रण में स्थित।	जल निकासी प्रबंधन, जल कुंड

4. वैदिक काल

- वैदिक काल को ऋग्वैदिक या पूर्व वैदिक काल (1500-1000 ई.पू.) तथा उत्तर वैदिक काल (1000-600 ई.पू) में बाँटा गया है। ऋवैदिक काल की सर्वाधिक पवित्र नदी सरस्वती थी जिसे नदीतमा (नदियों में प्रमुख) कहा गया है।
- आर्यों एवं वैदिक काल की जानकारी ऋग्वेद से होती है। वेद चार है : ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद।
- वैदिक संहिताओं का सही क्रम : वैदिक संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषद है। वेदांग 6 है– शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, ज्योतिष एवं छंद।
- चारों वेदों को सम्मिलित रूप से संहिता कहलाता है। ऋग्वेद, सामवेद और यजुर्वेद को "वेदत्रयी" या "त्रयी" कहा जाता है।
- उत्तरवैदिक कालीन सभ्यता की जानकारी यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद, ब्राह्मण ग्रन्थ, आरण्यक ग्रन्थ एवं उपनिषद ग्रन्थ से प्राप्त होती हैं।
- वेदों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण ऋग्वेद है और सबसे प्राचीन है। इसमें 10 मण्डल तथा 1028 सूक्त है। ऋग्वेद का नौवां मंडल सोम को समर्पित है।
- 'असतो मा सद्गमय' वाक्य ऋग्वेद से लिया गया है। गायत्री मंत्र ऋग्वेद के तीसरे मंडल में उल्लेखित है इसकी रचना विश्वामित्र ने की थी।
- छन्दोग्य उपनिषद में केवल तीन आश्रमों का उल्लेख किया गया है, जबकि चारों आश्रम का उल्लेख सर्वप्रथम जाबालोंपनिषद में मिलता है।
- ऋग्वैदिक कालीन वर्णव्यवस्था व्यवसाय पर आधारित थी। ऋग्वेद से बढ़ई, रथकार, बुनकर, चर्मकार एवं कारीगर आदि शिल्पवर्ग की जानकारी प्राप्त होती है। ऋग्वेद में प्रमुख व्यवसायियों का उल्लेख प्राप्त होता है–तक्षण (बढ़ई), धातु कर्मी) (धातु का कार्य करने वाले), स्वर्णकार, चर्मकार, वाय (जुलाहे), कुम्भकार (कुलाल) आदि।
- ऋग्वेद के सर्वप्रमुख देवता इन्द्र है इसे पुरन्दर कहा गया है। यह बादल एवं वर्षा का देवता था। ऋग्वेद में इन्द्र की स्तुति में 250 सूक्त हैं।
- उत्तरवैदिक काल में सर्वश्रेष्ट देवता के रूप में इन्द्र के स्थान पर प्रजापति को सर्वोच्च स्थान मिला।
- यजुर्वेद में व्रीहि (धान), यव (जौ), माण (उड़द) मुद्ग (मूंग), गोधूम (गेहूँ), मसूर आदि अनाजों का वर्णन मिलता है। अथर्ववेद में सर्वप्रथम नहरों का उल्लेख हुआ है।
- निष्क, शतमान, पाद, कृष्णल आदि माप की विभिन्न इकाइयाँ थीं। द्रोण अनाज मापने के लिए प्रयुक्त किए जाते थे।
- मोक्ष की चर्चा सर्वप्रथम उपनिषद् में मिलती है। पुनर्जन्म की अवधारणा वृहदराण्यक उपनिषद् में मिलती है।
- निष्काम कर्म के सिद्धान्त का प्रतिपादन सर्वप्रथम ईशोपनिषद् में किया गया है।
- यम और नचिकेता का संवाद कठोपनिषद में मिलता है।
- ऋग्वैदिककालीन समाज की सबसे छोटी इकाई परिवार होता था। इसके अलावा इसमें अन्य इकाइयों के रूप में ग्राम, विश एवं जन का उल्लेख भी हुआ है।
- ऋग्वैदिककालीन आर्यों की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार पशुचारण था। पशुओं की प्राप्ति के लिये विभिन्न प्रकार की प्रार्थनाएं एवं अनुष्ठान किये जाते थे।
- गाय को अघन्य अर्थात न मारे जाने वाला पशु कहा गया है।
- गाय से संबंधित विभिन्न शब्दों के उल्लेख से मिलता है : गोमत (धनी व्यक्ति), गविष्ट (गाय की खोज), गोपति (गाय का रक्षक) आदि।
- वैदिक काल में सभा और समिति नामक दो संस्थाए थी। सभा श्रेष्ठ एवं संभ्रांत लोगों की संस्था थी और समिति सामान्य जनता का प्रतिनिधित्व करती थी।
- समिति के अध्यक्ष को ईशान कहा जाता था यह राजा को चुनने एवं पदच्युत करने का कार्य करती थी।
- अथर्ववेद में सभा और समिति को प्रजापति की दो पुत्रियाँ कहा गया है।

NitinGupta.com

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

वेदों के ब्राह्मण, अरण्यक तथा उपनिषद					
वेद	ब्राह्मण	अरण्यक	उपनिषद	उपवेद	प्रवर्तक (उपवेद)
ऋग्वेद	ऐतरेय ब्राह्मण कौषीतकी ब्राह्मण	ऐतरेय, कौषीतकी	ऐतरेय उपनिषद कौषीतकी	आयुर्वेद	प्रजापति
सामवेद	पंचविश ब्राह्मण ताण्डय ब्राह्मण षडविष ब्राह्मण जैमिनीय ब्राह्मण	छांदोग्य, जैमिनीय	छांदोग्य उपनिषद केनोपनिषद	गंधर्ववेद	नारद
यजुर्वेद	तैत्तिरीय ब्राह्मण शतपथ ब्राह्मण	वृहदारण्यक तैत्रिरीयारण्यक	श्वेताश्वतरोपनिषद वृहदारण्यक उपनिषद, इशोपनिषद, मैत्रायणी उपनिषद, कठोपनिषद, तैत्तिरीय उपनिषद	धनुर्वेद	विश्वामित्र
अथर्ववेद	गोपथ ब्राह्मण	-	मुंडकोपनिषद, प्रश्नोपनिषद, माण्डूक्योपनिषद	शिल्प वेद	विश्वकर्मा

प्रमुख भारतीय दर्शन एवं उनके संस्थापक	
दर्शन	संस्थापक
न्याय दर्शन	महर्षि गौतम
सांख्य दर्शन	महर्षि कपिल
मीमांसा दर्शन	महर्षि जैमिनी
योग दर्शन	महर्षि पतंजलि
वैशेषिक दर्शन	महर्षि कणाद

Nitin-Gupta.com

5. महाजनपद काल

- छठी शताब्दी ई० पू० में सोलह महाजनपदों का विकास हुआ था इसका उल्लेख बौद्ध ग्रंथ "अंगुत्तर निकाय" और जैन ग्रंथ "भगवती सूत्र" में किया गया है। सोलह महाजनपदों में मगध सर्वाधिक शक्तिशाली था।
- बुद्ध कालीन 4 शक्तिशाली राजतंत्र कोशल, मगध, वत्स एवं अवन्ति थे।

गणतंत्रीय राज्य

- बुद्ध के समय 10 गणतंत्र राज्य थे, जिसमें 8 वज्जि संघ के तथा 2 मल्ल के अंतर्गत थे। बुद्ध काल का सर्वाधिक बड़ा व शक्तिशाली "वैशाली का लिच्छवी" गणराज्य था। 10 गणतंत्र राज्य निम्न थे :

1. कपिलवस्तु के शाक्य
2. सुमसुमार गिरि के मग्ग
3. अल्लकम्प के बुलि
4. केसपुत्त के कालाम
5. रामग्राम के कोलिय
6. कुशीनारा के मल्ल
7. पावा के मल्ल
8. पिप्पलिवन के मोरिय
9. वैशाली के लिच्छवी
10. मिथिला के विदेह

6. जैन धर्म और बौद्ध धर्म

जैन धर्म

- जैन धर्म के संस्थापक इसके प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव थे। महावीर स्वामी जैन धर्म के 24वें एवं अंतिम तीर्थकर हुए।
- महावीर का जन्म 540 ई० पू० में कुण्डग्राम (वैशाली) में हुआ था। महावीर के बचपन का नाम वर्द्धमान था। इनके पिता सिद्धार्थ 'ज्ञातृक कुल' के मुखिया थे और माता त्रिशला लिच्छिवी राजा चेटक की बहन थी।
- 30 वर्ष की आयु में गृह त्याग के बाद 12 वर्षों की कठोर तपस्या के बाद महावीर को जुम्भिक ग्राम के समीप ऋजुपालिका नदी के तट पर साल वृक्ष के नीचे कैवल्य (सर्वोच्च ज्ञान) की प्राप्ति हुई।
- कैवल्य प्राप्त हो जाने के बाद महावीर जिन (विजेता), अर्हत (पूज्य) और निर्ग्रन्थ (बंधनहीन) कहलाए। बौद्ध साहित्य में महावीर को निगण्ठ-नाथपुत्त कहा गया है।
- महावीर ने अपना उपदेश प्राकृत (अर्धमागधी) भाषा में दिया।
- महावीर के प्रथम अनुयायी उनके दामाद जामालि बने। प्रथम जैन भिक्षुणी नरेश दधिवाहन की पुत्री चम्पा थी।
- **जैन धर्म के त्रिरत्न :** सम्यक् श्रद्धा, सम्यक् ज्ञान और सम्यक् आचरण।
- जैन धर्म में पंच महाव्रत अहिंसा, सत्य, अस्तेय, अपरिग्रह एवं ब्रह्मचर्य की व्यवस्था की गई है।
- महावीर की मृत्यु (निर्वाण) बिहार राज्य के पावापुरी (राजगीर) में 72 वर्ष की आयु में 468 ई० पू० में हुई थी।
- स्यादवाद (अनेकांतवाद) अथवा सप्तभंगीनय को ज्ञान की सापेक्षता का सिद्धांत कहा जाता है।
- कुछ प्रमुख शासक जैन धर्म के अनुयायी थे–उदयन, चंद्रगुप्त मौर्य, कलिंगराज खारवेल, अमोघवर्ष, राष्ट्रकूट राजा, चंदेल शासक।
- जैन धर्म के आध्यात्मिक विचार सांख्य दर्शन से प्रेरित हैं। महावीर की मृत्यु के बाद जैन मत श्वेताम्बर एवं दिगम्बर नामक दो सम्प्रदायों में बँट गया। स्थूलभद्र के शिष्य श्वेताम्बर (श्वेत वस्त्र धारण करने वाले) एवं भद्रबाहु के शिष्य दिगम्बर (नग्न रहने वाले) कहलाए। जैन तीर्थंकरों की जीवनियों का संकलन भद्रबाहु द्वारा रचित कल्पसूत्र में किया गया है, जो की संस्कृत भाषा में लिखा गया।
- चंदेल शासकों ने खजुराहो में जैन मंदिरों का निर्माण कराया। उज्जैन और मथुरा जैन धर्म के प्रसिद्ध केंद्र थे।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

जैन संगीतियाँ				
संगीति	**वर्ष**	**स्थल**	**अध्यक्ष**	**कार्य**
प्रथम संगीति	298 ई०पू०-300 ई०पू०	पाटलिपुत्र	स्थूलभद्र	प्रथम संगीति में 12 अंगों का संकलन किया गया व जैन धर्म का दो भागों में विभाजन (श्वेताम्बर एवं दिगम्बर)
द्वितीय संगीति	512 ई०	वल्लभी (गुजरात में)	देवर्धिगणि (क्षमाश्रमण)	द्वितीय जैन संगीति के दौरान जैन धर्मग्रंथों को अंतिम रूप से लिपिबद्ध एवं संकलित किया गया।

बौद्ध धर्म

- बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध थे। गौतम बुद्ध का जन्म 563 ई० पू० में कपिलवस्तु के लुम्बिनी नामक स्थान पर हुआ था। इनके बचपन का नाम सिद्धार्थ था।
- 29 वर्ष की अवस्था में गृह-त्याग किया, जिसे बौद्ध धर्म में महाभिनिष्क्रमण कहा गया है। गृह-त्याग करने के बाद सिद्धार्थ (बुद्ध) ने वैशाली के आलारकलाम से सांख्य दर्शन की शिक्षा ग्रहण की।
- आलारकलाम सिद्धार्थ के प्रथम गुरु थे। सिद्धार्थ को एशिया का ज्योति पुंज (Light of Asia) कहा जाता है।
- 6 वर्ष की कठिन तपस्या के बाद 35 वर्ष की आयु में वैशाख पूर्णिमा की रात निरंजना (फल्गु) नदी के किनारे पीपल वृक्ष के नीचे सिद्धार्थ को ज्ञान प्राप्त हुआ।
- ज्ञान-प्राप्ति के बाद सिद्धार्थ बुद्ध के नाम से जाने गए और वह स्थान बोधगया कहलाया। बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश सारनाथ (ऋषिपतनम्) में दिया, जिसे बौद्ध ग्रंथों में धर्मचक्र प्रवर्तन कहा गया है।
- बुद्ध ने अपने उपदेश जनसाधारण की भाषा पालि में तथा कोशल, वैशाली, कौशाम्बी एवं अन्य राज्यों में दिए।
- सर्वाधिक उपदेश कोशल देश की राजधानी श्रावस्ती में दिया था।
- बिंबिसार, प्रसेनजित तथा उदयन अनुयायी शासक थे। बुद्ध के प्रधान शिष्य उपालि एवं आनंद थे।
- बुद्ध की मृत्यु 80 वर्ष की अवस्था में 483 ई० पू० में कुशीनारा या कुशीनगर (उत्तर प्रदेश) में चुन्द द्वारा अर्पित भोजन करने के बाद हो गयी, जिसे बौद्ध धर्म में महापरिनिर्वाण कहा गया है।
- **बौद्ध धर्म के त्रिरत्न है :** बुद्ध, धम्म और संघ। बुद्ध के पंचशील सिद्धांत का वर्णन छान्दोग्य उपनिषद में किया गया है।
- **बौद्ध धर्म के चार आर्य सत्य है :** (i) दुःख (ii) दुःख समुदाय (iii) दुःख निरोध (iv) दुःख निरोधगामिनी प्रतिपदा।
- **सांसारिक दुःखों से मुक्ति हेतु बुद्ध ने अष्टांगिक मार्ग बताए हैं–** (i) सम्यक् दृष्टि (ii) सम्यक् संकल्प (iii) सम्यक् वाणी (iv) सम्यक् कर्मान्त (v) सम्यक् आजीव (vi) सम्यक् व्यायाम (vii) सम्यक् स्मृति एवं (viii) सम्यक् समाधि।
- बुद्ध की मृत्यु के बाद उनकी शिक्षाओं को संकलित कर तीन भागों में बाँटा गया, इन्ही को त्रिपिटक कहते हैं जैसे- विनय पिटक (संघ सम्बधी नियम तथा आचार की शिक्षाएं), सुत्तपिटक (धार्मिक सिद्धांत), तथा अभिधम्म पिटक (दार्शनिक सिद्धांत)। सुत्तपिटक को बौद्ध धर्म का एनसाइक्लोपीडिया कहा जाता है।
- बौद्ध संघ का संगठन गणतांत्रिक आधार पर हुआ था। संघ में प्रविष्ट होने को उपसम्पदा कहा जाता था।
- चतुर्थ बौद्ध संगीति के बाद बौद्ध धर्म हीनयान एवं महायान दो सम्प्रदायों में विभाजित हो गया था।
- बिहार और बंगाल के पाल शासकों ने बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार में विशेष योगदान दिया। नालंदा तथा विक्रमशिला विश्वविद्यालय बौद्ध शिक्षा के प्रधान केंद्र थे।

NitinGupta.com

बौद्ध संगीतियाँ					
संगीति	**स्थान**	**समय**	**शासनकाल**	**अध्यक्ष**	**कार्य**
प्रथम बौद्ध संगीति	राजगृह (सप्तपर्णी गुफा)	483 ई० पू०	अजातशत्रु	महाकश्यप	बुद्ध की शिक्षाओं को सुत्तपिटक तथा विनय पिटक नामक पिटकों में अलग-अलग संकलन किया गया।
द्वितीय बौद्ध संगीति	वैशाली	383 ई० पू०	कालाशोक	साबकमीर	पूर्वी तथा पश्चिमी भिक्षुओं के आपसी मतभेद के कारण संघ का स्थविर एवं महासंघिक में विभाजन हो गया।
तृतीय बौद्ध संगीति	पाटलिपुत्र	250 ई० पू०	अशोक	मोग्गलिपुत्त तिस्स	धर्म ग्रंथ का अंतिम रूप से संकलन व अभिधम्मपिटक का संकलन एवं संघभेद को समाप्त करने के लिए कठोर नियम
चतुर्थ बौद्ध संगीति	कुण्डलवन (कश्मीर)	प्रथम शताब्दी ई०	कनिष्क	वसुमित्र व अश्वघोष	'विभाषाशास्त्र' नामक टीका का संस्कृत में संकलन व बौद्ध संघ का हीनयान एवं महायान सम्प्रदायों में विभाजन

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

7. मौर्य साम्राज्य

- मौर्य वंश की स्थापना 322 ई० पू० में चन्द्रगुप्त मौर्य ने की थी। चन्द्रगुप्त मौर्य जैनधर्म का अनुयायी था उसने जैन गुरु भद्रबाहु से जैनधर्म की दीक्षा ली थी।
- ब्राह्मण साहित्य चन्द्रगुप्त मौर्य को शूद्र, बौद्ध एवं जैन ग्रंथ क्षत्रिय तथा विशाखदत्त कृत मुद्राराक्षस में वृषल कुल (निम्न कुल) का बताया गया है।
- चन्द्रगुप्त मौर्य को स्ट्रेबो एवं जस्टिन ने सैंड्राकोट्स, एरियन तथा प्लुटार्क ने एड्रोकोट्स तथा फिलार्कस ने सैंड्रोकोट्स कहा है।
- चन्द्रगुप्त ने 305 ई. पू. में यूनानी शासक सेल्यूकस निकेटर को हराया। सेल्यूकस निकेटर ने युद्ध की संधि-शर्तों के अनुसार चार प्रांत काबुल, कन्धार, हेरात एवं मकरान चन्द्रगुप्त को दिए और बदले में चन्द्रगुप्त ने सेल्यूकस को 500 हाथी उपहार में दिए थे।
- चन्द्रगुप्त मौर्य और सेल्यूकस के बीच हुए युद्ध का वर्णन एप्पियानस ने किया।
- चन्द्रगुप्त के दरबार में सेल्यूकस निकेटर का राजदूत मेगास्थनीज आया था। यह भारत आने वाला प्रथम राजदूत था उसने अपनी पुस्तक इंडिका में मौर्य साम्राज्य का वर्णन किया है।
- चन्द्रगुप्त मौर्य के दक्षिण विजय की जानकारी तमिल ग्रंथ अहनानूर और मूरनानूर तथा अशोक के अभिलेखों से मिलती है।
- चन्द्रगुप्त ने अपना अंतिम समय कर्नाटक के श्रवणबेलगोला नामक स्थान पर बिताया। चन्द्रगुप्त मौर्य की मृत्यु 298 ई० पू० में श्रवणबेलगोला में उपवास द्वारा हुई।
- चन्द्रगुप्त मौर्य का उत्तराधिकारी बिन्दुसार था। यूनानी लेखकों ने बिन्दुसार को अमित्रघात, वायु पुराण में भद्रसार तथा जैन ग्रंथ में सिंहसेन कहा गया है। बिन्दुसार आजीवक समुदाय का अनुयायी था।
- स्ट्रैबो के अनुसार सीरिया के राजा एण्टियोकस ने बिन्दुसार के दरबार में डाइमेकस नामक राजदूत भेजा था।
- एथीनियस के अनुसार बिन्दुसार ने सीरिया के शासक एण्टियोकस-प्रथम से मीठी मदिरा, सूखे अंजीर एवं एक दार्शनिक भेजने की मांग की थी।
- बिन्दुसार के दरबार में 500 सदस्य वाली एक मंत्रिपरिषद थी जिसका प्रधान खल्लाटक कहलाता था।
- बिन्दुसार के बाद अशोक मगध का शासक बना।
- मास्की, निट्टूर, उदगोलम एवं गुर्जरा अभिलेख में अशोक का नाम अशोक मिलता है शेष अभिलेखों में उसे देवानामपिय, देवाना एवं पियदस्सि कहा गया है। पुराणों में अशोक को अशोकवर्धन कहा गया है।
- अशोक ने अपने अभिषेक के आठवें वर्ष लगभग 261 ई० पू० में कलिंग पर आक्रमण किया और कलिंग की राजधानी तोसली पर अधिकार कर लिया।
- उपगुप्त नामक बौद्ध भिक्षु ने अशोक को बौद्ध धर्म की दीक्षा दी।
- अशोक ने बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए अपने पुत्र महेन्द्र एवं पुत्री संघमित्रा को श्रीलंका भेजा।
- भारत में शिलालेख का प्रचलन सर्वप्रथम अशोक ने किया। अशोक के शिलालेखों में ब्राह्मी, खरोष्ठी, ग्रीक एवं अरमाइक लिपि का प्रयोग हुआ है।
- 1750 ई० में टीफेन्थलर ने सर्वप्रथम अशोक के दिल्ली-मेरठ स्तंभ लेख की खोज की। जेम्स प्रिंसेप ने 1837 में सर्वप्रथम अशोक के अभिलेख को पढ़ा था।

अशोक के वृहद शिलालेख	
प्रथम शिलालेख	पशुबलि की निंदा
दूसरा शिलालेख	मनुष्य एवं पशु की चिकित्सा
तीसरा शिलालेख	अधिकारियों का पांचवे वर्ष दौरा
पांचवा शिलालेख	धम्म महामात्रों की नियुक्ति
ग्यारहवाँ शिलालेख	धम्म की व्याख्या
तेरहवाँ शिलालेख	कलिंग युद्ध का वर्णन

- मौर्यकाल में बलि एक प्रकार का धार्मिक कर था जबकि भू-राजस्व में राजा के हिस्से को भाग कहा जाता था। "उदकभाग" सिंचाई कर था।
- भरहुत एवं सांची के स्तूप की स्थापना मौर्य शासक अशोक के शासनकाल में हुई। अशोक का कौशांबी अभिलेख रानी का अभिलेख कहलाता है।
- अशोक तथा उसके पौत्र दशरथ के समय बराबर तथा नागार्जुनी पहाड़ियों को काटकर गुफ़ाएं आजीवकों को दान में दी गई थीं। जिसमें से बराबर की गुफाओं में सुदामा की गुफा तथा कर्ण चौपड़ नामक गुफा सर्वप्रसिद्ध है।
- सारनाथ स्तम्भ को भारत के राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में अपनाया गया है। धमेख स्तूप सारनाथ में है जहाँ बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद अपने पहले पाँच ब्राह्मण शिष्यों को पहला उपदेश दिया था। जिसका निर्माण अशोक ने करवाया था।
- मौर्य प्रशासन के विषय में कौटिल्य के अर्थशास्त्र एवं मेगास्थनीज की इंडिका से महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होती है।
- न्यायालय में दीवानी मामलों (विवाह एवं तलाक) और कंटकशोधन न्यायालय में फौजदारी मामलों को निपटाया जाता था।
- मौर्यकाल में पूर्वी तट पर ताम्रलिप्ति तथा पश्चिमी तट पर भृगुकच्छ और सोपारा भारत के महत्वपूर्ण पतन थे।
- कौटिल्य के अर्थशास्त्र में मौर्यकालीन सिक्के इस प्रकार हैः कार्षापण,पण या धरण-चांदी, सुवर्ण-सोने, भाषक-ताँबा, काकणी-छोटे ताँबे का सिक्का।

©NitinGupta.com

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

प्रमुख भारतीय विद्वान एवं उनके संरक्षक	
कवि / विद्वान	**संरक्षक / शासक**
कौटिल्य	चन्द्रगुप्त मौर्य
अश्वघोष	कनिष्क
नागार्जुन	कनिष्क
चरक	कनिष्क
हरिषेण	समुद्रगुप्त
बाणभट्ट	हर्षवर्धन
चंदबरदाई	पृथ्वीराज चौहान
कालिदास	चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य

8. गुप्त एवं गुप्तोत्तर काल

- गुप्त वंश का संस्थापक श्रीगुप्त था। चन्द्रगुप्त प्रथम को गुप्त वंश का वास्तविक संस्थापक माना जाता है। इसने लिच्छवी राजकुमारी कुमार देवी से विवाह किया। 'महाराजाधिराज' की उपाधि धारण कर गुप्त संवत् की शुरुआत की। गुप्त वंश में सर्वप्रथम चंद्र गुप्त प्रथम ने रजत (चांदी) के सिक्के जारी किये।
- चन्द्रगुप्त प्रथम का उत्तराधिकारी समुद्रगुप्त था। समुद्रगुप्त ने आर्यावर्त्त के 9 शासकों और दक्षिणावर्त्त के 12 शासकों को पराजित किया।
- विन्सेंट स्मिथ ने अपनी रचना "अर्ली हिस्ट्री ऑफ इंडिया" में समुद्रगुप्त को भारत का नेपोलियन कहा।

गुप्त कालीन प्रसिद्ध मंदिर	
विष्णु मंदिर	तिगवा (मध्य प्रदेश)
शिव मंदिर	भूमरा (मध्य प्रदेश)
पार्वती मंदिर	नचना कुठारा (मध्य प्रदेश)
दशावतार मंदिर	देवगढ़ (उत्तर प्रदेश)
शिव मंदिर	खोह (मध्य प्रदेश)
भीतर गाँव मंदिर	कानपुर (उत्तर प्रदेश)

- समुद्रगुप्त का दरबारी कवि हरिषेण था जिसने संस्कृत में प्रयाग प्रशस्ति की रचना की। प्रयाग प्रशस्ति से समुद्रगुप्त की विजयों का विवरण मिलता है। समुद्रगुप्त ने विजयों के उपलक्ष्य में अश्वमेध यज्ञ किये।
- समुद्रगुप्त विष्णु का उपासक था। वह संगीतज्ञ, कवि और विद्या का संरक्षक था उसके सिक्कों पर उसे वीणा बजाते हुए दिखाया गया है।
- समुद्रगुप्त का उत्तराधिकारी चन्द्रगुप्त II था। उसने वैवाहिक सम्बन्ध और विजय दोनों से साम्राज्य का विस्तार किया। चन्द्रगुप्त I के अन्य नाम : देवगुप्त, देवराज और देवश्री तथा उपाधियाँ : विक्रमांक, विक्रमादित्य और परमभगवात आदि थी।
- चन्द्रगुप्त II के शासनकाल में बौद्ध चीनी यात्री फाहियान भारत आया। शकों पर विजय के उपलक्ष्य में चन्द्रगुप्त II ने चाँदी के सिक्के चलाए और शकारि की उपाधि धारण की।
- उसकी विजयों का विवरण उदयगिरी गुहालेख से प्राप्त होता है। उसके दरबार में 9 रत्न विद्यमान थे- कालिदास, धन्वंतरि, क्षपणक, अमरसिंह, शंकु, वेतालभट्ट, घटकर्पर, वराहमिहिर और वररुचि आदि। चंद्रगुप्त-II ने अपनी पुत्री प्रभावती गुप्त का विवाह वाकाटक नरेश रूद्रसेन से किया।
- चन्द्रगुप्त II का उत्तराधिकारी कुमारगुप्त। था। गुप्त शासकों में सर्वाधिक अभिलेख कुमारगुप्त के हैं। नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना कुमारगुप्त ने की थी जिसे ऑक्सफोर्ड ऑफ महायान बौद्ध कहा जाता था।
- स्कन्दगुप्त ने पर्णदत्त को सौराष्ट्र का गवर्नर नियुक्त किया व उसके पुत्र चक्रपालित से गिरिनार पर्वत पर स्थित सुदर्शन झील का पुनर्निर्माण कराया। प्रशासनिक सुविधा के लिये स्कंदगुप्त ने अपनी राजधानी अयोध्या स्थानांतरित की। अंतिम गुप्त शासक विष्णुगुप्त था। गरुण गुप्त वंश का राजकीय चिन्ह था।

कला साहित्य

- नारद, कात्यायन, याज्ञवल्यक्य एवं बृहस्पति स्मृतियों की रचना भी गुप्तकाल में ही हुई। सर्वप्रथम जाति के रूप में 'कायस्थ' का उल्लेख ओशनम स्मृति में मिलता है।
- सती प्रथा का सर्वप्रथम अभिलेखीय साक्ष्य भानुगुप्त के एरण अभिलेख से प्राप्त होते है।
- गुप्तकाल में निर्मित अजंता एवं बाघ की गुफ़ाएं महत्वपूर्ण है जिनमें अजंता की गुफा संख्या 16 में उत्कीर्ण मरणासन्न राजकुमारी का चित्र विशेष रूप से प्रशंसनीय है व गुफा संख्या 17 में बुद्ध की जीवनी से संबंधित चित्र उत्कीर्ण हैं।
- बीजगणित के लिये ब्रहमगुप्त ने जिस शब्द का प्रयोग किया वह कुट्टक गणित है यह एक निश्चित समीकरण की शर्तों को कम करने के लिये एक एल्गोरिथ्म है।
- विज्ञान के क्षेत्र में आर्यभट्ट के शून्य के सिद्धांत तथा दशमलव प्रणाली का विकास गुप्तकाल में हुआ।

गुप्तकालीन साहित्यिक रचनाएँ	
पुस्तकें	**लेखक**
ऋतुसंहार, मेघदूत, कुमारसंभव, रघुवंशम, मालविकाग्निमित्र, अभिज्ञानशाकुंतलम, विक्रमोंर्वशीयम	कालिदास
मुद्राराक्षस, देवी चंद्रगुप्तम	विशाख दत्त
काव्यदर्शन, दशकुमारचरित	दण्डि
स्वप्नवासवदतम्, चारुदत्त, अरुभंग, कर्णभा, पंचरात्रि	भास

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

हर्षचरित, कादंबरी	बाणभट्ट
नागानन्द, प्रियदर्शिका, रत्नावली	हर्ष
किरातार्जुनियम	भारवि
रावण वध	वत्सभट्टि
अमरकोश	अमरसिंह
चंद्रव्याकरण	चंद्रगोमिल
विसुद्धीमग्ग	बुद्धघोष
वृहतसंहिता, पंचसिद्धांतिका	वराहमिहिर
ब्रहम सिद्धांत, आर्यभट्टीयम, सूर्य सिद्धांत	आर्यभट्ट
न्यायावतार	सिद्धसेन
नीतिशास्त्र	कामंदक
चरकसंहिता	चरक
मृच्छकटिकम	शूद्रक
योगाचार	असंग

Nitin-Gupta.com

- गुप्तकाल में शैव धर्म के अनेक सम्प्रदायों का विकास हुआः शैव, पशुपति, कापालिक और कालामुख।
- गुप्त वंश के पतन के बाद जिन राजवंशों का उदय हुआ वह बर्द्धन/पुष्यभूति वंश था, जिसकी स्थापना पुष्यभूति ने की थी। इसकी राजधानी थानेश्वर थी। इसके प्रथम शासन प्रभाकरवर्द्धन ने परमभट्टारक और महाराजाधिराज जैसी सम्मानजनक उपाधियाँ धारण की।
- राज्यवर्द्धन की मृत्यु के बाद हर्षवर्द्धन थानेश्वर की गद्दी पर बैठा। हर्ष को शिलादित्य के नाम से भी जाना जाता था। हर्ष ने कन्नौज को अपनी राजधानी बनाया।
- एहोल प्रशस्ति से ज्ञात होता है हर्ष और पुलकेशिन-II के बीच नर्मदा नदी के तट पर युद्ध हुआ जिसमें हर्ष की पराजय हुई। चीनी यात्री ह्वेनसांग हर्षवर्द्धन के शासन काल में भारत आया।
- ह्वेनसांग को यात्रियों का राजकुमार, नीति का पंडित एवं शाक्यमुनि कहा जाता है।
- हर्ष ने बाणभट्ट, मयूर, दिवाकर व ह्वेनसांग आदि विद्वानों को संरक्षण प्रदान किया। वह सूर्य, शिव एवं बुद्ध का उपासक था। हर्ष प्रयाग में प्रति पाँचवें वर्ष एक समारोह आयोजित करता था जिसे महामोक्षपरिषद कहा जाता था।
- बाणभट्ट हर्ष के दरबारी कवि थे। उन्होंने हर्षचरित एवं कादम्बरी की रचना की।
- प्रियदर्शिका, रत्नावली तथा नागानन्द नामक तीन संस्कृत नाटक ग्रंथों की रचना हर्ष ने की थी जिसके लिये उसे साहित्यकार सम्राट कहा जाता है।

9. पूर्व मध्यकालीन राजवंश

- गुर्जर-प्रतिहार वंश का संस्थापक नागभट्ट प्रथम था। गुर्जर-प्रतिहार वंश का वास्तविक संस्थापक वत्सराज था। इसके समय में त्रिपक्षीय संघर्ष की शुरुआत हुई। गुर्जर-प्रतिहार का प्रथम उल्लेख पुलकेशिन द्वितीय के एहोल अभिलेख में किया गया है। एहोल अभिलेख जैन कवि रवि कीर्ति ने संस्कृत में लिखा है।
- मिहिरभोज प्रथम गुर्जर-प्रतिहार वंश का सर्वाधिक महत्वपूर्ण शासक था।
- चंद्र देव ने गहड़वाल वंश की स्थापना की थी। गोविंद चंद्र गहड़वाल वंश का यशस्वी शासक होने के साथ-साथ विद्वान भी था। उसे उसके लेखों में विविध विद्याविचार वाचस्पति" कहा गया है।
- गहड़वाल वंश का अंतिम शासक जयचंद्र था। 1194 में चंदावर के युद्ध में जयचंद्र मुहम्मद गोरी द्वारा पराजित हुआ। जयचंद्र ने संस्कृत के प्रख्यात कवि श्रीहर्ष को संरक्षण प्रदान किया था जिसने नैषधचरित एवं खण्डनखाद्य की रचना की।
- पृथ्वीराज-III इस वंश का अंतिम शासक था। पृथ्वीराज तृतीय के राजकवि चन्दबरदाई ने पृथ्वीराजरासो और जयानक ने संस्कृत काव्य पृथ्वीराज विजय की रचना की।

10. पूर्व मध्यकाल में दक्षिण भारत

- राष्ट्रकूट वंश की स्थापना दंतिदुर्ग ने की और मान्यखेत को अपनी राजधानी बनाया। उसने उज्जयिनी में हिरण्यगर्भ नामक यज्ञ किया। एलोरा के प्रसिद्ध कैलाश मंदिर का निर्माण कृष्ण प्रथम ने करवाया था।
- राष्ट्रकूट वंश का अंतिम महान शासक कृष्ण-III था। इसी के दरबार में कन्नड़ भाषा के कवि पोन्न रहते थे जिन्होंने शान्ति पुराण की रचना की।
- वाकाटक वंश की स्थापना विंध्य शक्ति ने की थी। वाकाटक वंश में प्रवरसेन प्रथम एकमात्र शासक थे जिसने सम्राट की उपाधि धारण की थी। प्रवरसेन द्वितीय ने प्राकृत भाषा में सेतुबंध की रचना की जिसमें उसने राम की लंका विजय का उल्लेख किया है।
- वातापी के चालुक्य वंश की स्थापना पुलकेशिन-I ने की। इनमें सबसे प्रतापी राजा पुलकेशिन-II था। वातापी के चालुक्य वंश के साक्ष्य रविकीर्ति ऐहोल अभिलेख से मिलते हैं।
- चालुक्य नरेश विक्रमादित्य ने पल्लव नरेश नरसिंहवर्मन द्वितीय को पराजित कर कांचीकोंड की उपाधि धारण की।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- पल्लव वास्तुकला ही दक्षिण की द्रविड कला शैली का आधार थी। द्रविड स्थापत्य के तीन प्रमुख अंग थेः रथ, मण्डप, विशाल मंदिर। पर्सी ब्राउन ने पल्लव वास्तुकला के विकास की शैलियों को चार भागो में विभाजित किया हैः महेंद्रवर्मन, मामल्ल शैली, राजसिंह शैली और नंदिवर्मन शैली।
- चोल साम्राज्य की स्थापना विजयालय ने की। उसने तंजावुर को अपनी राजधानी बनाया और नरकेसरी की उपाधि धारण की। उसने चोलेश्वर मंदिर का निर्माण करवाया।
- स्थानीय स्वशासन चोल शासन प्रणाली की महत्वपूर्ण विशेषता थी। चोल अभिलेखों से तीन प्रकार की ग्राम सभाओं का उल्लेख मिलता है जैसे– उर, सभा और महासभा, नगरम।
- चोल काल में भूमिकर ग्राम सभा द्वारा वसूल किया जाता था। चोल साम्राज्य में भूमि-कर कुल उपज का भाग हुआ करता था।
- चोल मंदिर निर्माण कला की मुख्य विशेषता वर्गाकार ऊंचे विमान, मण्डप, गोपुरम, कलापूर्ण स्तंभ। कांस्य की नटराज मूर्ति का निर्माण चोल काल में शुरू हुआ।
- शैक्षणिक प्रयोजनों के लिये दान दी गई भूमि शालाभोग कहलाती थी।
- पंप, पोन्न एवं रन्न कन्नड साहित्य के त्रिरत्न माने जाते थे। जैन तीर्थंकरों पर पंप ने आदि पुराण, पोन्न ने शांति पुराण और रन्न ने अजित पुराण की रचना की।

मध्यकालीन इतिहास

1. भारत पर अरबों का आक्रमण

nitinGupta.com

- अरब के भारत पर आक्रमण के विषय में विस्तृत विवरण 9वीं शताब्दी की बिलादूरी की किताब "फुतूह-अल-बलदान" में मिलता है।
- 712 ई० में मुहम्मद बिन कासिम के नेतृत्व में अरबों ने सिन्ध पर आक्रमण किया।
- अरब आक्रमण के समय सिन्ध पर दाहिर का शासन था।
- भारत पर अरबों के आक्रमण का मुख्य उद्देश्य धन-दौलत लूटना तथा इस्लाम धर्म का प्रचार-प्रसार करना था।
- अरबों ने सिंध में ऊंट पालन, खजूर की खेती व दिरहम नामक सिक्के प्रचलित किये थे।
- मुहम्मद बिन कासिम ने सिंधवासियों से पहली बार जजिया नामक कर वसूल किया था।
- पंचतंत्र का अरबी में अनुवाद कलील व दिम्मना के नाम से हुआ।

2. भारत पर तुर्क आक्रमण

- भारत में तुर्कों का आक्रमण दो चरणों में हुआ प्रथम महमूद गजनी और दूसरा मोहम्मद गोरी ने किया। तुर्क सरदार अलप्तगीन ने गजनी को अपनी राजधानी बनाया। यामिनी वंश का संस्थापक सुबुक्तगीन अलप्तगीन का गुलाम एवं दामाद था। महमूद गजनी सुबुक्तगीन का पुत्र था। सुबुक्तगीन ने हिन्दूशाही शासक जयपाल को पराजित किया और उसके साम्राज्य पर कब्जा किया।
- सुबुक्तगीन की विजयों से प्रेरित होकर महमूद गजनी ने 1001 ई. से 1027 ई. तक भारत पर 17 बार आक्रमण किये।
- महमूद गजनी के आक्रमण का मुख्य उद्देश्य भारत में इस्लाम धर्म का प्रचार करना नहीं था बल्कि धन लूटना था।
- 1191ई. में पृथ्वीराज-III (पृथ्वीराज चौहान) और मुहम्मद गोरी के मध्य तराइन का प्रथम युद्ध हुआ जिसमें मुहम्मद गोरी की पराजय हुई। 1192 ई. के तराइन के दूसरे युद्ध में मुहम्मद गोरी ने पृथ्वीराज चौहान को पराजित कर दिया इसके बाद भारत में तुर्कों की स्थापना हुई।

3. दिल्ली सल्तनत

- 1206 में मुहम्मद गोरी की मृत्यु के पश्चात 1206-1526 ई. तक दिल्ली सल्तनत पर 5 वंशों ने शासन किया जैसे–गुलाम वंश, खिलजी वंश, तुगलक वंश, सैयद वंश और लोदी वंश।

गुलाम वंश

- 1206 ई.-1290 ई. तक दिल्ली सल्तनत पर गुलाम वंश ने शासन किया। कुतुबुद्दीन ऐबक ने इसकी स्थापना की।
- कुतुबुद्दीन ऐबक को भारत में तुर्की राज्य का संस्थापक माना जाता है वह दिल्ली सल्तनत का प्रथम तुर्क शासक था।
- उदारता के कारण उसे लाखबख्श (लाखों का दान देने वाला) कहा जाता था।
- कुतुबुद्दीन ऐबक ने दिल्ली में कुतुब मीनार कुव्वत-उल-इस्लाम और अजमेर में ढाई दिन का झोंपड़ा नामक मस्जिद का निर्माण करवाया।
- इल्तुतमिश को दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक माना जाता है। वह ऐबक का गुलाम एवं दामाद था ऐबक की मृत्यु के समय वह बदायूँ का गवर्नर था।
- सुल्तान बनने के बाद उसने लाहौर के स्थान पर दिल्ली को अपनी राजधानी बनाया। उसने सुल्तान के पद को वंशानुगत बनाया।
- इल्तुतमिश ने मिन्हाज सिराज और मलिक ताजुद्दीन को संरक्षण दिया।
- इल्तुतमिश ने भारत में इक्ता प्रणाली की स्थापना की। उसने तुर्कान-ए-चहलगानी के नाम से 40 गुलाम सरदारों का एक संगठन बनाया।
- इल्तुतमिश ने सर्वप्रथम शुद्ध अरबी सिक्के चाँदी का टंका एवं ताँबे का जीतल जारी किये।

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- इल्तुतमिश की मृत्यु के बाद रजिया सुल्तान को दिल्ली की गद्दी पर बैठा दिया गया।
- रजिया सुल्तान प्रथम मुस्लिम महिला थी जिसने शासन की बागडोर संभाली थी।
- रजिया के मामले में दिल्ली की जनता ने उत्तराधिकार के प्रश्न पर स्वयं निर्णय लिया था। रजिया ने पर्दा प्रथा त्याग कर पुरुषों के समान कुबा(कोट) और कुलाह(टोपी) पहनकर दरबार से शासन किया।
- रजिया के बाद नासिरुद्दीन महमूद ने बलबन को उलुग खाँ की उपाधि एवं सल्तनत का नाइब-ए-ममलिकात (प्रधानमंत्री) नियुक्त कर शासन की वास्तविक शक्ति उसके हाथों में सौंप दी।
- बलबन ने 20 वर्ष वजीर तथा 20 वर्ष सुल्तान के रूप में शासन किया। बलबन ने सुल्तान की प्रतिष्ठा को स्थापित करने के लिये लौह एवं रक्त की नीति अपनाई।
- बलबन ने राजत्व के सिद्धांत को अपनाया और उसके अनुसार सुल्तान पृथ्वी पर ईश्वर का प्रतिनिधि "नियामत-ए-खुदाई" माना गया है" राजा "जिल्ले अल्लाह" या "जिल्ले इलाही"अर्थात ईश्वर का प्रतिबिंब है और उसका स्थान केवल पैगंबर के बाद है।
- बलबन ने तुर्कान-ए-चहलगानी को नष्ट कर दिया। बलबन ने दीवान-ए-अर्ज (केन्द्रीय सैन्य विभाग) एवं दीवान-ए-बरीद (केंद्रीय गुप्तचर विभाग) का गठन किया।
- बलबन के दरबार में अमीर खुसरो एवं अमीर हसन जैसे कवि रहते थे।

खिलजी वंश

- खिलजी वंश की स्थापना खिलजी क्रांति कहलाती है।
- जलालुद्दीन खिलजी ने किलोखरी में अपना राज्याभिषेक किया और उसको अपनी राजधानी बनाया।
- जलालुद्दीन खिलजी की उसके भतीजे एवं दामाद अलाउद्दीन खिलजी ने कड़ा में हत्या कर स्वयं को सुल्तान घोषित किया। अलाउद्दीन ने अपना राज्याभिषेक दिल्ली में बलबन के लाल महल में करवाया।
- अलाउद्दीन खिलजी के समय सबसे ज्यादा मंगोल आक्रमण हुए। इस आक्रमण से निपटने के लिए उसने 'रक्त और तलवार' की नीति अपनाई व मंगोलो से सुरक्षा के लिये उसने सीरी को अपनी राजधानी बनाया।
- अलाउद्दीन खिलजी ने स्थायी सेना रखी व सेना को नकद वेतन देना प्रारंभ किया। दिल्ली के शासकों में अलाउद्दीन खिलजी के पास सबसे विशाल स्थायी सेना थी।
- घोड़ा दागने एवं सैनिकों का हुलिया लिखने की प्रथा की शुरुआत अलाउद्दीन खिलजी ने की। अलाउद्दीन खिलजी पहला सुल्तान था जिसने भूमि की पैमाइश कराकर लगान वसूला जिसे मसाहत कहा गया जिसमें बिस्वा को न्यूनतम इकाई माना गया।
- अलाउद्दीन ने भूराजस्व की दर को बढ़ाकर उपज का 1/2 भाग कर दिया। इसने अपने शासनकाल में 'मूल्य नियंत्रण प्रणाली' को लागू किया।

तुगलक वंश

- गयासुद्दीन तुगलक ने तुगलक वंश की स्थापना की थी इस ने दिल्ली के निकट तुगलकाबाद नामक नगर की स्थापना की।
- गयासुदीन तुगलक पहला ऐसा सुल्तान था जिसने सिंचाई के लिए नहरों का निर्माण कराया था।
- गयासुद्दीन तुगलक ने डाक व्यवस्था को सुदृढ बनाया। उसने 1/5 या 1/3 लगान वसूल किया।
- गयासुद्दीन तुगलक की मृत्यु 1325 ई० में बंगाल के अभियान से लौटते समय जूना खाँ द्वारा निर्मित लकड़ी के महल में दबकर हो गयी।
- गयासुद्दीन के बाद जौना खाँ मुहम्मद बिन तुगलक के नाम से दिल्ली के सिंहासन पर बैठा।
- मुहम्मद बिन तुगलक को "अंतर्विरोधों का विस्मयकारी मिश्रण" एवं "रक्त पिपासु" कहा गया।
- उसके शासनकाल में अफ्रीकी यात्री इब्नबतूता भारत आया। मुहम्मद बिन तुगलक ने उसे दिल्ली का काजी नियुक्त किया था। इब्नबतूता ने अपनी पुस्तक रेहला में मुहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल की घटनाओ वर्णन किया है।
- मुहम्मद बिन तुगलक ने कृषकों की सहायता के लिये दीवाने-अमीर कोही नामक एक कृषि विभाग की स्थापना की।
- बरनी ने मुहम्मद बिन तुगलक की 5 योजनाओं का उल्लेख किया है : दोआब में कर वृद्धि, देवगिरि को राजधानी बनाना, सांकेतिक मुद्रा जारी करना, खुरासान पर आक्रमण, कराचिल अभियान आदि।
- मुहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल में 1336 ई. में हरिहर और बुक्का ने विजयनगर और 1347 ई. में अलाउद्दीन बहमन शाह ने बहमनी साम्राज्य की स्थापना की।
- सिंध (थट्टा) के विद्रोह को दबाते हुए उसकी मृत्यु हो गई। उसकी मृत्यु पर बदायूंनी ने कहा "राजा को प्रजा से और प्रजा को राजा से मुक्ति मिल गई।
- मुहम्मद बिन तुगलक की मृत्यु के बाद फिरोजशाह तुगलक गद्दी पर बैठा। फिरोज तुगलक को मध्यकालीन भारत का पहला "कल्याणकारी निरंकुश शासक" कहा जाता था। यह पहला सुल्तान था जिसने राज्य की आमदनी का ब्यौरा तैयार करवाया था।
- अपने दासों के लिए "दीवान-ए-बंदगान" नामक नये विभाग की स्थापना की।
- फिरोजशाह ने लगभग 300 नगरों की स्थापना की जिसमें उसके द्वारा स्थापित 3 प्रसिद्ध नगर थे–हिसार-फिरोजा, जौनपुर और फिरोजाबाद (दिल्ली)। जौनपुर की स्थापना उसने अपने भाई जौना खाँ की याद में की थी।

NitinGupta.com

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- इसने अशोक के स्तम्भ अभिलेखों मेरठ व टोपरा दिल्ली में लाकर स्थापित किया।
- इसने अद्दा व बिख नामक तांबा तथा चांदी के दो सिक्के चलाये।
- फिरोजशाह ने 24 करों को हटा कर शरियत द्वारा चलाये गये केवल चार कर लगाये – जजिया, जकात, खराज व खुम्स। फिरोजशाह ने ब्राह्मणों पर जजिया लगाया।
- उसने सिंचाई कर हक-ए-शर्ब लगाया जो भूमि की उपज का 10 प्रतिशत होता था। उसने फलों के 1200 बाग लगवाए।
- सर्वप्रथम फिरोजशाह तुगलक ने रोजगार विभाग की स्थापना की।
- इसने अपनी आत्मकथा फुतूहात-ए-फिरोजशाही की रचना की। इसने जियाउद्दीन बरनी एवं शम्स-ए-शिराज अफीफ को संरक्षण प्रदान किया।

सैयद वंश

- सैयद वंश की स्थापना खिज्र खाँ ने की थी। उसने सुल्तान की उपाधि धारण न करके रैयत-ए-आला की उपाधि धारण की। खिज्र खाँ अपने सिक्कों पर हमेशा तुगलक शासकों का नाम अंकित करवाया।
- खिज्र खाँ तैमूर के पुत्र एवं उत्तराधिकारी शाहरुख को भारत से निरंतर कर भेजा व स्वयं को उसके अधीन मानकर अपने खुतबे पर शाहरुख का नाम रखा।

Nitin Gupta.com

लोदी वंश

- बहलोल लोदी ने दिल्ली में प्रथम अफगान वंश की स्थापना की और वह गाजी के नाम से दिल्ली के सिंहासन पर बैठा।
- वह एक योग्य शासक था उसने बहलोली नामक सिक्का चलवाया था।
- सिकंदर शाह लोदी इस वंश का महत्वपूर्ण शासक था। 1504 ई. में उसने आगरा की स्थापना की।
- 21 अप्रैल, 1526 ई० को पानीपत के प्रथम युद्ध में इब्राहिम लोदी बाबर से हार गया व मारा गया। यह प्रथम सुल्तान था जो युद्ध स्थल में मारा गया।
- सिकंदर लोदी के पश्चात इब्राहिम लोदी शासक बना।

सल्तनतकालीन स्थापत्यकला

इमारत	निर्माणकर्त्ता	स्थान
कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद	कुतुबुद्दीन ऐबक	दिल्ली
कुतुबमीनार	कुतुबुद्दीन ऐबक व इल्तुतमिश	दिल्ली
अढ़ाई दिन का झोपड़ा	कुतुबुद्दीन ऐबक	अजमेर
इल्तुतमिश का मक़बरा	इल्तुतमिश	दिल्ली
जामा मस्जिद	इल्तुतमिश	बदायूं
अतारकिन का दरवाज़ा	इल्तुतमिश	नागौर (जोधपुर)
सुल्तानगढ़ी अथवा नासिरूद्दीन का मकबरा	इल्तुतमिश	दिल्ली
लाल महल	बलबन	दिल्ली
बलबन का मकबरा	बलबन	दिल्ली
जमात खाना मस्जिद	अलाउद्दीन ख़िलजी	दिल्ली
अलाई दरवाज़ा	अलाउद्दीन ख़िलजी	दिल्ली
हज़ार सितून (स्तम्भ)	अलाउद्दीन ख़िलजी	दिल्ली
ग़यासुद्दीन तुग़लक़ का मक़बरा	ग़यासुद्दीन तुग़लक़	दिल्ली
शेख़ निज़ामुद्दीन औलिया का मक़बरा	मुहम्मद बिन तुग़लक़	दिल्ली
फ़िरोज़शाह का मक़बरा	जूनाशाह ख़ानेजहाँ	दिल्ली
काली मस्जिद	जूनाशाह ख़ानेजहाँ	दिल्ली
खिर्की मस्जिद	जूनाशाह ख़ानेजहाँ	दिल्ली
मोठ की मस्जिद	सिकंदर लोदी के प्रधानमंत्री मियाँ भुवा	दिल्ली

मुग़लकालीन स्थापत्यकला

इमारत	निर्माणकर्त्ता	स्थान
काबुली बाग मस्जिद	बाबर	पानीपत
दीनपनाह नगर	हुमायूं	दिल्ली
पुराना किला	शेरशाह सूरी	दिल्ली
शेरशाह का मकबरा	शेरशाह सूरी	सासाराम (बिहार)
हुमायूं का मकबरा	हाजी बेगम	दिल्ली
आगरा का किला	अकबर	आगरा
जहाँगीरी महल	अकबर	फतेहपुर सीकरी
तुर्की सुल्ताना का महल	अकबर	फतेहपुर सीकरी
मरियम महल	अकबर	फतेहपुर सीकरी
बुलंद दरवाजा	अकबर	फतेहपुर सीकरी
इस्लामशाह का मकबरा (शेख सलीम चिश्ती का पौत्र)	अकबर	फतेहपुर सीकरी

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

शाह बुर्ज	शाहजहाँ	आगरा
लाल किला	शाहजहाँ	दिल्ली
मोती महल	शाहजहाँ	दिल्ली
नौलखा महल	शाहजहाँ	लाहौर
राबिया -उद -दुर्रानी या (बीबी का मकबरा)	औरंगजेब	औरंगाबाद
बादशाही मस्जिद	औरंगजेब	लाहौर
मोती मस्जिद (लाल किले के भीतर)	औरंगजेब	दिल्ली

4. विजयनगर तथा बहमनी साम्राज्य

- विजयनगर साम्राज्य की स्थापना हरिहर एवं बुक्का नामक दो भाइयों ने 1336 ई. में की। विजयनगर पर क्रमश 4 वंशों : संगम, सालुव, तुलुव एवं अरावीडु वंशों ने शासन किया।
- हरिहर एवं बुक्का ने अपने पिता संगम के नाम पर संगम राजवंश की स्थापना की। विजयनगर साम्राज्य की राजधानी हम्पी थी। इसकी राजभाषा तेलुगू थी।

विजयनगर आने वाले प्रमुख विदेशी यात्री

यात्री	देश	शासक
निकोलोकोन्टी	इटली	देवराय प्रथम
अब्दुर्रज्जाक	फारस	देवराय द्वितीय
नूनिज	पुर्तगाल	अच्युतदेवराय
डोमिंगो पायस	पुर्तगाल	कृष्णदेव राय
बारबोसा	पुर्तगाल	कृष्णदेव राय

- हसनगंगू ने अलाउद्दीन हसन बहमन शाह की उपाधि धारण कर बहमनी साम्राज्य की स्थापना की।
- इसने बहमनी साम्राज्य को चार प्रान्तों–गुलबर्गा, दौलताबाद, बरार एवं बीदर में बाँटा।

5. सूफी एवं भक्ति आंदोलन

- 12वीं शताब्दी में सूफीवाद का भारत में प्रवेश हुआ। सूफी सिलसिले 2 भागों में विभाजित थे : बा-शरा (इस्लामी कानूनों में विश्वास रखते थे) और बे-शरा (इस्लामी कानूनों में विश्वास नहीं रखते थे) में विभाजित थे। बे-शरा घुमक्कड संत थे।
- भारत में चिश्ती एवं सुहरावर्दी सिलसिले काफी प्रचलित थे। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती मुहम्मद गौरी के साथ भारत आए। इन्होंने यहाँ चिश्ती परम्परा की शुरुआत की। चिश्ती परम्परा का मुख्य केन्द्र अजमेर था।

सूफी सिलसिले एवं उसके संस्थापक

सिलसिले	संस्थापक
चिश्ती सिलसिला	मुईनुद्दीन चिश्ती
सुहरावर्दी सिलसिला	शिहाबुद्दीन सुहरावर्दी
कादिरी सिलसिला	शेख अब्दुल कादिर जिलानी
शत्तारी सिलसिला	शाह अब्दुल्ला
नक्शबंदी सिलसिला	ख्वाजा बाकी बिल्लाह
फिरदौसी सिलसिला	बदरुद्दीन

भक्ति आंदोलन

- भक्ति आंदोलन के प्रथम प्रचारक शंकराचार्य थे। शंकराचार्य ने 4 मठ स्थापित किये–
  1. ज्योतिपीठ–बद्रीनाथ
  2. गोवर्धनपीठ–पुरी
  3. शारदा पीठ–द्वारिका
  4. श्रृंगेरी पीठ–श्रृंगेरी मैसूर
- रामानुज भक्ति आंदोलन के प्रारंभिक प्रतिपादक थे वे सगुण भक्ति में विश्वास करते थे।
- **रामानन्द के 12 शिष्य थे**–रविदास(रैदास), कबीर (जुलाहा), धन्ना (जाट किसान), सेन(नाई), सघना(कसाई), पीपा(राजपूत)।
- कबीर सिकंदर लोदी के समकालीन थे। रामानन्द कबीर के गुरु थे। कबीर की शिक्षाएं बीजक व आदि ग्रंथ में संकलित है।
- गुरु नानक ने सिक्ख धर्म की स्थापना की। गुरु नानक सूफी संत बाबा फरीद से प्रभावित थे। गुरु नानक रबाब के संगीत के साथ गया करते थे।
- **विठोबा पंथ के तीन महान गुरु थे**–ज्ञानेश्वर या ज्ञानदेव, नामदेव और तुकाराम।
- चैतन्य को बंगाल में आधुनिक वैष्णववाद व गौड़ीय वैष्णव धर्म का संस्थापक माना जाता है।

भक्ति आंदोलन के संत एवं उनके संप्रदाय

संत	संप्रदाय	सिद्धांत
रामानुजाचार्य	श्री संप्रदाय	विशिष्टाद्वैतवाद
मध्वाचार्य	ब्रह्म संप्रदाय	द्वैतवाद
वल्लभाचार्य	रुद्र संप्रदाय	शुद्धाद्वैतवाद
गोविंद प्रभु	महानुभाव पंथ	

Nitin-Gupta.com

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

निबार्क	सनक संप्रदाय	
स्वामी हरिदास	सखी संप्रदाय	
चंडीदास	बाऊल संप्रदाय	
शंकर देव	वैष्णव संप्रदाय	
शंकराचार्य	स्मृति संप्रदाय	अद्वैतवाद
निंबार्काचार्य		द्वैताद्वैतवाद या भेदाभेदवाद
चैतन्य	अचिंत्यभेदाभेद	
तुकाराम	वारकरी पंथ	
नामदेव		विठोबा भक्ति (वारकरी संप्रदाय)

6. मुग़ल साम्राज्य

@ NitinGupta.com

- मुग़ल साम्राज्य की स्थापना बाबर ने की। बाबर अपने पिता की ओर से तैमूर का 5वां और माता की तरफ से चंगेज खाँ का 14वा वंशज था। मुग़ल तुर्की जाति के चगताई तुर्क थे।
- पानीपत के प्रथम युद्ध 21 अप्रैल 1526 ई. में बाबर की विजय हुई जिसके मुख्य कारण थेः तोपखाना व कुशल सेनापतित्व। पानीपत के प्रथम युद्ध में बाबर ने उजबेको की युद्ध नीति "तुलगमा युद्ध पद्धति" व तोपों को सजाने की "उस्मानी विधि" का प्रयोग किया।
- खानवा का युद्ध (17 मार्च 1527 ई.) राणा सांगा और बाबर के बीच हुआ।
- हुमायूँ और शेरखाँ के मध्य चौसा का युद्ध हुआ जिसमें हुमायूँ की हार हुई। चौसा के युद्ध के बाद शेरखाँ ने शेरशाह की उपाधि धारण की।
- शेरशाह का मकबरा सासाराम में झील के बीच ऊँचे टीले पर निर्मित कराया गया है।
- शेरशाह ने भूमि की माप के लिए सिकन्दरी गज (32 इंच) एवं सन की डंडी का प्रयोग किया। शेरशाह ने 180 ग्रेन चाँदी का रुपया एवं 380 ग्रेन ताँबे के दाम चलवाया।
- अकबर का राज्याभिषेक बैरम खाँ के संरक्षण में कलानौर नामक स्थान पर हुआ था। अकबर ने बैरम खाँ को अपना वकील नियुक्त किया और उसे खान-ए-खाना की उपाधि प्रदान की।
- पानीपत का दूसरा युद्ध 5 नवंबर 1556 ई. अकबर और हेमू के बीच हुआ।
- महाराणा प्रताप और मुगल सेना के मध्य 18 जून 1576 ई. को हल्दी घाटी का युद्ध हुआ, जिसमें महाराणा प्रताप पराजित हुए।
- अकबर ने 1562 ई. में दास प्रथा, 1563 ई. में तीर्थयात्रा कर तथा 1564 ई. में जजिया कर समाप्त किया। अकबर ने चितौड़ विजय के उपलक्ष्य में "फतेहनामा" जारी किया तथा पहली बार गुजरात विजय के उपलक्ष्य में पुर्तगलियों से मिला और पहली बार समुद्र देखा।
- अकबर ने गुजरात विजय कि स्मृति में फतेहपुर सीकरी में बुलंद दरवाजा का निर्माण करवाया।
- अकबर के दरबार के प्रसिद्ध चित्रकार अब्दुससमद था। दसवंत एवं बसावन अकबर के दरबार के चित्रकार थे।
- अकबर के शासनकाल के प्रमुख गायक तानसेन, बाजबहादुर, बाबा रामदास एवं बैजू बावरा थे। अकबर ने तानसेन को कण्ठाभरण वाणीविलास की उपाधि दी थी।
- जहांगीर के शासन काल में कैप्टन हॉकिंस ईस्ट इंडिया कंपनी का प्रतिनिधि और सर टॉमस रो सम्राट जेम्स प्रथम का दूत बनकर दरबार में आया था। जहाँगीर ने हॉकिंस को 400 का मनसब प्रदान किया था।
- जहाँगीर के समय को चित्रकला का स्वर्णकाल कहा जाता है।
- ताजमहल को उस्ताद अहमद लाहौरी एवं वास्तुकार उस्ताद ईशा ने बनाया था। शाहजहाँ के शासनकाल को स्थापत्य कला का स्वर्णिम युग कहा जाता है।
- आगरा की जामा मस्जिद का निर्माण शाहजहाँ की बेटी जहाँआरा ने करवाया था।
- औरंगजेब पहला मुग़ल शासक था जिसका दो बार राज्याभिषेक हुआ।
- उसने हिंदुओं पर पुनः जजिया तथा तीर्थ यात्रा कर लगाया।
- औरंगजेब ने दिल्ली के लाल किले में मोती मस्जिद का निर्माण कराया।

मुग़ल प्रशासन

- 1580 ई० में अकबर ने दहसाला नाम की नवीन कर प्रणाली प्रारंभ की। इस व्यवस्था को 'टोडरमल बन्दोबस्त' भी कहा जाता है। इस व्यवस्था के अन्तर्गत भूमि को चार भागों में विभाजित किया गया :
  1. **पोलज :** इसमें नियमित रूप से खेती होती थी। (वर्ष में दो बार फसल)
  2. **परती :** इस भूमि पर एक या दो वर्ष के अन्तराल पर खेती की जाती थी।
  3. **चाचर :** इस पर तीन से चार वर्ष के अन्तराल पर खेती की जाती थी।
  4. **बंजर :** यह खेती योग्य भूमि नहीं थी, इस पर लगान नहीं वसुला जाता था।
  5. **मुगल काल में कृषक तीन वर्गों में विभाजित थे :**
     1. **खुदकाश्त :** ये किसान उसी गाँव की भूमि पर खेती करते थे, जहाँ के वे निवासी थे।
     2. **पाही काश्त :** ये दूसरे गाँव जाकर कृषि कार्य करते थे।
     3. **मुजारियन :** खुदकाश्त कृषकों से भूमि किराए पर लेकर कृषि कार्य करते थे।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

7. मराठा साम्राज्य

- मराठा साम्राज्य की स्थापना शिवाजी ने की। शिवाजी के व्यक्तित्व पर सर्वाधिक प्रभाव उनकी माता जीजाबाई और उनके संरक्षक दादो जी कोंडदेव का था। उनके गुरु समर्थ स्वामी रामदास थे।
- शिवाजी ने रायगढ़ को अपनी राजधानी बनाया। शिवाजी ने रायगढ़ में वाराणसी (काशी) के प्रसिद्ध विद्वान श्री गंगाभट्ट द्वारा अपना राज्याभिषेक करवाया।

शिवाजी के अष्टप्रधान	
पेशवा	राजा का प्रधानमंत्री
अमात्य	वित्त व राजस्व मंत्री
वाकियानवीस	राजा की दैनिक गतिविधियों का विवरण रखता था
सर-ए-नौबत	सेनापति
पंडित राव	धार्मिक कार्यों को अनुदान की व्यवस्था देखता था
न्यायाधीश	न्याय विभाग का प्रधान
सुमन्त	विदेशों से संबंध स्थापित करना
शुरु-नवीस या सचिव	राजकीय पत्र व्यवहार का कार्य देखना व परगनों के हिसाब-किताब की जांच करना

आधुनिक भारत का इतिहास

1. भारत में यूरोपीय कम्पनियों का आगमन

- भारत में आने वाली यूरोपीय कम्पनियों का क्रम इस प्रकार हैः पुर्तगाली-डच-ब्रिटिश -डेन-फ्रांसीसी।
- भारत में पुर्तगाली सबसे पहले 1498 में आए थे और सबसे अंत में 1961 में गए थे।
- वास्को डिगामा प्रथम पुर्तगाली था जो अब्दुल मनीक नामक गुजराती पथ प्रदर्शक की सहायता से 1498 ई. में भारत में कालीकट पहुचा। कालीकट के शासक जमोरिन ने उसका स्वागत किया।
- पुर्तगालियों के भारत आगमन से भारत में तम्बाकू की खेती, जहाज निर्माण तथा प्रिंटिंग प्रेस की शुरुआत हुई। 1556 ई. में पुर्तगालियों ने भारत में अपना पहला प्रिंटिंग प्रेस स्थापित किया।
- पुर्तगालियों ने भारत में स्थापत्य कला के क्षेत्र में गोथिक शैली का विकास किया।
- 1602 ई. में स्थापित डच ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने भारत में मसाला व्यापार पर एकाधिकार प्राप्त कर लिया था। डचो ने 1605 ई. में मसुलीपट्टनम में पहला डच कारखाना स्थापित किया। उसके बाद डचो ने भारत में अन्य कारखानों की स्थापना की : पुलीकट (1610 ई.), सूरत (1616 ई.), चिनसुरा (1653 ई.), कोचीन (1663 ई.), कासिम बाजार, पटना, बालासोर, नेगापट्टम (1668 ई.)।
- डचो द्वारा भारत से नील, शोरा व सूती वस्त्र का निर्यात किया जाता था। बंगाल में प्रथम डच फैक्ट्री पीपली में स्थापित की गई थी। चिनसुरा सर्वाधिक शक्तिशाली डच व्यापार केंद्र था यहा उन्होंने गुस्तावुल नामक किले का निर्माण करवाया था।
- डेनमार्क ईस्ट इण्डिया कम्पनी की स्थापना 1616 ई. में हुई थी। डेन लोगों ने 1620 ई. में त्रैन्कोबार (तमिलनाडु) तथा 1676 ई. में सेरामपुर (बंगाल) में व्यापारिक बस्ती स्थापित की थी।
- सेरामपुर डेन कम्पनी का प्रमुख व्यापारिक केंद्र था। 1600 ई. में ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ प्रथम ने ईस्ट इण्डिया कम्पनी को पूर्व के साथ व्यापार के लिये 15 वर्षों के लिये अधिकार पत्र प्रदान किया था।
- दक्षिण में 1611 ई. में पहली व्यापारिक कोठी की स्थापना अंग्रेजों ने मसुलीपट्टम में की।
- 1639 ई. में फ्रांसिस डे नामक अंग्रेज को चंद्रगिरि के राजा से मद्रास पट्टे पर प्राप्त कर अंग्रेजों ने फोर्ट सेण्ट जॉर्ज किले का निर्माण किया।
- 1661 ई. में पुर्तगाली राजकुमारी कैथरीन का विवाह ब्रिटिश शासक चार्ल्स द्वितीय से हुआ तथा बम्बई दहेज के रूप में ब्रिटेन को प्राप्त हुआ।
- चार्ल्स द्वितीय ने 1668 ई. में बम्बई को दस पौण्ड वार्षिक किराए पर ईस्ट इण्डिया कम्पनी को दे दिया।
- भारत में फ्रांसीसियों की प्रथम कोठी फेंको कैरों के द्वारा सूरत में 1668 ई० में स्थापित की गयी।
- 1673 ई. में फ्रांसिस मार्टिन ने शेरखाँ लोदी से पर्दुचुरी नामक गाँव प्राप्त किया और पांडिचेरी की स्थापना की।
- चंद्रनगर फ्रांसीसियों का केंद्र बन गया जहा फ्रांसीसी गवर्नर डुप्ले की नियुक्ति की गई।
- अंग्रेजों और फ्रांसीसियों के मध्य कर्नाटक युद्ध हुआ। प्रथम कर्नाटक युद्ध 1746-48 ई० में अंग्रेजी सेना का नेतृत्व कैप्टन बर्नेट व फ्रांसीसी सेना का नेतृत्व डुप्ले ने किया था। प्रथम कर्नाटक युद्ध आस्ट्रिया के उत्तराधिकार युद्ध से प्रभावित था जो 1748 ई० में हुई एक्स-ला-शैपल की संधि के द्वारा समाप्त हुआ।

2. 1857 का विद्रोह

- 1857 ई. के विद्रोह के समय भारत के गवर्नर-जनरल लॉर्ड कैनिंग और ब्रिटिश प्रधानमंत्री लॉर्ड पामस्टर्न थे। 1857 ई. के विद्रोह को जन्म देने वाले राजनीतिक कारणों में डलहौजी की व्यपगत नीति प्रमुख थी।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- चर्बी वाले कारतूसों का प्रयोग करना 1857 ई. के विद्रोह का तात्कालिक कारण माना जाता है। चर्बी वाले कारतूस के प्रयोग के विरोध में पहली घटना 29 मार्च 1857 ई. को बैरकपुर की छावनी से 34वी एन.आई. रेजीमेंट से मंगल पांडे ने किया और अपने अधिकारी लेफ्टिनेंट बाग और लेफ्टिनेंट जनरल हयूसन की गोली मारकर हत्या कर दी। 8 अप्रैल 1857 ई. को मंगल पांडे को फांसी दे दी गई।
- भारतीय स्वतंत्रता के लिए प्रथम सशस्त्र विद्रोह 10 मई 1857 ई. को मेरठ से 20वी एन.आई के पैदल सैनिकों ने किया जो बाद में कानपुर, बरेली, झांसी, दिल्ली, अवध आदि स्थानों पर फैल गया।

1857 का विद्रोह

केंद्र	विद्रोही	विद्रोह की तिथि	विद्रोह को कुचलने वाले अंग्रेज अधिकारी
दिल्ली	बहादुर शाह, बख्त खाँ	11-12 मई 1857 ई.	निकलसन, हडसन
कानपुर	नाना साहब, तांत्या टोपे	5 जून 1857 ई.	कॉलिन कैम्पबेल, हेवलॉक
लखनऊ / अवध	बेगम हजरत महल	4 जून 1857 ई.	कॉलिन कैम्पबेल, हेवलॉक, आउट्रम
झांसी / ग्वालियर	रानी लक्ष्मी बाई, तांत्या टोपे	4 जून 1857 ई.	जनरल ह्यूरोज
जगदीशपुर	कुँवर सिंह, अमर सिंह	12 जून 1857 ई.	विलियम टेलर, विंसेट आयर
फैजाबाद	मौलवी अहमदुल्ला	जून 1857 ई.	जनरल रेनॉर्ड
इलाहाबाद	लियाकत अली	6 जून 1857 ई.	कर्नल नील
बरेली	खान बहादुर खान (बख्त खाँ)	जून 1857 ई.	विसेन्ट आयर , कैम्पबेल
फतेहपुर	अजीमुल्ला	-	रेनर्ड एवं कैम्पबेल

Nitin-Gupta.com

3. जन आंदोलन एवं आदिवासी विद्रोह

आंदोलन	स्थान	नेता	समय
सन्यासी विद्रोह	बंगाल	केना सरकार	1770-80 ई.
फकीर विद्रोह	बंगाल	मजनूम शाह, चिराग अली शाह, भवानी पाठक, देवी चौधरानी	1776-77 ई.
पागलपंथी	उत्तरपूर्वी भारत	करमशाह व उसका पुत्र टीपूशाह	1813-33 ई.
फैराजी	बंगाल	शरियतुल्ला व उसका पुत्र दादू मियां	1839 ई.
वहाबी	पेशावर, पटना	सैयद अहमद राय बरेलवी	1820-1870 ई.
कूका आन्दोलन	पंजाब	भगत जवाहरमल, बालक सिंह, रामसिंह कूका	1860-70 ई.
मोपला विद्रोह	केरल	सैयद अली, सैयद फजल	1840-42 ई.
रामोसी विद्रोह	सतारा	चित्तूर सिंह, उमाजी	1822-26 ई.
अहोम विद्रोह	असम	गोमधर कुँवर	1828-30 ई.
चुआर विद्रोह	मिदनापुर	दुर्जनसिंह, जगन्नाथ	1771-1809 ई.

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

कोल विद्रोह	छोटानागपुर	बुधु भगत	1831-32 ई.
संथाल विद्रोह	राजमहल	सिद्धू व कान्हू	1856 ई.
खोंड विद्रोह	उड़ीसा	चक्र बिसोई व राधाकृष्ण दण्डसेन	1837-56 ई.
भील विद्रोह	पश्चिमी भारत, खानदेश	सेवरम, हिरिया	1818-31 ई.
खासी विद्रोह	जैंतिया व गारो की पहाड़ियाँ	तीरत सिंह, बारमानिक, मुकुन्द सिंह	1833 ई.
मुण्डा विद्रोह	छोटा नागपुर	बिरसा मुण्डा	1899-1900 ई.
ताना भगत	छोटा नागपुर	जतरा भगत, बलराम भगत	1914-20 ई.
रम्पा विद्रोह	गोदावरी	अल्लूरी सीताराम राजू	1922-24 ई.
नागा आंदोलन	नागालैंड	रोंगमेई जदोनांग, रानी गैडिनलियू	1930-37 ई.

4. भारत में शिक्षा का विकास

- 1781 ई. में वारेन हेस्टिंग्स के द्वारा कलकत्ता मदरसा की स्थापना से अंग्रेजों के द्वारा भारत में शिक्षा के विकास की शुरुआत हुई थी।
- 1784 ई. में सर विलियम जोंस ने एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल की स्थापना की थी।
- 1791 ई. में जोनाथन डंकन ने बनारस में संस्कृत कॉलेज की स्थापना की। जिसका उद्देश्य हिन्दू विधि एवं दर्शन का अध्ययन करना था।
- 1800 ई. में लार्ड वेलेजली के द्वारा फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना की।
- 2 फरवरी 1835 ई. को मैकाले ने अपना स्मारणार्थ लेख (Macaulay Minute) प्रस्तुत किया। जिसमें कहा गया कि पश्चिमी विज्ञान और साहित्य पढ़ाने के लिए अंग्रेजी भाषा सबसे अच्छा माध्यम है। सरकार ने स्कूलों और कॉलेजों में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी बना दिया।
- शिक्षा के अधोमुखी निस्यंदन का सिद्धांत लॉर्ड मैकाले ने दिया था। इस सिद्धांत के अनुसार अगर उच्च वर्ग को सबसे पहले शिक्षित किया जाए तो इस वर्ग के शिक्षित होने पर छन-छन कर शिक्षा का प्रभाव जन साधारण तक पहुंचेगा।
- सर चार्ल्स वुड की अध्यक्षता में गठित समिति ने 1854 ई. में भारत में भावी शिक्षा के एक वृहत योजना तैयार की जिसमें अखिल भारतीय स्तर पर शिक्षा की नियामक पद्धति का गठन किया गया।
- चार्ल्स वुड डिस्पैच को भारतीय शिक्षा का मैग्नाकार्टा कहा जाता है।
- सर टॉमस रैले की सिफारिशों पर 1904 ई. में भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम पारित किया गया जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय की स्थिति का आंकलन करना था।
- सैडलर आयोग की रिपोर्ट पर मैसूर, पटना, बनारस, अलीगढ़, ढाका, लखनऊ और हैदराबाद में विश्वविद्यालय स्थापित किये गए और उनके लिए कुलपति भी नियुक्त करने का सुझाव दिया गया।
- हार्टोग समिति की सिफारिश के आधार पर 1935 ई. में केन्द्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड का पुनर्गठन किया गया।
- राधाकृष्णन आयोग 1948 ई. के सुझावों पर भारत सरकार ने 1953 ई. में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्थापना की।

5. भारतीय समाचार पत्रों का इतिहास

- ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने 1684 ई. में बम्बई में अपना पहला प्रिंटिंग प्रेस स्थापित किया। 1780 ई. में जेम्स ऑगस्टस हिक्की ने "The Calcutta General Advertiser" नाम से भारत का पहला समाचार पत्र प्रकाशित किया जिसे द बंगाल गजट के नाम से भी जाना जाता है।
- 1816 ई. में गंगाधर भट्टाचार्य ने बंगाल गजट का अंग्रेजी में प्रकाशन किया।
- भारत में राष्ट्रीय प्रेस की स्थापना का श्रेय राजा राम मोहन राय को दिया जाता है।
- वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट 1878 ई. लॉर्ड लिटन द्वारा लागू किया गया था। इस अधिनियम को मुंह बंद करने वाला अधिनियम कहा गया। जिन पत्रों के विरुद्ध इस अधिनियम को लागू किया गया, उनमें प्रमुख थे- सोमप्रकाश तथा भारत-मिहिर। इस एक्ट को लॉर्ड रिपन द्वारा 1882 ई. में रद्द कर दिया गया।
- चार्ल्स मेटकाफ को भारतीय समाचार पत्रों का मुक्तिदाता कहा जाता है। क्रिस्टोदास पाल को पत्रकारिता का राजकुमार कहा जाता है।

NitinGupta.com

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

6. 19वीं शताब्दी में सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक पुनर्जागरण

संगठन	स्थापना वर्ष	स्थान	संस्थापक
आत्मीय सभा	1814 ई.	बंगाल	राजा राममोहन राय
ब्रह्म समाज	1828 ई.	बंगाल	राजा राममोहन राय
तत्व बोधिनी सभा	1839 ई.	बंगाल	देवेन्द्र नाथ टैगोर
प्रार्थना समाज	1867 ई.	महाराष्ट्र	आत्माराम पांडुरंग, रनाडे
आर्य समाज	1875 ई.	बम्बई	स्वामी दयानंद सरस्वती
रामकृष्ण मिशन	1897 ई.	कलकत्ता	स्वामी विवेकानंद
थियोसोफिकल सोसायटी	1875 ई.	न्यूयार्क	कर्नल आल्काट, मैडम ब्लावात्सकी
शारदा सदन	1889 ई.	महाराष्ट्र	रमाबाई
यंग बंगाल आंदोलन	1831 ई.	बंगाल	हेनरी विवियन डेरोंजियों
सत्यशोधक समाज	1873 ई.	महाराष्ट्र	ज्योतिबा फुले
विडो रीमैरिज एसोसिएशन	1850 ई.	महाराष्ट्र	विष्णु शास्त्री पंडित
रहनुमाई मजदायसन सभा	1851 ई.	बम्बई	नौरोजी फरदोनजी, दादा भाई नौरोजी , एस. एस.बंगाली
देवबंद आंदोलन	1866 ई.	देवबंद सहारनपुर (उ.प्र.)	मुहम्मद कासिम ननौत्वी, रसीद अहमद गंगोही
अहमदिया आंदोलन	1889 ई.	कादियान (पंजाब)	गुलाम अहमद
सर्वेन्टस ऑफ इंडिया सोसायटी	1905 ई.	महाराष्ट्र	गोपाल कृष्ण गोखले
अलीगढ़ एंग्लो ओरियंटल कॉलेज	1875 ई.	अलीगढ़	सर सैयद अहमद खाँ
डेक्कन एजुकेशन सोसायटी	1884 ई.	पूना	रनाडे, आगरकर
राधा स्वामी संप्रदाय	1861 ई.	आगरा	शिवदयाल खत्री
मुहम्मडन लिटरेरी सोसायटी	1863 ई.	कलकत्ता	अब्दुल लतीफ़
जस्टिस आंदोलन	1916 ई.	मद्रास	सी. एन. मुदलियार, टी.एम. नायर, पी. त्यागराज चेट्टी
प्रजा मित्र मण्डली	1917 ई.	मैसूर	सी.आर.रेड्डी
श्री नारायण धर्म परिपालन योगम	1903 ई.	केरल	श्री नारायण गुरु, एन. कुमारन आसन
आत्म सम्मान आंदोलन	1925 ई.	मद्रास	ई. वी. रामास्वामी
वायकोम आंदोलन	1924 ई.	त्रावणकोर	के. पी. केशव मेनन
गुरुवायूर सत्याग्रह	1931 ई.	केरल	के. केलप्पण, ए. के. गोपालन
डिप्रेस्ड क्लासेज मिशन सोसायटी	1906 ई.	बम्बई	वी. आर. शिंदे
बहिष्कृत हितकारिणी सभा	1924 ई.	बम्बई	डॉ. बी. आर. अम्बेडकर

Nitin-Gupta.com

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

7. ब्रिटिश काल में प्रमुख समाज सुधार कानून

कानून	वर्ष	गवर्नर जनरल / वायसराय
कन्या शिशुहत्या निषेध कानून	1795 ई.	सर जॉन शोर
सती प्रथा निषेध कानून	1829 ई.	विलियम बैंटिक
हिन्दू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम	1856 ई.	लॉर्ड डलहौजी
ऐज ऑफ कनसेन्ट एक्ट	1891 ई.	लॉर्ड लेंसडाउन
शारदा एक्ट	1930 ई.	लॉर्ड इरविन

8. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन

भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस

- भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस की स्थापना 1885 ई. में एक सेवानिवृत्त अंग्रेज आई. सी. एस. अधिकारी एलन ऑक्टेवियन ह्यूम द्वारा की गई थी। दादाभाई नौरोजी के सुझाव पर 1885 ई. के प्रथम काँग्रेस सम्मेलन में भारतीय राष्ट्रीय संघ का नाम "भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस" रखा गया।
- 1885-1905 को काँग्रेस का उदारवादा जबकि 1905-09 के युग को उग्र राष्ट्रवाद का युग कहा जाता है।

9. क्रांतिकारी गतिविधियों का प्रथम चरण (1907 –1917 ई.)

- 22 जून 1897 ई.को दामोदर तथा बालकृष्ण चापेकर ने पुणे के प्लेग कमिश्नर रैंण्ड तथा एमहर्स्ट की हत्या कर भारत में क्रांतिकारी गतिविधियों की शुरुआत की।
- बंगाल में पहले क्रांतिकारी संगठन अनुशीलन समिति की स्थापना 1902 ई. में मिदनापुर में ज्ञानेन्द्र नाथ बसु तथा कलकत्ता में पी. मिश्रा ने किया।
- प्रफुल्ल चाकी और खुदीराम बोस ने 30 अप्रैल, 1908 को मुजफ्फरपुर के जज किंग्सफोर्ड की हत्या का प्रयास किया। पुलिस से बचने के लिए प्रफुल्ल चाकी ने आत्महत्या कर ली और खुदीराम बोस को फाँसी दे दी गई। खुदीराम बोस स्वतंत्रता संग्राम में सबसे कम उम्र के शहीद थे।
- 1912 में रास बिहारी बोस ने लॉर्ड हार्डिंग पर बम फेंकने की योजना बनाई थी। गिरफ़्तारी से बचने के लिए बोस जापान चले गए। अवध बिहारी, अमीरचन्द्र, लाला मुकुन्द तथा बसंत कुमार को गिरफ्तार कर उन पर दिल्ली षडयन्त्र केस के तहत मुकदमा चलाया गया। इस केस में दीनानाथ सरकारी गवाह था।
- पंजाब के क्रांतिकारियों में अजीत सिंह, सूफी अंबा प्रसाद, लाला लाजपत राय शामिल थे। अमेरिका में गदर पार्टी की स्थापना के बाद पंजाब गदर पार्टी का प्रमुख केंद्र बन गया।
- 1905 ई. में लंदन में श्याम जी कृष्ण वर्मा ने "इण्डिया होमरुल सोसायटी की स्थापना की थी। इसके मुख्य सदस्य थेः वी. डी. सावरकर, हरदयाल व मदन लाल ढींगरा आदि। इस सोसायटी का मुख्य उद्देश्य भारत के लिए स्वशासन प्राप्त करना था।
- इंडिया होमरुल सोसायटी ने इंडियन सोशियोलॉजिस्ट नामक समाचार-पत्र का प्रकाशन किया तथा इंडिया हाउस की स्थापना की।
- भीकाजी कामा को "Mother of Indian Revolution" भी कहा जाता है।

क्रांतिकारी समाचार-पत्र, जनरल व पुस्तकें

समाचार पत्र / पुस्तक	संपादक / लेखक	स्थान
युगान्तर	बारीन्द्र कुमार घोष व भूपेन्द्र दत्त	बंगाल
संध्या	ब्रह्म बान्धव उपाध्याय	बंगाल
इंडियन सोसियोलॉजिस्ट	श्यामजी कृष्ण वर्मा	लन्दन
वन्देमातरम	भीकाजी कामा	पेरिस
वन्देमातरम	अरविन्द घोष व विपिन चंद्र पाल	बंगाल
तलवार	वीरेंद्रनाथ चटोपाध्याय	बर्लिन
फ्री हिंदुस्तान	तारकनाथ दास	वैंकूवर
बन्दी जीवन	सचीन्द्र सान्याल	बंगाल
गदर	लाला हरदयाल व अन्य गदर कार्यकर्ता	सेन फ्रांसिस्को
भारत माता	अजित सिंह	पंजाब
भवानी मंदिर	अरविन्दो घोष	बंगाल
पथेर दावी	शरतचंद्र चटोपाध्याय	बंगाल
स्वदेश सेवक	जी. डी. कुमार	वैंकूवर

- 20 जुलाई 1905 ई. को लॉर्ड कर्जन ने बंगाल विभाजन घोषणा की, जो 16 अक्टूबर, 1905 ई. से प्रभावी हुआ। इसके तहत पहले भाग में पूर्वी बंगाल (मुस्लिम बहुसंख्य) तथा असम को मिलाकर एक नवीन प्रांत गठित हुआ जिसकी राजधानी ढाका थी और दूसरे भाग में पश्चिम

Nitin-Gupta.com

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

बंगाल, उड़ीसा व बिहार (हिन्दू बहुसंख्य) को रखा गया जिसकी राजधानी कलकत्ता थी।

- 7 अगस्त 1905 ई. को कलकत्ता के 'टाउन हॉल' में स्वदेशी आंदोलन की घोषणा हुई व बहिष्कार प्रस्ताव पारित किया गया। 16 अक्टूबर को बंगाल में शोक दिवस के रूप में मनाया गया लोगों ने वन्देमातरम के गीत गाए और एक दूसरे को राखी बांधी।
- बंग-भंग आंदोलन का नेतृत्व सुरेन्द्रनाथ बनर्जी ने किया। स्वदेशी आन्दोलन के अवसर पर टैगोर ने "आमार सोनार बांग्ला" नामक गीत लिखा जो 1971 ई. में बांग्लादेश का राष्ट्रीय गान बना।
- 1906 ई. में काँग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन की अध्यक्षता करते हुए दादाभाई नौरोजी ने पहली बार स्वराज्य की माँग की।
- 1907 ई. के सूरत अधिवेशन में स्वदेशी व बहिष्कार आन्दोलन को लेकर काँग्रेस उग्रवादी (गरम दल) एवं उदारवादी (नरम दल) नामक दो दलों में विभाजित हो गयी।
- 1907 ई. के सूरत अधिवेशन में उग्रवादी लाला लाजपत राय को अधिवेशन का अध्यक्ष बनाना चाहते थे जबकि उदारवादी रासबिहारी घोष को बनाना चाहते थे। अंततः रासबिहारी घोष को इसका अध्यक्ष बनाया गया।
- बंगाल विभाजन के बाद 1 अक्टूबर 1906 ई. को आगा खान के नेतृत्व में मुसलमानों का एक प्रतिनिधिमंडल शिमला में वायसराय लॉर्ड मिंटो से मिला।
- ढाका के नवाब सलीमुल्लाह ने 30 दिसंबर 1906 ई. को मुहम्मडन एजूकेशन कॉन्फ्रेंस की बैठक में अखिल भारतीय मुस्लिम लीग की स्थापना की घोषणा की। मुस्लिम लीग के प्रथम अध्यक्ष वकार-उल-मुल्क मुस्ताक हुसैन थे। नवाब सलीमुल्लाह इसके संस्थापक अध्यक्ष थे।
- मुस्लिम लीग ने 1908 ई. में हुए प्रथम अधिवेशन में मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचक मण्डल की मांग की। जिसे 1909 ई. के मार्ले मिंटो सुधार में पूरा किया गया।
- वायसराय लॉर्ड हार्डिंग ने 1911 ई. में भारत आगमन इंगलैंड के सम्राट जॉर्ज पंचम एवं महारानी मेरी के स्वागत के लिए दिल्ली में एक भव्य दरबार का आयोजन किया।
- दिल्ली दरबार में 12 दिसंबर 1911 ई. को सम्राट ने बंगाल विभाजन रद्द करने तथा भारत की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित करने की घोषणा की।
- 1 अप्रैल 1912 ई. को दिल्ली को भारत की राजधानी बनाया गया।
- 1914 ई. में हुए प्रथम विश्व युद्ध में गांधी जी ने लोगों को सेना में भर्ती होने के लिए प्रोत्साहित किया था जिसके कारण उन्हे भर्ती कराने वाला सार्जेंट कहा जाने लगा। ब्रिटिश सरकार ने गांधी जी को केसर-ए-हिन्द की उपाधि प्रदान की थी।
- जून 1914 में तिलक और एनी बेसेंट ने मिलकर भारत में होमरुल आंदोलन शुरू किया।
- 28 अप्रैल 1916 को बाल गंगाधर तिलक ने बेलगांव में और सितंबर 1916 ई. में एनी बेसेंट ने होमरूल लीग की स्थापना की।
- एनी बेसेंट ने जॉर्ज अरुंडेल को होमरूल लीग का सचिव बनाया व अड्यार (मद्रास) में इसका मुख्यालय स्थापित किया।
- एनी बेसेंट ने अपने पत्रों कॉमनवील, न्यू इंडिया तथा तिलक ने मराठा एवं केसरी के माध्यम से होमरूल का प्रचार किया।
- 1917 ई. को एडविन मांटेग्यू को भारत सचिव नियुक्त किया गया। मांटेग्यू ने भारत में उत्तरदायी सरकार की स्थापना की घोषणा की। इस घोषणा के बाद होमरूल आंदोलन प्रायः समाप्त हो गया।
- मांटेग्यू घोषणा को उदारवादियों ने भारत का मैग्नाकार्टा कहा है। 1917 की मांटेग्यू घोषणा व जुलाई 1918 में मांटेग्यू - चेम्सफोर्ड सुधार को लेकर काँग्रेस में मतभेद के कारण काँग्रेस का द्वितीय विभाजन हो गया।
- भारत सरकार अधिनियम 1919 ई. की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता थी प्रांतों में "द्वैध शासन" की स्थापना करना। भारतीय विधानमंडल को पहली बार बजट पास करने संबंधी अधिकार दिया गया।
- इस अधिनियम द्वारा भारत में पहली बार "लोक सेवा आयोग" की स्थापना का प्रावधान किया गया।

10. गांधीजी के आगमन के बाद का राष्ट्रीय आंदोलन (1919–1947 ई.)

- 9 जनवरी 1915 ई. को दक्षिण अफ्रीका से भारत आए। गांधीजी ने भारत आने पर 1915 ई. में अहमदाबाद के समीप साबरमती नदी के तट पर सत्याग्रह आश्रम की स्थापना की।
- गांधीजी ने 1909 ई. में लिखी अपनी पुस्तक "हिन्द स्वराज" में स्वराज (स्वशासन) की विस्तृत व्याख्या की।
- भारत में 1917 ई. से 1918 ई. के बीच गांधीजी ने तीन सफल आंदोलन किए–
    1. **चंपारण सत्याग्रह :** चंपारण में यूरोपीय बागान मालिक किसानों से जबरन नील की खेती करवाते थे तथा उसका 3/20वाँ हिस्सा अधिशेष के रूप में वसूलते थे। जिसे तीन कठिया पद्धति कहते थे। गांधी जी के चंपारण सत्याग्रह के सफल नेतृत्व के कारण टैगोर ने उन्हे महात्मा कहा।
    2. **खेड़ा सत्याग्रह :** गांधीजी ने 1918 ई. में खेड़ा के किसानों का अंग्रेज सरकार की कर-वसूली के विरुद्ध एक आन्दोलन शुरू किया। खेड़ा सत्याग्रह को हार्डीमन ने भारत का पहला वास्तविक 'किसान सत्याग्रह' कहा है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

3. **अहमदाबाद मिल-श्रमिक सत्याग्रह :** अहमदाबाद के मिल मजदूरों और मिल मालिकों के बीच विवाद हो गया। मिल मालिकों ने 20 प्रतिशत बोनस देने का फैसला किया जबकि गांधीजी ने 35 प्रतिशत बोनस की मांग को लेकर भूख हड़ताल शुरू कर दी। यह भारत में उनकी पहली भूख हड़ताल थी।

- **रॉलेट एक्ट :** क्रांतिकारी गतिविधियों को कुचलने के लिए 1917 ई. में न्यायधीश सिडनी रॉलेट की अध्यक्षता में 1919 ई. में रॉलेट एक्ट पास हुआ। इसके अंतर्गत सरकार किसी भी संदेहात्मक व्यक्ति को बिना मुकदमा चलाए जेल में बंद व दंडित कर सकती थी। इसलिए इसे बिना अपील, बिना वकील तथा बिना दलील वाला काला कानून कहा गया है।
- **जलियाँवाला बाग हत्याकांड :** रॉलेट एक्ट के विरोध में 13 अप्रैल 1919 ई. को अमृतसर के जलियाँवाला बाग में एक सार्वजनिक सभा बुलाई गई। पंजाब के लेफ्टिनेंट ओ' डायर के निर्देश पर निहत्थी भीड़ पर गोलियां चलाई गईं, जिसमें 1000 लोग मारे गए।
- **खिलाफत आंदोलन :** गांधीजी ने सहयोग से तुर्की साम्राज्य के विभाजन के विरुद्ध ब्रिटेन के खिलाफ खिलाफत आंदोलन शुरू किया गया।
- **असहयोग आंदोलन :** असहयोग आंदोलन गांधीजी द्वारा 1 अगस्त 1920 ई. को शुरू कर दिया गया था। असहयोग आंदोलन में विद्यार्थियों ने सरकार द्वारा चलाये जाने वाले स्कूलों और कालेजों में जाना छोड़ दिया। किसानों, श्रमिकों और अन्य वर्ग के लोगों ने आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।
- **चौरा-चौरी घटना :** 5 फरवरी 1922 ई. को उत्तर प्रदेश के चौरा-चौरी (गोरखपुर) में क्रोधित भीड़ ने पुलिस स्टेशन में आग लगा दी, जिसके परिणामस्वरूप एक पुलिस स्टेशन अधिकारी सहित 22 पुलिस कर्मियों की मौत हो गई। इस घटना से दुखी होकर गांधीजी ने 12 फरवरी 1922 ई. को बारदोली में कॉंग्रेस की बैठक में असहयोग आंदोलन समाप्त करने का निर्णय लिया।

Nitin Gupta

11. क्रांतिकारी गतिविधियां का द्वितीय चरण (1924-1934 ई.)

- अक्टूबर 1924 ई. में सचिन्द्र सान्याल, राम प्रसाद बिस्मिल तथा चंद्रशेखर आजाद ने कानपुर में क्रांतिकारी संस्था "हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (H.R.A) की स्थापना की।
- 9 अगस्त,1925 ई. को उत्तर रेलवे के सहारनपुर में काकोरी नामक स्थान पर "8 डाउन ट्रेन" से H.R.A द्वारा सरकारी खजाना लूट लिया गया। जिसे काकोरी कांड के नाम से जाना जाता है।
- काकोरी कांड में 29 क्रांतिकारियों को गिरफ्तार किया गया जिसमें राम प्रसाद बिस्मिल, राजेन्द्र लाहिडी, रोशन लाल और अशफाक उल्ला को 1927 ई. में फांसी दे दी गई।
- 30 अक्टूबर 1928 ई. को भगत सिंह,चंद्रशेखर आजाद व राजगुरु द्वारा साइमन कमीशन के विरोध के समय लाला जी पर लाठियों से प्रहार करवाने वाले सहायक पुलिस अधीक्षक सांडर्स की हत्या कर दी।
- केन्द्रीय विधान मंडल में बम फेंकते समय ही पहली बार भगतसिंह ने "इंकलाब जिन्दाबाद का नारा दिया था। जिसकी रचना मुहम्मद इकबाल ने की थी परंतु इसका प्रयोग नारे के रूप में पहली बार भगतसिंह ने किया था।
- भगतसिंह और बटुकेश्वर दत्त को गिरफ्तार कर उन पर असेंबली में बम फेकने और सांडर्स की हत्या के आरोप में "लाहौर षडयन्त्र केस" के तहत मुकदमा चलाया गया।
- "लाहौर षडयन्त्र केस" के तहत भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरु को 23 मार्च 1931 ई. को लाहौर सेंट्रल जेल में फांसी दे दी गई।

12. प्रमुख राष्ट्रीय व राजनैतिक संगठन

संगठन	स्थान	संस्थापक	स्थापना वर्ष
लैंड होल्डर्स सोसाइटी	कलकत्ता	द्वारका नाथ टैगोर	1838 ई.
ब्रिटिश इंडिया सोसाइटी	लन्दन	विलियम एडम्स	1839 ई.
ब्रिटिश इंडिया ऐसोसिएशन	कलकत्ता	देवेन्द्र नाथ टैगोर, राधाकान्त देव	1851 ई.
लन्दन इंडिया कमेटी	लन्दन	सी. पुरुषोत्तम मुदालियर	1862 ई.
ईस्ट इंडिया ऐसोसिएशन	लन्दन	दादाभाई नौरोजी	1866 ई.
पूना सार्वजनिक सभा	पूना	महादेव गोविंद रनाडे	1867 ई.
इंडियन सोसाइटी	लन्दन	आनन्द मोहन बोस	1872 ई.

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

इंडियन लीग	बंगाल	शिशिर कुमार घोष	1875 ई.
मद्रास महाजन सभा	मद्रास	वी.राघवाचारी, एस. अय्यर	1884 ई.
बॉम्बे प्रेसिडेन्सी ऐसोसिएशन	बम्बई	फिरोज शाह मेहता, के.टी.तैलंग	1885 ई.
युनाइटेड इंडियन पेट्रियाटिक ऐसोसिएशन	अलीगढ़	सर सैयद अहमद खाँ	1888 ई.
मुहम्मडन एंग्लो ओरियंटल डिफेंस ऐसोसिएशन	अलीगढ़	सर सैयद अहमद खाँ	1893 ई.
सर्वेन्टस ऑफ इंडिया सोसायटी	पुणे	गोपाल कृष्ण गोखले	1905 ई.
इंडियन लिबरल फेडरेशन	कलकत्ता	सुरेन्द्रनाथ बनर्जी	1918 ई.
उत्तरप्रदेश किसान सभा	लखनऊ	मदनमोहन मालवीय, इन्द्र नारायण, गौरी शंकर मिश्र	1918 ई.
अहमदाबाद टेक्सटाइल लेबर ऐसोसिएशन	अहमदाबाद	महात्मा गांधी	1918 ई.
कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया	ताशकन्द	मानवेंद्र नाथ राय	1920 ई.
सर्वेन्टस ऑफ पीपुल्स सोसायटी	लाहौर	लाला लाजपत राय	1920 ई.
भारतीय ट्रेड यूनियन कॉंग्रेस	बम्बई	नारायण मल्हार जोशी	1920 ई.

Nitin-Gupta.com

13. प्रमुख क्रांतिकारी संगठन

संगठन	स्थान	संस्थापक	स्थापना वर्ष
मित्र मेला	नासिक	सावरकर बन्धु	1899 ई.
अनुशीलन समिति	मिदनापुर	ज्ञानेन्द्र नाथ बोस	1902 ई.
अभिनव भारत	नासिक	वी.डी.सावरकर	1904 ई.
स्वदेश बान्धव समिति	बारीशाल	अश्विनी कुमार दत्त	1905 ई.
इंडियन होम रूल सोसाइटी	लन्दन	श्यामजी कृष्ण वर्मा	1905 ई.
पेरिस इंडिया सोसाइटी	पेरिस	मैडम कामा	1906 ई.
युगान्तर	कलकत्ता	बारीन्द्र घोष, जतीन्द्र मुखर्जी	1906 ई.
इंडियन इंडिपेन्डेन्स लीग	केलीफोर्निया	पांडुरंगा और तारकनाथ दास	1907 ई.
अनुशीलन समिति	ढाका, कलकत्ता	बारीन्द्र घोष, भूपेन्द्र दत्त, सतीश चंद्र बोस, जतीन्द्र बनर्जी	1907 ई.
भारतमाता सोसाइटी	पंजाब	लाला लाजपत राय, सूफी अम्बा प्रसाद	1906 ई.
हिन्दुस्तान ऐसोसिएशन	अमेरिका	रामनाथ पुरी	1907 ई.
हिन्द ऐसोसिएशन ऑफ अमेरिका	सेन फ्रांसिस्को (अमेरिका)	सोहनसिंह भाकना	1913 ई.
गदर पार्टी	अमेरिका	लाला हरदयाल	1913 ई.

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

इंडियन इंडिपेन्डेन्स कमेटी	बर्लिन	लाला हरदयाल, भूपेन्द्र नाथ दत्त	1915 ई.
इंडियन रिपब्लिक आर्मी	चटगाँव	सूर्यसेन	1930 ई.
हिन्दुस्तान रिपब्लिक ऐसोसिएशन	कानपुर	सचीन्द्र नाथ सान्याल, राम प्रसाद बिस्मिल	1924 ई.
नौजवान सभा	लाहौर	भगतसिंह, भगवती चरण वोहरा	1926 ई.
हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिक ऐसोसिएशन	दिल्ली	चन्द्रशेखर आजाद	1928 ई.
इंडियन इंडिपेन्डेन्स लीग	जापान	रास बिहारी घोष	1942 ई.
अंजुमाने मोहिब्बाने वतन	लाहौर	सरदार अजीतसिंह	-

14. राष्ट्रीय आंदोलन (1927-1947 ई.)

- **साइमन कमीशन :** इसके सभी सदस्य अंग्रेज थे, इसलिए इसे "श्वेत आयोग" कहा गया।
- 3 फरवरी 1928 ई. को साइमन कमीशन बम्बई पहुंचा। उस दिन लोगों ने हड़ताल का आयोजन कर काले झंडे दिखाये तथा "साइमन वापस जाओ" के नारे लगाये।
- **सविनय अवज्ञा आंदोलन :** 12 मार्च 1930 ई. को गांधीजी ने साबरमती आश्रम से अपने 78 अनुयायियों के साथ दांडी यात्रा की शुरुआत की। 24 दिन की लंबी यात्रा के बाद 6 अप्रैल 1930 को दांडी में नमक कानून तोड़कर सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत की।
- सुभाष चंद्र बोस ने गांधीजी की दांडी यात्रा की तुलना नेपोलियन की एल्बा से पेरिस अभियान एवं मुसोलिनी के रोम मार्च से की है।
- खान अब्दुल गफ्फार खाँ के नेतृत्व में खुदाई खिदमतगार या लाल कुर्ती दल द्वारा पश्चिमोत्तर सीमा प्रांत में सविनय अवज्ञा आंदोलन चलाया गया।
- 13 वर्षीय नागा लड़की गैडिनलियु ने मणिपुर में जियातरंग आंदोलन चलाया। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उन्हे "रानी की उपाधि" से सम्मानित किया।
- **गांधी-इरविन समझौता :** तेज बहादुर सप्रू व जयकर के प्रयासों से गांधी और इरविन के बीच 5 मार्च 1931 ई. को दिल्ली में समझौता हुआ। जिसे गांधी-इरविन समझौता व दिल्ली समझौता भी कहा जाता है।
- **साम्प्रदायिक पंचाट :** इस पंचाट में हिन्दू, मुस्लिमों, बौद्धों, सिखों, दलितों के लिए पृथक निर्वाचक मण्डल की व्यवस्था प्रदान की गई।
- इसमें दलितों के लिए पृथक निर्वाचन की व्यवस्था समाप्त हो गई उन्हे प्रांतीय विधान मण्डल में 148 सीटें और केन्द्रीय विधान मण्डल में 18 प्रतिशत सीटों का आरक्षण प्रदान किया गया।
- **क्रिप्स मिशन :** भारत के राजनैतिक गतिरोध को दूर करने के उद्देश्य से ब्रिटिश प्रधानमंत्री चर्चिल ने युद्धकालीन मंत्रिमंडल के सदस्य सर स्टेफर्ड क्रिप्स के नेतृत्व में 22 मार्च 1942 ई. को एक मिशन भारत भेजा।
- **भारत छोड़ो आंदोलन :** 14 जुलाई 1942 ई. को वर्धा में आयोजित काँग्रेस की कार्यकारिणी समिति ने 'भारत छोड़ो आंदोलन' का प्रस्ताव पारित किया।
- भारत छोड़ो आंदोलन को 'अगस्त क्रांति' के नाम से भी जाना जाता है।
- भारत छोड़ो आंदोलन के समय गांधीजी ने करो या मरो / "Do or Die" का नारा दिया।
- **सुभाष चंद्र बोस और आजाद हिन्द फौज :** 17 जनवरी 1941 ई. को सुभाष चंद्र बोस ने भारत छोड़ा। जर्मनी में भारतीयों ने सुभाष चंद्र बोस को नेताजी की उपाधि प्रदान की। जर्मनी में उन्होंने फ्री इंडिया सेंटर की स्थापना की तथा यही उन्होंने पहली बार जयहिन्द का नारा दिया।
- मार्च 1942 ई. में टोक्यो सम्मेलन में रास बिहारी बोस ने इंडियन इंडिपेन्डेन्स लीग की स्थापना की।
- मोहन सिंह ने मलाया में आजाद हिन्द फौज की स्थापना 15 दिसंबर 1941 ई. को की। 7 जुलाई 1941 ई. को बैंकॉक सम्मेलन में सुभाष चंद्र बोस को आजाद हिन्द फौज का नेतृत्व सौंपा गया।
- **कैबिनेट मिशन :** 24 मार्च 1946 को दिल्ली पहुंचा जिसमें ब्रिटिश प्रधानमंत्री एटली की सरकार ने ब्रिटिश कैबिनेट के तीन सदस्य लॉर्ड पैथिक लारेंस, सर स्टैफोर्ड क्रिप्स और ए.वी.अलेक्जेंडर शामिल थे। कैबिनेट मिशन के अध्यक्ष लॉर्ड पैथिक लारेंस थे।
- **माउंटबेटन योजना :** माउंटबेटन ने भारत विभाजन की योजना 3 जून को प्रस्तुत की इसलिए इसे 3 जून या माउंटबेटन योजना भी कहा जाता है। माउंटबेटन ने 15 अगस्त 1947 ई. को भारतीयों को सत्ता सौंपने का दिन निर्धारित किया।
- माउंटबेटन योजना के आधार पर ब्रिटिश संसद ने 18 जुलाई 1947 ई. को भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 को पारित किया। जिसके आधार पर 15 अगस्त 1947 को भारत का विभाजन हुआ।
- लॉर्ड माउंटबेटन को स्वतंत्र भारत का प्रथम ब्रिटिश गवर्नर जनरल नियुक्त किया तथा जवाहरलाल नेहरू को भारत का प्रधानमंत्री बनाया गया।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

अर्थव्यवस्था

1. राष्ट्रीय आय एवं आर्थिक विकास

- राष्ट्रीय आय से तात्पर्य साधन लागत पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद से है।
- वर्ष 1867-68 में भारत की प्रतिव्यक्ति आय 20 रुपये थी जिसकी गणना करने वाले प्रथम व्यक्ति दादाभाई नौरोजी थे।
- भारत में राष्ट्रीय आय समेंको का आंकलन और प्राक्कलन केंद्रीय सांख्यिकी संगठन(CSO) द्वारा किया जाता है।
- भारत में पूंजी निर्माण के आँकड़े एकत्रित करने का कार्य भारतीय रिजर्व बैंक और केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन द्वारा किया जाता है।
- भारत का आर्थिक सर्वेक्षण प्रत्येक वर्ष भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा प्रकाशित किया जाता है।
- देश की आर्थिक संवृद्धि में सबसे उपयुक्त मानदंड प्रति व्यक्ति आय को माना जाता है।
- यह विचार कि "भविष्य में भारतीय नियोजन में वस्तुओं से अधिक ध्यान व्यक्तियों पर दिया जाना चाहिए" प्रसिद्ध अर्थशास्त्री अमर्त्यसेन द्वारा व्यक्त किया गया था।
- मिश्रित अर्थव्यवस्था से तात्पर्य निजी एवं सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों की विद्यमानता है। भारत में नियोजन मिश्रित अर्थव्यवस्था पर आधारित है।
- हिन्दू वृद्धि दर राष्ट्रीय आय से संबंधित है।
- भारत में आर्थिक उदारीकरण औद्योगिक लाइसेंसिंग नीति में परिवर्तन के बाद शुरू हुआ।
- भारतीय अर्थव्यवस्था में उदारीकरण का अग्रदूत डॉ. मनमोहन सिंह को कहा जाता है।

2. कृषि क्षेत्र

- भारत की जीडीपी में कृषि और उससे संबंधित क्षेत्रों का अंश लगभग 14% है।
- भारत में कृषि क्षेत्र प्रत्यक्ष रूप से 55% लोगों को रोजगार प्रदान करता है।
- मध्य प्रदेश क्षेत्र के आधार पर सोयाबीन की सबसे अधिक खेती करने वाला राज्य है।
- देश में सर्वाधिक गेंहू क्रमशः उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश में उगाया जाता है।
- भारत में फसल बीमा योजना का शुभारंभ वर्ष 1985 में किया गया।
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन कृषि मंत्रालय द्वारा वर्ष 2007 में शुरू किया गया था।
- तिलहनी फसलें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन में शामिल नहीं की गयी थी।
- तीसरी पंचवर्षीय योजना में कृषि की वृद्धि दर ऋणात्मक थी।
- 'नीली क्रांति' मत्स्य उत्पादन से संबंधित है।
- 'पीली क्रांति' तिलहन उत्पादन से संबंधित है।
- 'ऑपरेशन फ्लड' दुग्ध उत्पादन से संबंधित है।
- हरित क्रांति से सर्वाधिक लाभान्वित राज्य हरियाणा, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश है।
- निर्यात हेतु आम की प्रसिद्ध प्रजाति अल्फांसो है।
- NAFED कृषि विपणन से संबंधित है, जो राष्ट्रीय स्तर पर कृषि विपणन सहकारिताओं का शीर्ष संगठन है।
- खाद्यान्नों के समर्थन मूल्य की सिफारिश कृषि लागत एवं मूल्य आयोग करता है।
- भारत में सबसे बड़ा कॉफी उत्पादक राज्य कर्नाटक है।
- भारत में सर्वाधिक कृषि निर्यात चावल का किया जाता है।
- फसल बीमा का एकाधिकार भारतीय कृषि बीमा कंपनी के पास है।
- काली मिट्टी कपास की फसल के उत्पादन के लिए उपयुक्त होती है।
- भारत में कृषि आय कर लगाने का अधिकार राज्य सरकार के पास है।
- किसान क्रेडिट कार्ड योजना का शुभारंभ वर्ष 1998-99 में किया गया था।
- भारत में प्रथम कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना पंत नगर में हुई थी।
- केन्द्रीय खाद्य तकनीकी अनुसंधान मैसूर में स्थित है।
- नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च मैनेजमेंट (NAARM) हैदराबाद में स्थित है।

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

3. उद्योग क्षेत्र

- स्वतंत्र भारत की प्रथम औद्योगिक नीति की घोषणा वर्ष 1948 में की गयी थी।
- भारत में औद्योगिक विकास हेतु संयुक्त क्षेत्र का विचार वर्ष 1956 की औद्योगिक नीति के तहत रखा गया था।
- वर्ष 1991 की औद्योगिक नीति के अनुसार 18 उद्योगों को लाइसेंसिंग के अंतर्गत रखा गया था।
- भिलाई इस्पात कारखाना रूस की सहायता से स्थापित किया गया था।
- राऊरकेला इस्पात संयंत्र जर्मनी के सहयोग से स्थापित किया गया था।
- भिलाई इस्पात संयंत्र एक सार्वजनिक उपक्रम है।
- बोकारो इस्पात संयंत्र सोवियत संघ की सहायता से स्थापित किया गया था।
- भारतीय हीरा संस्थान सूरत में स्थापित किया गया था।
- दुर्गापुर उड़ीसा इस्पात संयंत्र यू.के. के सहयोग से स्थापित किया गया था।
- भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL)की स्थापना वर्ष 2000 में हुई थी।
- भारत में सबसे पहले कुटीर उद्योगों का विकास हुआ।
- नेपानगर अखबारी कागज के उद्योग लिए जाना जाता है।
- भारत में अपतटीय क्षेत्रों का सबसे महत्वपूर्ण उद्योग मत्स्य उद्योग है।
- औद्योगिक श्रमिकों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधार वर्ष 2011 को वर्ष 2016 में परिवर्तित किया गया था।
- भारत में उदारीकरण वर्ष 1991 में किया गया था।
- सार्वजनिक उद्यमों में विनिवेश वित्तीय वर्ष 1991-92 में आरंभ हुआ।
- HAL वायुयानों के उत्पादन से संबंधित उपक्रम है।
- नवरत्न का दर्जा सार्वजनिक क्षेत्र के चयनित उद्यमों को दिया जाता है।
- अखिल भारतीय खादी ग्रामोद्योग और ग्रामीण बोर्ड की स्थापना प्रथम पाँच वर्षीय योजना में की गयी थी।
- मीरा सेठ समिति हथकरघा उद्योग के विकास से संबंधित थी।
- सत्यम समिति वस्त्र नीति से संबंधित थी।
- भारत के सरकारी क्षेत्र की सबसे बड़ी व्यापारिक संस्था खनिज एवं धातु व्यापार निगम है।
- जीडीपी में सबसे बड़ा भाग सेवा क्षेत्र से प्राप्त होता है।

4. राजकोषीय नीति एवं राजस्व

- भारत में राजकोषीय नीति निर्धारण वित्त मंत्रालय द्वारा किया जाता है।
- भारत में संघीय बजटों में सबसे बड़ी मदें आगम या राजस्व व्यय होती है।
- केन्द्रीय बजट में राजस्व व्यय की सबसे बड़ी मद ब्याज की अदायगी होती है।
- केन्द्रीय बजट में चालू खाते में व्यय की सबसे बड़ी मद ब्याज भुगतान है।
- आयगत लेखे पर संघ सरकार के व्यय की सर्वप्रमुख मद ब्याज भुगतान है।
- भारत में कर आगम का सबसे बड़ा स्रोत निगम कर है।
- सामान्य रूप से भारत में प्रत्येक पाँच वर्ष बाद केंद्र तथा राज्यों के बीच राजस्व का वितरण करने के लिए वित्त आयोग का गठन किया जाता है।
- 15 वें वित्त आयोग का अध्यक्ष एन. के. सिंह को नियुक्त किया गया था।
- भारतीय राजमार्ग प्राधिकरण के वित्त का प्रमुख स्रोत उपकर है।
- आयकर प्रत्यक्ष रूप से वस्तुओं के मूल्य में वृद्धि नहीं करता है।
- आयात एवं निर्यात पर लगाए जाने वाले कर को सीमा कर कहते हैं।
- आयकर एक प्रकार का प्रत्यक्ष कर होता है।
- उत्पाद शुल्क अप्रत्यक्ष कर होता है।
- चेलैया समिति प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों में सुधार से संबंधित थी।

5. आयोजना

- भारत में योजना आयोग की स्थापना 1950 में हुई थी।
- प्रथम पंचवर्षीय योजना की प्राथमिकता कृषि के विकास पर थी।
- भारी उद्योगों के विकास के लिए औद्योगिकीकरण की रणनीति द्वितीय पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत अपनायी गयी थी।
- राष्ट्रीय विकास परिषद् राष्ट्रीय योजनाओं की समीक्षा करती है।
- अनवरत योजना वर्ष 1978-79 की अवधि में कार्यशील थी।
- पाँचवी पंचवर्षीय योजना निर्धारित अवधि से 1 वर्ष पूर्व ही समाप्त हो गई थी।
- पिछड़े देशों के लिए रोलिंग प्लान का सुझाव गुन्नार मिर्डल द्वारा दिया गया था।
- बीस सूत्रीय आर्थिक कार्यक्रम सर्वप्रथम वर्ष 1975 में प्रारंभ किया गया था।

6. मुद्रा एवं बैंकिंग

- नाबार्ड (कृषि एवं ग्रामीण विकास हेतु राष्ट्रीय बैंक) की स्थापना वर्ष 1982 में हुई थी।
- नाबार्ड का मुख्यालय मुबई में स्थित है।
- सिडबी की स्थापना लघु स्तरीय उद्योगों को वित्त प्रदान करने हेतु की गयी थी।
- प्रथम क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना वर्ष 1975 में की गयी थी।

Nitin Gupta.com

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- बी. एस. ई. सेंसेक्स सूचकांक में 30 कंपनियों को शामिल किया गया है।
- भारत में जिंस फ्यूचर्स व्यापार को वायदा बाजार आयोग (सेबी का प्रभाग) द्वारा विनियमित किया जाता है।
- भारत में मुद्रास्फीति के प्राक्कलन का सबसे प्रचलित माप थोक मूल्य सूचकांक है।
- मुद्रास्फीति की दर में एक निश्चित अवधि में आयी गिरावट को अवस्फीति कहा जाता है।
- भारत में कर्मचारियों के महंगाई भत्ते का निर्धारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर किया जाता है।
- भारत में व्यापारिक बैंकों की देनदारियों में सबसे बड़ा भाग सावधि जमाओं का होता है।
- किसानों तक पहुँच के लिए 'किसान क्लब' का निर्माण राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा किया गया है।
- 'बैंक ऑफ राजस्थान' का विलय आई. सी. आई. सी. आई. बैंक में हुआ है।
- बुल तथा बियर शेयर बाजार से संबंधित शब्द हैं।
- इन्साइडर ट्रेडिंग शेयर से संबंधित शब्द है।
- पूंजी बाजार से तात्पर्य शेयर बाजार से है।
- जिला साख योजना लीड बैंक के अंतर्गत कार्यान्वित की जाती है।
- लीड बैंक योजना का प्रमुख उद्देश्य 'सेवा क्षेत्र दृष्टिकोण' के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त बैंकिंग और ऋण प्रदान करना है।
- अग्रणी बैंक योजना का प्रारंभ दिसम्बर,1969 में हुआ था।
- 'गिल्ट एज' बाजार सरकारी प्रतिभूतियों के बाजार से संबंधित है।
- 'स्मार्ट मनी' एवं 'प्लास्टिक मनी' शब्द का प्रयोग क्रेडिट कार्ड से सम्बंधित है।
- एस. एल. आर. और सी. आर. आर. को कम करने जैसे वित्त क्षेत्र सुधारों का सुझाव नरसिम्हन समिति ने दिया था।
- भारतीय रिजर्व बैंक ने सूक्ष्म वित्त के अध्ययन और उस पर सुझावों हेतु वाई एच मलेगाम समिति का गठन किया था।
- रिजर्व बैंक को बैंकों का बैंक कहा जाता है।
- विनिवेश आयोग के प्रथम अध्यक्ष जी.वी.रामकृष्ण थे।
- नई थोक मूल्य सूचकांक श्रृंखला का प्रारंभ 14 सितंबर 2010 को हुआ था।
- भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना 1935 में हुई थी।
- भारत में मौद्रिक नीति का निर्माण आरबीआई करता है।
- व्यावसायिक बैंकों की रिज़र्व बैंक के पास कुल जमा एवं आरक्षित राशि के निर्धारित भाग को नकद आरक्षित अनुपात कहते हैं।
- अल्पकाल में रिजर्व बैंक जिस ब्याज दर पर व्यापारिक बैंकों को उधार देता है, उसे रेपो दर कहा जाता है।
- वह दर जिस पर बैंक रिजर्व बैंक को उधार देता है, उसे रिवर्स रेपो दर कहा जाता है।
- भारत में शेयर बाजारों के मुख्य नियामक का कार्य भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है।
- भारत में बैंकों का पहली बार राष्ट्रीयकरण (14 राष्ट्रीय बैंक) 1969 में हुआ।
- बैंक दर से अभिप्राय उस ब्याज दर से है जो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा व्यापारिक बैंकों को दिए जाने वाले ऋण पर ली जाती है।
- एक रुपए के नोट पर वित्त मंत्रालय के सचिव का हस्ताक्षर होता है।
- भूमि विकास बैंक किसानों को लंबी अवधि के लिए ऋण उपलब्ध कराता है।
- सहकारी साख समितियों का ढांचा त्रिस्तरीय होता है।
- वाणिज्य प्रपत्र कॉर्पोरेट उद्योगों के साख का स्रोत होता है।
- लघु अवधि ऋण की अवधि अधिकतम 15 माह होती है।
- भारत में कागजी मुद्रा प्रथम बार 1861 में शुरू की गयी थी।
- बेसल-3 मानक बैंकों की पूंजी की पर्याप्तता के मापन के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानदंड हैं।
- बांग्लादेश की मुद्रा टका है।
- भात थाईलैंड की मुद्रा है।
- चीन की मुद्रा युआन है।
- भारत में ट्रेजरी बिल रिजर्व बैंक के द्वारा जारी किए जाते हैं।

7. मानव विकास

- मध्य प्रदेश भारत का प्रथम ऐसा राज्य है, जिसने मानव विकास प्रतिवेदनों का प्रकाशन किया।
- संयुक्त राष्ट्र मानव विकास सूचकांक महबूब उल हक द्वारा विकसित किया गया था।
- मानव गरीबी सूचकांक 1997 में विकसित किया गया था।
- यू.एन.डी.पी. बहुआयामी निर्धनता सूचकांक में 10 सूचकों को शामिल किया गया है।
- भूटान ने सकल राष्ट्रीय प्रसन्नता को नागरिकों के कुशल क्षेम हेतु एक सूचकांक के रूप में शामिल किया है।

Nitin-Gupta.com

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

8. रोजगार एवं कल्याण योजनाएं

- बंधुआ मजदूरी पर रोक अधिनियम 1976 में पारित हुआ था।
- भारत में अधिकांशतः संरचनात्मक बेरोजगारी है।
- भारत में प्रच्छन्न बेरोजगारी के लक्षण मुख्यतः प्राथमिक क्षेत्र में है, जो अधिकांशतः कृषि क्षेत्र में व्याप्त है।
- निर्मल ग्राम पुरस्कार योजना का उद्देश्य शौच स्वच्छता है।
- DWRCA योजना गरीबी रेखा से नीचे रहने वाली महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके स्तर को ऊपर उठाने से संबंधित है।
- स्वावलंबन योजना का उद्देश्य महिलाओं को प्रशिक्षण एवं कौशल प्रदान करना है।
- असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम 2008 में पारित हुआ।
- स्वाधार भारत सरकार की कठिन परिस्थितियों में रह रही महिलाओं के लाभार्थ प्रायोजित योजना है।
- भारत निर्माण योजना का संबंध अवस्थापना विकास से है।
- संगम योजना का उद्देश्य दिव्यांग लोगों का विकास करना है।
- संकल्प परियोजना एच.आई.वी./एड्स के उन्मूलन से जुड़ी है।
- राष्ट्रीय बाल कोष की स्थापना 1979 में की गई।
- भारत सरकार ने जून 2011 में स्वर्ण जयंती ग्रामीण स्वरोजगार योजना को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा प्रतिस्थापित किया।
- राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम सम्पूर्ण देश में अप्रैल 2008 से लागू की गयी।
- राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम का नाम अक्टूबर 2009 में मनरेगा कर दिया गया।
- भारत में सामुदायिक विकास कार्यक्रम 2 अक्टूबर 1952 को आरंभ हुआ।
- राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान हैदराबाद में स्थित है।
- राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन का शुभारंभ 12 अप्रैल 2005 को हुआ।
- भारत में प्रथम राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति की घोषणा 1983 में हुई।
- कपार्ट (CAPART) का संबंध ग्रामीण कल्याण कार्यक्रमों की सहायता एवं मूल्यांकन से है।
- समेकित बाल विकास सेवा नामक कार्यक्रम वर्ष 1975 में प्रारंभ हुआ।
- यू.आई.डी. योजना के अंतर्गत पहला आधार गाँव थेंबली, महाराष्ट्र था।
- सर्व शिक्षा अभियान 6-14 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों के लिए है।
- मिड डे मील योजना 1995 में प्रारंभ हुई।
- दृष्टि वादितों के लिए राष्ट्रीय दृष्टि विकलांग संस्थान देहरादून में स्थित है।
- विश्व साक्षरता दिवस 8 सितंबर को मनाया जाता है।
- अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को मनाया जाता है।
- विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस 15 मार्च को मनाया जाता है।
- भारत में निर्धनता के स्तर का आकलन उपभोग-व्यय के आधार पर किया जाता है।
- सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लक्ष्य गरीबों को खाद्य सुरक्षा उपलब्ध कराना है।
- गरीबी उन्मूलन का नारा छठी पंचवर्षीय योजना में दिया गया था।
- भारत में परिवार नियोजन का कार्यक्रम वर्ष 1952 में आरंभ किया गया था।

9. आयात-निर्यात

- माल के आयात हेतु विदेशी विनिमय की स्वीकृति भारतीय रिजर्व बैंक देता है।
- भारत द्वारा सबसे अधिक विदेशी मुद्रा पेट्रोलियम पदार्थों के आयात पर खर्च की जाती है।
- एशिया का प्रथम निर्यात प्रसंस्करण क्षेत्र वर्ष 1965 में कांडला में स्थापित हुआ था।
- निजी क्षेत्र का प्रथम निर्यात प्रसंस्करण (EPZ) क्षेत्र सूरत में स्थापित हुआ था।
- विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) अधिनियम वर्ष 2005 में प्रभावी हुआ।
- भारत का अधिकतम विदेशी व्यापार यू.एस.ए. के साथ है।
- भारत सबसे अधिक आयात (मूल्य के आधार पर) चीन से करता है।
- निर्यात-आयात (एक्सिम) बैंक का गठन भारत में 1982 में हुआ।
- बंद अर्थव्यवस्था में न तो आयात होता है, न ही निर्यात।

10. भुगतान संतुलन

- भुगतान संतुलन शब्द आयात-निर्यात के संदर्भ में प्रयोग किया जाता है।
- नई यूरो मुद्रा वर्ष 1999 में प्रारंभ की गयी।
- 'यूरो' यूरोपीय राज्यों की राष्ट्रीय मुद्रा है।
- तारापोर समिति का गठन पूंजी खाता परिवर्तनीयता की व्यवहार्यता का अध्ययन करने के लिए किया गया था।
- अवमूल्यन का अर्थ अन्य देशों की मुद्राओं के संदर्भ में मुद्रा के मूल्य में कमी से संबंधित है।
- भारत में रुपये का अवमूल्यन पहली बार वर्ष 1949 में किया गया था।
- वर्ष 1991-92 में रुपये का अवमूल्यन 2 बार किया गया था।

© Nitin-Gupta.com

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

11. अंतर्राष्ट्रीय संगठन

- विश्व व्यापार संगठन का मुख्यालय जेनेवा में अवस्थित है।
- डब्ल्यू.टी.ओ. की स्थापना 1995 में हुई थी।
- भारत डब्ल्यू.टी.ओ. का सदस्य वर्ष 1995 में बना था।
- WTO का पूर्ववर्ती नाम GATT था।
- डंकल प्रस्ताव बौद्धिक संपदा अधिकार से संबंधित है।
- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का प्रमुख कार्य सदस्य देशों की भुगतान संतुलन संबंधी समस्याओं का समाधान करना है।
- यूरोपीय आर्थिक समुदाय का मुख्यालय ब्रुसेल्स में स्थित है।
- ब्रिक्स देशों का प्रथम सम्मेलन चीन में हुआ था।
- ब्रिक्स देशों में सर्वाधिक प्रति व्यक्ति आय रूस की है।
- विश्व बैंक की स्थापना 1944 में हुई थी।
- विश्व बैंक का मुख्यालय वाशिंगटन में है।
- G-15 विश्व के विकासशील देशों का संगठन है।
- संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य देशों की संख्या 193 है।
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों की संख्या 5 है।

Nitin Gupta.com

12. जनगणना

- भारत में प्रथम जनगणना 1872 में हुई थी।
- भारत में प्रथम नियमित जनगणना वर्ष 1881 में हुई थी।
- जनगणना 2011 के अनुसार भारत में जनसंख्या घनत्व (प्रति वर्ग किमी.) 382 है।
- 2011 की जनगणना के अनुसार भारत के सर्वाधिक जनसंख्या वाले राज्य क्रमशः उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र बिहार है।
- भारत में अधिकतम एवं न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाले राज्य क्रमशः बिहार एवं अरुणाचल प्रदेश हैं।
- जनगणना 2011 के अनुसार भारत में बाल जनसंख्या (0-6 वर्ष) का लिंगानुपात 919 है।
- भारत में पुरुष-स्त्री अनुपात 1000–943 है।
- भारत में केंद्रशासित प्रदेशों में न्यूनतम लिंगानुपात दमन एवं दीव में है।
- 2011 की जनगणना के अनुसार प्रति एक हजार पुरुषों पर सर्वाधिक महिलाओं की संख्या केरल राज्य में है।
- भारत में अनुसूचित जनजातियां कुल जनसंख्या का 8.6 प्रतिशत है।
- अनुसूचित जातियों का कुल जनसंख्या में सबसे अधिक प्रतिशत पंजाब में है।
- भारत में सर्वाधिक ग्रामीण साक्षरता केरल राज्य में है।

13. विविध

- ISO 14001 एक अंतर्राष्ट्रीय प्रमाण-पत्र है जो प्रदूषण नियंत्रण प्रणाली स्थापित करने वाली औद्योगिक इकाइयों को दिया जाता है।
- दृष्टि 2025 का संबंध खाद्य उत्पादन में वृद्धि से है।
- केंद्र सरकार द्वारा संचालित जल धारा योजना के अंतर्गत मरूस्थल के किसानों को पट्टे पर कम से कम किराये पर पंपसेट दिए जाते हैं।
- हरियाली कार्यक्रम का संबंध जल संचयन प्रबंधन कार्यक्रम के समर्थन से है।
- कमैया प्रणाली नेपाल में अनुबंधित श्रमिकों की पीढ़ी दर पीढ़ी चलने वाली प्रणाली से संबधित है।
- जहां मांग से अधिक आपूर्ति होती है उसे क्रेता का बाजार कहते हैं।
- व्यावसायिक संपत्तियों के न्यासिता सिद्धांत का प्रतिपादन महात्मा गांधी ने किया था।
- एगमार्क गुणवत्ता गारंटी की मोहर है।
- ITC नामक कंपनी ने ई-चौपाल नामक ग्रामीण विपणन तंत्र प्रारंभ किया है।
- कौटिल्य का अर्थशास्त्र 15 अधिकरणों में विभाजित है।
- भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में स्थित है।
- ईको मार्क उन भारतीय उत्पादों को दिया जाता है, जो पर्यावरण के अनुकूल है।
- प्रोजेक्ट ऐरो का संबंध डाकघरों के आधुनिकीकरण से है।
- सांसद स्थानीय विकास निधि योजना वर्ष 1993 में प्रारम्भ की गई थी।
- प्लैनिंग एण्ड पुअर पुस्तक के लेखक बी.एस. मिनहास है।
- भारत के सी.ए.जी. लोक वित्त संरक्षक के रूप में कार्य करते हैं।
- वेल्थ ऑफ नेशन्स पुस्तक के लेखक एडम स्मिथ है।
- आरबीआई का मुख्यालय मुंबई में स्थित है।
- अमर्त्य सेन भारत के नोबल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री हैं।
- भारत में प्रतिस्पर्धा आयोग की स्थापना 2003 में की गयी।
- यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड का संबंध टेलीफोन कंपनियों की सेवा प्रदायगी से संबंधित है।
- भारतवर्ष में सिक्कों की ढलाई मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, नोएडा में होती है।
- भारत को 8 पिन क्षेत्रों में विभाजित किया गया है।
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय भोपाल में स्थित है।
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत गेंहू, चावल और दाल को शामिल किया गया है।
- उदारीकरण, निजीकरण और भूमंडलीकरण की नई आर्थिक नीति 1991-92 में प्रधानमंत्री नरसिंहा राव द्वारा लायी गयी थी।
- जोखिम पूंजी/वेंचर कैपिटल नए उद्यमियों को उपलब्ध कराई गयी दीर्घकालिक प्रारम्भिक पूंजी को कहते है।
- निर्धनता के दुश्चक्र की अवधारणा नर्कसे से संबंधित है।
- ग्रीन इंडेक्स विश्व बैंक द्वारा विकसित किया गया है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

भारत का भूगोल

1. सामान्य जानकारी

- भारत का कुल क्षेत्रफल लगभग 32 लाख 87 हजार 263 वर्ग किमी है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत विश्व का 7वाँ सबसे बड़ा देश है।
- जनसंख्या की दृष्टि से भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा देश है।
- भारत का क्षेत्रफल सम्पूर्ण विश्व के क्षेत्रफल का लगभग 2.42% है, जबकि जनसंख्या लगभग 17.5% है।

भारत के पड़ोसी देशों के साथ सीमाओं की लम्बाई

देश	सीमा से सम्बंध भारतीय राज्य / केन्द्रशासित प्रदेश
बांग्लादेश	पं. बंगाल, त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम, असम
चीन	लद्दाख, अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम
पाकिस्तान	राजस्थान, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, गुजरात, पंजाब
नेपाल	उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, सिक्किम, पं. बंगाल
म्यांमार	अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड
भूटान	असम, अरुणाचल प्रदेश, पं. बंगाल, सिक्किम
अफगानिस्तान	लद्दाख

Nitin-Gupta.com

- **भारत का सबसे उत्तरी बिन्दु :** इन्दिरा कॉल (जम्मू कश्मीर)
- **भारत का सबसे दक्षिणी बिन्दु :** कन्याकुमारी (तमिलनाडु)
- **भारत का सबसे पूर्वी बिन्दु :** किबिथू (अरुणाचल प्रदेश)
- **भारत की सबसे पश्चिमी बिन्दु :** सरक्रीक(गुजरात)
- भारत का सबसे दूरस्थ दक्षिणी बिन्दु इन्दिरा प्वॉइन्ट है।

मैकमोहन रेखा	भारत और चीन के बीच
रेडक्लिफ रेखा	भारत और पाकिस्तान के बीच
डूरण्ड रेखा	पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच
Zero लाइन रेखा	भारत और बांग्लादेश के बीच

- भारत का मानक समय इलाहाबाद के निकट मिर्जापुर से गुजरने वाली 82.5 डिग्री पूर्वी देशान्तर रेखा को माना गया है।
- यह ग्रीनविच समय रेखा से 5.30 घण्टा आगे है।
- कर्क रेखा भारत के 8 राज्यों से होकर गुजरती है : गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा एवं मिजोरम।
- उत्तर प्रदेश सबसे अधिक राज्यों के साथ सीमा साझा करता है।
- भारतीय राज्यों में गुजरात की तटरेखा सर्वाधिक लम्बी है। इसके बाद आन्ध्र प्रदेश की तटरेखा है।

  Trick : GAT (Gujrat, Andra Pradesh, Tamilnadu)
- भारत के 9 राज्य तटरेखा से लगे हैं।
- त्रिपुरा तीन ओर से बांग्लादेश से घिरा हुआ राज्य है।

भारत के प्रमुख दर्रे

दर्रे	राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेश
काराकोरम दर्रा	जम्मू-कश्मीर
पीरपंजाल दर्रा	जम्मू-कश्मीर
बनिहाल दर्रा	जम्मू-कश्मीर
बुर्जिल दर्रा	जम्मू-कश्मीर
जोजिला दर्रा	लद्दाख
शिपकीला दर्रा	हिमाचल-प्रदेश
रोहतांग दर्रा	हिमाचल-प्रदेश
बारालाचा दर्रा	हिमाचल-प्रदेश
लिपुलेख दर्रा	उत्तराखण्ड
माना दर्रा	उत्तराखण्ड
नीति दर्रा	उत्तराखण्ड
नाथूला दर्रा	सिक्किम
जेलेपला दर्रा	सिक्किम
बोमडिला दर्रा	अरुणाचल प्रदेश
यांग्याप दर्रा	अरुणाचल प्रदेश
दिफू दर्रा	अरुणाचल प्रदेश
तुजु दर्रा	मणिपुर
थाल घाट दर्रा	मुम्बई से नासिक
भोर घाट दर्रा	मुम्बई से पुणे
पाल घाट दर्रा	केरल से तमिलनाडु

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

2. भारत का भौतिक विभाजन

1. उत्तर के पर्वत
2. उत्तरी मैदान
3. प्रायद्वीपीय पठार
4. भारतीय मरुस्थल
5. तटीय मैदान
6. द्वीप समूह

1. उत्तर के पर्वत : इसे चार प्रकार में विभाजित किया गया है।

A. **ट्रांस हिमालय :** ट्रांस हिमालय के अंतर्गत चार श्रेणी आती हैं–

1. काराकोरम
2. लद्दाख
3. जास्कर
4. कैलाश

Trick : कलेजा

- **काराकोरम श्रेणी :** ट्रांस हिमालय और काराकोरम श्रेणी की सबसे ऊँची चोटी गॉडविन ऑस्टिन (K2) है। यह चोटी POK में स्थित है। इसके चार प्रमुख ग्लेशियर है–

1. सियाचीन
2. बाल्टेरो
3. बियाफो
4. हिस्पार

- **लद्दाख श्रेणी :** सिन्धु नदी लद्दाख और जास्कर श्रेणी के मध्य प्रवाहित होती है।
- **जास्कर श्रेणी :** जास्कर को लद्याख से अलग करती है।
- **कैलाश श्रेणी :** यह श्रेणी तिब्बत में स्थित है।

B. **हिमाद्री/सर्वोच्च या वृहत हिमालय :** यह हिमालय की सबसे ऊँची श्रेणी है। वृहत हिमालय लघु हिमालय से मेन सेंट्रल थ्रस्ट के द्वारा अलग होती है।

- **माउंट एवरेस्ट :** यह विश्व और हिमालय की सबसे ऊँची चोटी है। इसे नेपाल में सागरमाथा और चीन में चेमालुग्मा के नाम से जानते है।
- **कंचनजंघा :** भारत में हिमालय की सबसे ऊँची चोटी है। और दुनिया की तीसरी सबसे ऊँची चोटी है।
- नंदा देवी, कामेत पर्वत, आदिकैलाश पर्वत, त्रिशूल पर्वत, नामचाबरवा आदि पर्वत भी वृहत हिमालय का भाग है।

C. **हिमाचल श्रेणी/लघु या मध्य हिमालय :** इस श्रेणी में पीरपंजाल, धौलाधर, मसूरी, नागटिब्बा एवं महाभारत आदि श्रेणियाँ हैं।

D. **शिवालिक/निम्न या वाह्य हिमालय :** यह हिमालय का नवीनतम भाग है। लघु एवं शिवालिक के बीच कई घाटियाँ है जैसे– काठमांडू घाटी। पश्चिम में इन्हें दून या द्वार कहते है, शिवालिक के निचले भाग को तराई कहते हैं।

2. उत्तरी मैदान : इनका निर्माण नदियों द्वारा जमा किए गए अवसाद से हुआ है। यह चार प्रकार के होते है–

1. भाबर
2. तराई
3. खादर
4. बांगर

Trick : भात खाबो

3. प्रायद्वीपीय पठार : इसका आकार त्रिभुजाकार है, यह तीनों ओर से पानी से घिरा हुआ है। यह गोंडवाना लैंड का भाग है।

- **अरावली पर्वत :** यह सबसे पुरानी चट्टानों से बनी श्रेणी है। यह वलित पर्वत / अवशिष्ट पर्वत है। इस पहाड़ी की सबसे ऊँची चोटी माउण्ट आबू पर स्थित गुरुशिखर है।
- **विंध्य पर्वत :** यह भ्रंश पर्वत है, यह उत्तर भारत को दक्षिण भारत से अलग करता है इसकी सबसे ऊँची चोटी कालुमार या सद्भावना शिखर है।
- **सतपुड़ा पर्वत :** यह ज्वालामुखीय चट्टानों से बना भ्रंश पर्वत है इसकी सबसे ऊँची चोटी धूपगढ़ है, जो महादेव पर्वत पर स्थित है। इसके पूर्व से ताप्ती नदी का उद्गम होता है।
- **पश्चिमी घाट पर्वत :** इसे सह्याद्रि के नाम से भी जाना जाता है। 16 डिग्री उत्तरी अक्षांश रेखा जो गोवा से गुजरती है सहयाद्रि को दो भागो में विभाजित करती है–

1. **उत्तरी सहयाद्रि :** इसकी सबसे ऊँची चोटी कल्सुबाई है, जिसे महाराष्ट्र का एवरेस्ट भी कहा जाता है और महाबलेश्वर इसकी दूसरी सबसे ऊँची चोटी है।
2. **दक्षिणी सहयाद्रि :** इसकी सबसे ऊँची चोटी कुदरेमुख है।

- पूर्वी घाट एवं पश्चिमी घाट के मिलान बिन्दु पर नीलगिरि की पहाड़ी स्थित है।
- **नीलगिरि पहाड़ी :** इसकी सबसे ऊँची चोटी डोडाबेट्टा है। यह तमिलनाडु की सबसे ऊँची चोटी भी है।
- **साइलेंट वैली (Silent Valley) :** यह जैवविविधता, सदाबहार वनों के लिए प्रसिद्ध है। यह केरल में स्थित है।
- **अन्नाई मलाई पहाड़ी :** इसकी सबसे ऊँची चोटी अनाईमुडी है, यह पश्चिमी घाट और दक्षिण भारत की सबसे ऊँची चोटी है।
- **इलायची की पहाड़ी :** यह इलायची की खेती के लिए प्रसिद्ध है। यह भारत की सबसे दक्षिणी पहाड़ी है।
- **मालवा का पठार :** इसका निर्माण बेसाल्ट चट्टानों से हुआ है। इस पठार पर काली मिट्टी की अधिकता पायी जाती है।
- मालवा का पठार विंध्य एवं अरावली पर्वत के मध्य में स्थित है।

✓ बुन्देलखण्ड का पठार
✓ बघेलखण्ड का पठार

- **छोटा नागपुर का पठार :** यह पठार खनिजों में सबसे समृद्ध पठार है यहां कोयलें की अधिकता होने के कारण इसे भारत का रूर प्रदेश भी कहा जाता है।

नोट : विश्व का रूर क्षेत्र जर्मनी है।

- **दक्कन का पठार :** इसका निर्माण लावा से हुआ है नर्मदा नदी मालवा के पठार और दक्कन के पठार को अलग करती है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- **शिलाँग का पठार :** दक्षिण भारत के पठार का भाग है। यह मेघालय के पठार के अंतर्गत आता है। मेघालय में तीन पहाड़ियाँ है–गारो, खासी, जयंतिया। सर्वाधिक वर्षा वाला क्षेत्र मौसिनराम खासी पहाड़ी के अंतर्गत आता है।

हिमालय का प्रादेशिक विभाजन	
प्रादेशिक विभाग	**विस्तार**
पंजाब हिमालय	सिन्धु एवं सतलज नदियों के मध्य
कुमायूँ हिमालय	सतलज एवं काली नदियों के मध्य
नेपाल हिमालय	काली एवं तीस्ता नदियों के मध्य
असम हिमालय	तीस्ता एवं दिहांग नदियों के मध्य

4. भारतीय मरुस्थल–

(a) **ठण्डा मरुस्थल :** लद्दाख

(b) **गर्म मरुस्थल :** थार मरुस्थल अरावली पर्वत के पश्चिम में स्थित है।

5. तटीय मैदान :

© Nitin-Gupta.com

पश्चिमी घाट		पूर्वी घाट	
तट	**तट के नाम**	**तट**	**तट के नाम**
गुजरात	काठियावाड़	तमिलनाडु	कोरोमण्डल
महाराष्ट्र और गोवा	कोंकण	आन्ध्र प्रदेश	उत्तरी सरकार
कर्नाटक	कन्नड़	ओड़िशा	उत्कल तट
केरल	मालाबार	पश्चिम बंगाल	बैगा

6. द्वीप समूह : चारों ओर जल से घिरे हुए जमीन के भू-भाग को द्वीप समूह कहते हैं।

- **अंडमान एवं निकोबार :** यह बंगाल की खाड़ी में स्थित है इसमें कुल 572 द्वीप है इसका निर्माण अराकान योमा पर्वत से हुआ है। इसकी सबसे ऊँची चोटी सैंडल पीक है, जो उत्तरी अण्डमान में स्थित है।

प्रमुख जल-अन्तराल	
नाम	**अवस्थिति**
8 चैनल	मालदीव व मिनीकॉय के मध्य
9 चैनल	कवरत्ती व मिनीकॉय के मध्य
10 चैनल	लिटिल अंडमान व कार निकोबार के मध्य
ग्रैण्ड चैनल	सुमात्रा (इंडोनेशिया) व निकोबार के मध्य
पाक स्ट्रेट	तमिलनाडु व श्री लंका के मध्य
डंकन पास	दक्षिण अंडमान व लघु अंडमान के मध्य
कोको स्ट्रेट	कोको द्वीप (म्यांमार) व उत्तरी अंडमान के मध्य
मन्नार खाड़ी	तमिलनाडु व श्रीलंका के मध्य

- **लक्षद्वीप समूह :** यह प्रवाल भित्ति/मूँगा जीव से (Coral Reef) द्वारा निर्मित द्वीप है। इसमें कुल 36 द्वीप हैं। लेकिन केवल 11 द्वीपों पर ही आबादी रहती हैं। यह क्षेत्र व जनसंख्या के आधार पर सबसे छोटा केन्द्र शासित प्रदेश है।
- लक्षद्वीप की प्रशासनिक राजधानी कवरत्ती है और यहा की भाषा मलयालम (माहे) है।
- **लक्षद्वीप की प्रमुख जनजातियाँ :** कोया, अमिनदीवी, मेलाचेरी आदि हैं।

भारत की नदियाँ			
नदी	**उद्गम**	**मुहाना/संगम**	**विशेष**
सिन्धु	तिब्बत के बोखर-चू-हिमनद/ मानसरोवर झील से	अरब सागर	इसकी सहायक नदी झेलम, चिनाब, रावी, व्यास सतलुज है।
झेलम	बेरीनाग झील जम्मु-कश्मीर से	चिनाब नदी	इस नदी को वेदों में वितस्ता कहा गया हैं। इसकी सहायक नदी किशनगंगा है।
चिनाब	चन्द्र तथा भागा दोनो नदियों के मिलने से चिनाब नदी का उद्गम हुआ है।	सिन्धु नदी	इस नदी को वेदों में अस्किनी कहा गया हैं। यह सिन्धु नदी की सबसे बड़ी सहायक नदी है।
रावी	रोहतांग दर्रा (हिमाचल प्रदेश)	चिनाब नदी	इस नदी को वेदों में परुषणी/इरावती कहा गया हैं।
व्यास	व्यासकुण्ड (हिमाचल प्रदेश)	हरिके बैराज के समीप सतलज नदी में	इस नदी को वेदों में विपाशा कहा गया है। इसकी सहायक नदी बाणगंगा है।
सतलुज	राकसताल (हिमाचल प्रदेश)	सिन्धु नदी (पाकिस्तान)	इस नदी को वेदों में शतुद्री कहा गया है। सतलज नदी भारत में शिपकिला दर्रे से प्रवेश करती है।
गंगा	गंगोत्री के पास गोमुख हिमानी से	बंगाल की खाड़ी	गंगा की सहायक नदी रामगंगा, गोमती, घाघरा, गंडक, कोसी, महानन्दा, यमुना, सोन आदि है।
यमुना	यमुनोत्री हिमनद	गंगा	गंगा नदी की सबसे लम्बी सहायक नदी है। इसकी सहायक नदी चम्बल, सिन्ध, बेतवा, केन है।
चम्बल	जनापाऊ पहाड़ी	यमुना	यमुना की सबसे लम्बी सहायक नदी चम्बल है। देश के सबसे गहरे खड्डों का निर्माण करती है। सहायक नदी- पार्वती, क्षिप्रा, बनास नदी आदि।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

ब्रह्मपुत्र	मानसरोवर झील के निकट आंग्सीग्लेशियर से	बंगाल की खाड़ी	यह नदी, विश्व के सबसे बड़े नदी द्वीप, माजुली द्वीप का निर्माण करती है। यह अरुणाचल प्रदेश में यांग्याप दर्रे से भारत में प्रवेश करती है।
नर्मदा	अमरकंटक मध्य प्रदेश	खम्भात की खाड़ी	यह नदी विध्य व सतपुड़ा के बीच भ्रंश घाटी में प्रवाहित होती है। यह अरब सागर में मिलती है।
ताप्ती	मुल्ताई (म. प्र.)	खम्भात की खाड़ी	यह नदी सतपुड़ा के दक्षिण में भ्रंश घाटी में बहती है। गुजरात का सूरत शहर ताप्ती नदी के तट पर स्थित है।
महानदी	अमरकंटक	बंगाल की खाड़ी	इस नदी को ओड़िशा का शोक कहते है। सहायक नदी-शिवनाथ, अरपा, जोंक, तेल, ब्राह्मणी तथा वैतरणी आदि नदियाँ है।
माही	विंध्य पर्वत	खम्भात की खाड़ी	यह नदी कर्क रेखा को दो बार काटती है।
लूनी	नाग पहाड़ी	कच्छ का रण	यह भारत की एकमात्र अन्तर्वाही नदी है। यह नदी कच्छ के रण में समाप्त हो जाती है।
साबरमती	ढेबर/जयसमंद झील	खम्भात की खाड़ी	साबरमती नदी के किनारे अहमदाबाद और गाँधीनगर स्थित है।
कृष्णा	महाबलेश्वर	बंगाल की खाड़ी	इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ– तुंगभद्रा, मूसी, कोयना, पंचगंगा, दूधगंगा, घाटप्रभा, मालप्रभा, भीमा आदि है।
गोदावरी	त्र्यंबकेश्वर नासिक, महाराष्ट्र	बंगाल की खाड़ी	दक्षिण भारत की सबसे बड़ी व लम्बी नदी है। इसके अन्य नाम दक्षिण भारत की गंगा, वृद्ध गंगा के नाम से भी जानते है।
कावेरी	ब्रह्मगिरी पहाड़ी	बंगाल की खाड़ी	धार्मिक आधार पर इसे दक्षिण भारत की गंगा कहते है। कावेरी नदी वर्ष भर प्रवाहित होने वाली एक मात्र नदी है।
दामोदर	छोटा नागपुर का पठार	हुगली नदी	यह हुगली की सहायक नदी है।

Nitin-Gupta.com

3. नदियों का समागम स्थल

धौलीगंगा और अलकनंदा का संगम	विष्णु प्रयाग
अलकनंदा और नंदाकिनी का संगम	नन्द प्रयाग
अलकनंदा और पिंडार नदी का संगम	कर्ण प्रयाग
अलकनंदा और मंदाकिनी का संगम	रूद्र प्रयाग
अलकनंदा और भागीरथी का संगम	देव प्रयाग

- **भारत की प्रमुख झीलें :** झीलों के अध्ययन को लिम्नोलॉजी कहते है।
- भारत की सबसे बड़ी कृत्रिम झील गोविन्द बल्लभ पंत सागर झील है जो रिहन्द नदी पर बनाए गए बांध से बना है।
- लोकटक झील (मणिपुर) पूर्वोत्तर भारत में मीठे पानी की सबसे बड़ी झील है। इस झील में तैरता हुआ राष्ट्रीय उद्यान केयबुल लामजाओ स्थित है।

जम्मू-कश्मीर	डल झील
	वुलर झील
	बैरीनाग झील
	मानस बल झील
	शेषनाग झील
	अनंतनाग झील
	नागिन झील

उत्तराखण्ड	सातताल झील
	राकसताल झील
	मालाताल झील
	नैनीताल झील
	देवताल झील
	नौकुचियाताल झील
	खुरपाताल
राजस्थान	सांभर झील
	राजसमंद झील
	पिछौला झील
	लूणकरणसर झील
	ढेबर/जयसमंद झील
	फतेहसागर झील
	डीडवाना झील
मणिपुर	लोकटक झील
तेलंगाना	हुसैनसागर झील
आन्ध्र प्रदेश	कोलेरू झील
ओडिशा	चिल्का झील
महाराष्ट्र	लोनार झील
तमिलनाडु व आन्ध्र प्रदेश	पुलीकट झील

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

केरल	वेम्बनाड झील अष्टमुदी झील पेरियार झील

भारत के प्रमुख जलप्रपात

जलप्रपात	स्थिति	राज्य
कुंचिकल	वराही नदी	कर्नाटक
दूधसागर	मांडवी	गोवा
जोग गरसप्पा	शरावती नदी	कर्नाटक
येन्ना	नर्मदा नदी	मध्य प्रदेश
शिवसमुद्रम	कावेरी नदी	कर्नाटक
गोकक	घाटप्रभा नदी	कर्नाटक
पायकारा	नीलगिरि क्षेत्र	तमिलनाडु
चूलिया	चम्बल नदी	राजस्थान
भुनासा	चम्बल नदी	राजस्थान
धुआँधार	नर्मदा नदी	मध्य प्रदेश
हुंडरू	स्वर्ण रेखा नदी	झारखण्ड
चित्रकुट	इन्द्रावती	छत्तीसगढ़
अमृतधारा	हसदेव	छत्तीसगढ़

Nitin-Gupta.com

भारत के कुछ प्रमुख कृषि अनुसंधान केन्द्र

संस्थान	मुख्यालय
केन्द्रीय चावल अनुसंधान केन्द्र	कटक
केन्द्रीय कपास अनुसंधान केन्द्र	नागपुर
केन्द्रीय गन्ना प्रजनन संस्थान	कोयम्बटूर
भारतीय गन्ना अनुसंधान केन्द्र	लखनऊ
केन्द्रीय आलू अनुसंधान केन्द्र	शिमला
केन्द्रीय चाय अनुसंधान केन्द्र	जोरहट
केन्द्रीय कॉफी अनुसंधान केन्द्र	चिकमंलूर
भारतीय रबड़ अनुसंधान केन्द्र	कोट्टायम
केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र	मैसूर
केन्द्रीय जूट अनुसंधान केन्द्र	बैरकपुर
केन्द्रीय तंबाकू अनुसंधान केन्द्र	राजमुद्री
केन्द्रीय नारियल अनुसंधान संस्थान	काशरगोड
भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान	कानपुर
भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान	हैदराबाद
केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान	बंगलुरु
केन्द्रीय कृषि मौसम विज्ञान केन्द्र	पूना
केन्द्रीय मिट्टी एवं जल संरक्षण अनुसंधान केन्द्र	देहरादून

4. भारत की कृषि

- भारत की कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इस क्षेत्र में 50% से अधिक लोगों को रोजगार प्राप्त होता है। यह प्राथमिक क्षेत्र (Primary Sector) के अंतर्गत आता है।
- भारत के कुल क्षेत्रफल के लगभग 51% भाग पर कृषि, 11% भाग पर बंजर भूमि, 25% भाग पर वन तथा 4% भू-भाग पर चारागाह है।
- ऋतु के आधार पर फसलों के तीन प्रकार होते हैं-

1. **खरीफ की फसल/मानसून या वर्षा काल की फसल :** इसकी बुवाई जून-जुलाई के महीने में की जाती है और कटाई सितम्बर-अक्टूबर के महीने में की जाती है। इसके अन्तर्गत धान, ज्वार, बाजरा, मक्का, कपास, मूँगफली, तम्बाकू, गन्ना, सोयाबीन, तिल, जूट, अरहर आदि फसलें आती हैं।
2. **रबी की फसल/शीतकाल की फसल :** इसकी बुवाई अक्टूबर-नवम्बर के महीने में की जाती है और कटाई मार्च-अप्रैल के महीने में की जाती है। इसके अन्तर्गत गेहूँ, जौं, चना, मटर, आलु, राई, सरसों, मसूर आदि फसलें आती हैं।
3. **जायद की फसल/ग्रीष्म ऋतु की फसल :** इसकी बुवाई मार्च-अप्रैल के महीने में की जाती है और कटाई मई-जून के महीने में की जाती है। इसके अन्तर्गत तरबूज, खरबूज, खीरा, ककडी, भिण्डी, टमाटर, मिर्च, कद्दू आदि आते हैं।

सेरीकल्चर	रेशमकीट पालन
एपिकल्चर	मधुमक्खी पालन
पिसीकल्चर	मत्स्य पालन
फ्लोरिकल्चर	फूलों का उत्पादन
विटीकल्चर	अंगूर की खेती
वर्मीकल्चर	केंचुआ पालन
पोमोकल्चर	फलों का उत्पादन
ओलेरीकल्चर	सब्जियों का उत्पादन
हॉर्टीकल्चर	बागवानी
एयरोपोनिक्स	हवा में पौधों को उगाना
हाइड्रोपोनिक्स	जल में पौधों को उगाना (मृदा रहित कृषि)

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

विभिन्न कृषि क्रान्तियाँ	
हरित क्रांति	खाद्यान्न उत्पादन
श्वेत क्रांति	दुग्ध उत्पादन
नीली क्रांति	मत्स्य उत्पादन
भूरी क्रांति	उर्वरक उत्पादन
रजत क्रांति	अंडा उत्पादन
पीली क्रांति	तिलहन उत्पादन
लाल क्रांति	टमाटर / मांस उत्पादन
गुलाबी क्रांति	झींगा उत्पादन
बादामी क्रांति	मसाला उत्पादन
अमृत क्रांति	नदी जोड़ो परियोजनाएँ
गोल क्रांति	आलू उत्पादन
सुनहरी/स्वर्ण क्रांति	पहल/शहद/बागवानी
खाकी क्रांति	चमड़ा
काली क्रांति	पेट्रोलियम उत्पादन

Nitin-Gupta.com

5. भारत की मिट्टियाँ

- मिट्टी के अध्ययन को मृदा विज्ञान (Pedology) कहते हैं। मृदा का निर्माण चट्टानों के अपक्षय से होता है। मृदा का संघटन जैविक पदार्थ (कार्बनिक पदार्थ)– 4%, खनिज-46%, जल-25%, तथा वायु- 25% से मिलकर बना है।
- ICAR (Indian Council of Agriculture and Research) इसकी स्थापना 16 जुलाई 1929 में हुई थी। तथा इसका मुख्यालय दिल्ली में स्थित है।
- ICAR के अनुसार भारत में 8 प्रकार की मृदा पायी जाती है। जिनमें से प्रमुख मृदा इस प्रकार हैं–
- **जलोढ़ मिट्टी :** इस मिट्टी को कॉप या कछारी मिट्टी के नाम से भी जानते है। इसका निर्माण नदियों के द्वारा जमा किए गए अवसाद से होता है।
- इस मिट्टी में पोटाश की बहुलता होती है लेकिन नाइट्रोजन, फॉस्फोरस एवं ह्यूमस की कमी होती है। यह भारत की सबसे उपजाऊ मृदा है।
- यह मिट्टी भारत के लगभग 40% क्षेत्रफल पर पायी जाती है तथा यह दो प्रकार की पायी जाती है–

  1. बांगर 2. खादर
- पुरानी जलोढ़ मृदा को **बांगर** तथा नवीन एवं अधिक उपजाऊ जलोढ़ मृदा को **खादर** कहा जाता है। खादर मिट्टी सबसे अधिक उपजाऊ होती है।
- **लाल मिट्टी :** इस मिट्टी का निर्माण कायान्तरित व ग्रेनाइट चट्टानों के अपक्षय से हुआ है। यह मिट्टी भारत के लगभग 18% क्षेत्रफल पर पायी जाती है। जलोढ़ मिट्टी के बाद यह भारत में सर्वाधिक क्षेत्रफल पर विस्तृत है।
- इस मिट्टी में सिलिका एवं आयरन की बहुलता होती है। इसका लाल रंग लौह-ऑक्साइड की उपस्थिति के कारण होता है। यह अम्लीय प्रकृति की मिट्टी होती है। इसमें नाइट्रोजन, फॉस्फोरस एवं ह्यूमस की कमी होती है।
- **काली मिट्टी :** इस मिट्टी का निर्माण बेसाल्ट चट्टानों के क्षरण से होता है।
- इस मिट्टी को रेंगूर मिट्टी, कपासी मिट्टी, लावा मिट्टी के नाम से जानते है लेकिन इसे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर चेर्नोज़म के नाम से जानते है।
- इस मिट्टी का काला रंग टिटेनीफेरस मैग्नेटाइट की अधिकता के कारण होता है।
- **लैटेराइट मिट्टी :** इसका उपयोग ईंट के निर्माण में किया जाता है। इसमें आयरन एवं सिलिका की बहुलता होती है।

बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाएँ		
परियोजनाएँ	नदी	राज्य
सलाल, बगलिहार, दुलहस्ती	चिनाब	जम्मू कश्मीर
किशनगंगा, तुलबुल, उरी	झेलम	जम्मू कश्मीर
नाथपाझाकरी, कोल, भाखड़ा	सतलज	हिमाचल प्रदेश
पोंग, पंडोह बाँध	व्यास	हिमाचल प्रदेश
चमेरा बाँध	रावी	हिमाचल प्रदेश
टिहरी बाँध, कोटेश्वर बाँध	भागीरथी	उत्तराखण्ड
जमरनी बाँध	गोला	उत्तराखण्ड
लखवार बाँध	यमुना	उत्तराखण्ड
धौलीगंगा बाँध	धौलीगंगा	उत्तराखण्ड
नांगल बाँध	सतलुज	पंजाब
थीन बाँध/ रणजीत सागर बाँध	रावी	पंजाब
हथिनीकुण्ड बाँध	यमुना	हरियाणा
ओट्टू बाँध	घग्घर हकरा	हरियाणा
राणाप्रताप सागर	चम्बल	राजस्थान
मेजा बाँध	कोठारी	राजस्थान
रिहन्द बाँध	रिहन्द	उत्तर प्रदेश
माताटीला	बेतवा	उत्तर प्रदेश
लक्ष्मीबाई बाँध	बेतवा	उत्तर प्रदेश
सरदार सरोवर बाँध	नर्मदा	गुजरात
उकाई बाँध	ताप्ती	गुजरात
काकरापार बाँध	ताप्ती	गुजरात
दांतीवाडा	बनास	गुजरात
ओंकारेश्वर बाँध	नर्मदा	मध्य प्रदेश
इंदिरा सागर बाँध	नर्मदा	मध्य प्रदेश
गांधी सागर	चंबल	मध्य प्रदेश
बाण सागर	सोन	मध्य प्रदेश

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

तवा बाँध	तवा	मध्य प्रदेश
लिंगनमक्की बाँध	शरावती	कर्नाटक
कृष्णराज सागर बाँध	कावेरी	कर्नाटक
अलमट्टी बाँध	कृष्णा	कर्नाटक
हिडकल बाँध	घाटप्रभा	कर्नाटक
उजनी बाँध	भीमा	महाराष्ट्र
जायकवाड़ी बाँध	गोदावरी	महाराष्ट्र
कोयना बाँध	कोयना	महाराष्ट्र
इदुक्की बाँध/चापाकार बाँध	पेरियार	केरल
मुल्ला पेरियार बाँध	पेरियार	केरल
नेय्यार बाँध	नेय्यार	केरल
बाणासुर सागर बांध	करमांथोड़ु	केरल
सोमासिला बाँध	पेन्नार	आन्ध्र प्रदेश
श्री शैलम बाँध	कृष्णा	आन्ध्र प्रदेश
पोलावरम बाँध	गोदावरी	आन्ध्र प्रदेश
नागार्जुन सागर	कृष्णा	तेलंगाना
पोचम्पाद बाँध	गोदावरी	तेलंगाना
कलनई बाँध	कावेरी	तमिलनाडु

Nitin-Gupta.com

6. भारत के उद्योग

1. **लौह-इस्पात उद्योग :** देश में पहला लौह-इस्पात कारखाना 1874 ई. में बराकर नदी के किनारे कुल्टी (आसनसोल, पश्चिम बंगाल) नामक स्थान पर बंगाल आयरन वर्क्स के रूप में स्थापित किया गया था।
   - **स्वतंत्रता के पूर्व स्थापित लौह इस्पात कारखाना :** भारत में स्वतंत्रता से पूर्व 3 बड़े लौह इस्पात कारखाने स्थापित थे
     - I. भारतीय लौह इस्पात कम्पनी, पश्चिम बंगाल
     - II. मैसूर आयरन एण्ड स्टील वर्क्स, मैसूर
     - III. स्टील कॉर्पोरेशन ऑफ बंगाल, पश्चिम बंगाल
   - **स्वतंत्रता के पश्चात् स्थापित लौह इस्पात कारखाना–**
     - भिलाई इस्पात संयंत्र, छत्तीसगढ़ (दुर्ग)
     - हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड, राऊर केला (ओडिशा)
     - हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड, दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल)
     - बोकारो स्टील प्लांट, झारखण्ड
     - स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया
2. **एल्युमिनियम उद्योग :** एल्युमिनियम का पहला कारखाना 1937 ई. में प. बंगाल में आसनसोल के पास जे.के. नगर में स्थापित किया गया था।

- एल्युमिनियम उत्पादन में भारत का विश्व में आठवाँ स्थान है।

भारत की प्रमुख एल्युमिनियम कम्पनी

कम्पनी	सहायक देश	प्रमुख केन्द्र
बाल्को	सोवियत संघ	कोरबा एवं कोयना
नाल्को	फ्रांस	दामनजोड़ी (ओडिशा)
हिंडाल्को	यू. एस. ए.	रेणुकूट (उत्तर प्रदेश)
इंडाल्को	कनाडा	J.K. नगर, मुरी, अल्वाय
माल्को	इटली	चेन्नई, मेट्टूर, सलेम
वेदांता	जर्मनी	झारसुगुड़ा

3. **सूती वस्त्र उद्योग :** सबसे पहला सफल आधुनिक सूती कपड़ा कारखाना 1854 ई. में बम्बई में कवासजी डावर द्वारा खोला गया, जिसमें 1856 ई. से उत्पादन प्रारंभ हुआ।
   - हालाँकि, भारत में सूती कपड़ा उद्योग की शुरुआत 1818 में हुई थी, जब कोलकाता के पास फोर्ट ग्लॉस्टर में पहली सूती कपड़ा मिल शुरू की गई, लेकिन इसे जल्दी बंद कर दिया गया था।
   - सूती वस्त्र उद्योग का सर्वाधिक केन्द्रीकरण महाराष्ट्र एवं गुजरात राज्य में है। अन्य प्रमुख राज्य हैं : पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश, केरल, उत्तर प्रदेश।
   - भारत में सूती वस्त्रों की राजधानी के रूप में मुंबई को जाना जाता है।
   - कानपुर को उत्तर भारत का मैनचेस्टर कहा जाता है।
   - कोयम्बटूर को दक्षिण भारत का मैनचेस्टर कहा जाता है।
   - अहमदाबाद को भारत का बोस्टन कहा जाता है।
4. **जूट उद्योग :** अंतर्राष्ट्रीय जूट संगठन की स्थापना 1984 में हुई थी। इसका मुख्यालय ढाका में है। जूट को सोने का रेशा भी कहते हैं।

उद्योग संबंधी स्थान

प. बंगाल	शिवपुर, सियालदह, बिरलापुर, होलीनगर, बैरकपुर, हावड़ा, सीरामपुर
आन्ध्र प्रदेश	विशाखापत्तनम, गुण्टूर
उत्तर प्रदेश	कानपुर, सहजनवाँ, गोरखपुर
बिहार	पूर्णिया, कटिहार, सहरसा, दरभंगा

5. **चीनी उद्योग :** भारत में आधुनिक चीनी उद्योग की शुरुआत 1903 ई. में उत्तर प्रदेश के देवरिया में प्रतापपुर में चीनी मिल की स्थापना से हुई।

प्रमुख चीनी मिलें

उत्तर प्रदेश	देवरिया, गोरखपुर, बस्ती, सीतापुर, हरदोई, मेरठ, सहारनपुर, फैजाबाद, मुजफ्फरनगर आदि।
बिहार	मोतिहारी, सुगौली, चनपटिया, नरकटियागंज, मोतीपुर, गोपालगंज, डालमियानगर, दरभंगा, चम्पारण आदि।
महाराष्ट्र	नासिक, अहमदनगर, पुणे, शोलापुर एवं कोल्हापुर।
तमिलनाडु	त्रिची, करूर, विलुप्पुरम।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

6. सीमेन्ट उद्योग संबंधी स्थान

मध्य प्रदेश	सतना, कटनी, जबलपुर, रतलाम
छत्तीसगढ़	दुर्ग, जामुल, तिलदा, मंधार, अलकतरा
उत्तर प्रदेश	मिर्जापुर, चुर्क
आन्ध्र प्रदेश	कृष्णा, विजयवाड़ा, मनचेरियल, मछेरिया, पनयम।

7. कागज उद्योग संबंधी स्थान

पं. बंगाल	टीटागढ़, रानीगंज, नैहाटी, त्रिवेणी, कोलकाता, हुगली, बड़ानगर, शिवराफूली।
आन्ध्र प्रदेश	राजमहेन्द्री, तिरुपति
तेलंगाना	सिरपुर, कागजनगर
उत्तर प्रदेश	सिकन्दराबाद, मेरठ, सहारनपुर, पिपराइच, मुजफ्फरनगर, पिलखुआ, लखनऊ

8. रासायनिक उर्वरक उद्योग

उत्तर प्रदेश	कानपुर, गोरखपुर, इलाहाबाद(फूलपुर)
महाराष्ट्र	मुम्बई, ट्राम्बे, अम्बरनाथ एवं लोनी।
पं बंगाल	बर्नपुर, हल्दिया, रिशरा तथा खारदाह

NitinGupta.com

9. रेल-संबंधी उपकरण उद्योग

कुटीर उद्योग बोर्ड	1948
केन्द्रीय सिल्क बोर्ड	1948
अखिल भारतीय हथकरघा बोर्ड	1952
अखिल भारतीय हस्तकला बोर्ड	1952
अखिल भारतीय खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड	1957
लघु उद्योग बोर्ड	1954

10. भारत में परिवहन—भारत के दस सर्वाधिक लम्बे राष्ट्रीय राजमार्ग।

राष्ट्रीय राजमार्ग	कहाँ से कहाँ तक
NH-44	श्रीनगर से कन्याकुमारी
NH-27	पोरबन्दर से सिलचर
NH-48	दिल्ली से चेन्नई
NH-52	संगरूर से अंकोला
NH-30	सितारगंज से इब्राहिमपट्टनम
NH-53	हजीरा से पारादीप
NH-16	पूर्वी तट (पं. बंगाल) से चेन्नई
NH-66	पनवेल से कन्याकुमारी

11. प्रमुख खनिज संसाधन

खनिज-पदार्थ	प्राप्ति स्थान	विशेष बिन्दु
पेट्रोलियम	असम (डिग्बोई, सूरमा घाटी), गुजरात (खम्भात, अंकलेश्वर), महाराष्ट्र (बॉम्बे हाई)	दुनिया के सबसे पहले तेल के कुंए की खुदाई 1859 में अमेरिका के पेन्सिलवेनिया में हुई थी।
लौह-अयस्क	ओडिशा (मयूरभंज), झारखंड (सिंहभूम, हजारीबाग, धनबाद), छत्तीसगढ़ (दुर्ग, रायपुर), मध्य प्रदेश (जबलपुर), कर्नाटक (चिकमंगलुर, चीतल दुर्ग), महाराष्ट्र (रत्नागिरि)	विश्व में लौह-अयस्क के उत्पादन के आधार पर भारत का चौथा स्थान है (लेकिन भंडार के आधार पर भारत प्रथम स्थान पर है।)
मैंगनीज	ओडिशा (सुन्दरगढ़, सम्बलपुर, कालाहांडी), महाराष्ट्र (नागपुर, भंडारा), मध्य प्रदेश (जबलपुर), कर्नाटक (चित्रदुर्ग, बीजापुर), झारखंड (सिंहभूम), राजस्थान (बांसवाडा)	उत्पादन की दृष्टि से भारत का विश्व में पाँचवाँ स्थान है। ओडिशा भारत का प्रथम उत्पादन राज्य है।
कोयला	झारखंड (धनबाद, सिंहभूम, गिरिडीह), पश्चिम बंगाल (रानीगंज), छत्तीसगढ़ (रायगढ़), ओडिशा (देसगढ़ तथा तलचर), तेलंगाना(सिंगरेनी)	कोयले के उत्पादन में भारत का स्थान विश्व में तीसरा है। भारत में कोयले के उत्पादन में प्रथम तीन राज्य क्रमशः हैं– झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ है।
ताँबा	झारखंड (सिंहभूम, हजारीबाग), राजस्थान (खेतड़ी, झुंझुन, भीलवाड़ा), महाराष्ट्र (कोल्हापुर), कर्नाटक (चीतल दुर्ग, रायचुर), मध्य प्रदेश (बालाघाट)	भारत में ताँबा के उत्पादन में प्रथम तीन राज्य क्रमशः हैं- मध्य प्रदेश, राजस्थान और झारखंड है। राजस्थान में ताँबा खनिज का सबसे बड़ा भंडार है।
बॉक्साइट	ओडिशा, झारखंड (कोडरमा, हजारीबाग), बिहार (गया एवं मुंगेर), महाराष्ट्र (नागपुर, भण्डारा, रत्नागिरि), आन्ध्र प्रदेश (नेल्लोर)	भारत बॉक्साइट में आत्मनिर्भर है। भारत में बॉक्साइट का उत्पादन सबसे अधिक ओडिशा में होता है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

अभ्रक	मध्य प्रदेश (कटनी, बालाघाट, जबलपुर), छत्तीसगढ़ (बिलासपुर)	आन्ध्र प्रदेश अभ्रक के उत्पादन में पहले स्थान पर है तथा दूसरे स्थान पर राजस्थान है।
सोना	कर्नाटक (कोलार, उटी तथा हट्टी की खान), आन्ध्र प्रदेश (रामगिरि खान,अनन्तपुर), तेलंगाना (वारंगल), तमिलनाडु (नीलगिरि, सलेम), झारखंड (पूर्वी सिंहभूम)	देश के कुल स्वर्ण उत्पादन का 99 भाग अकेले कर्नाटक राज्य से होता है।
हीरा	मध्य प्रदेश (मझगाँव खान, पन्ना जिला)	
जस्ता	राजस्थान (उदयपुर), ओडिशा, जम्मू-कश्मीर (उत्पादन में द्वितीय स्थान)	राजस्थान उत्पादन के क्षेत्र में प्रथम स्थान पर है।
यूरेनियम	झारखंड (राँची, हजारीबाग, सिंहभूम)	इसके भण्डार में झारखंड प्रथम स्थान पर है। भारत की सबसे महत्वपूर्ण यूरेनियम खान जादूगोड़ा है।
मैग्नेजाइट	उत्तराखण्ड, राजस्थान, तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश	इसका सर्वाधिक भंडार उत्तराखंड में है।
चाँदी	राजस्थान (जवार खान) कर्नाटक (चित्रदुर्ग,बेलारी), आन्ध्र प्रदेश (कुडप्पा, गुंटूर), झारखंड (संथालपरगना, सिंहभूम)	चाँदी उत्पादन में राजस्थान प्रथम स्थान पर है।
थोरियम	राजस्थान (पाली, भीलवाड़ा), केरल	विश्व का सबसे बड़ा थोरियम निर्माता देश भारत है।
क्रोमाइट	झारखंड एवं ओडिशा	इसके उत्पादन में ओडिशा प्रथम स्थान पर है।
टंगस्टन	राजस्थान, तमिलनाडु, कर्नाटक	इसका मुख्य भंडार राजस्थान में है।
सीसा	झारखंड, राजस्थान	
टिन	छत्तीसगढ़	इसका सम्पूर्ण भण्डार व उत्पादन छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में होता है।

Nitin-Gupta.com

7. देश के प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे

- नगर विमानन मंत्रालय ने मार्च 2020 में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में तेजी को सुनिश्चित करने के लिए जीवन रेखा उड़ान सेवा शुरू की। इसके तहत देश के सभी भागों तक व्यक्ति संरक्षात्मक साधन(पीपीई) तथा दवाओं इत्यादि की आपूर्ति की गई।

इन्दिरा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	नई दिल्ली
छत्रपति शिवाजी महाराज अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	मुम्बई
नेताजी सुभाष चन्द्र बोस अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	कोलकाता
अन्ना अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	चेन्नई
बाबा साहेब अम्बेडकर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	नागपुर
स. बल्लभभाई पटेल अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	अहमदाबाद
गोपीनाथ बारडोली अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	गुवाहाटी
चौधरी चरण सिंह अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	लखनऊ
श्री गुरु रामदास जी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	अमृतसर
त्रिवेन्द्रम अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	तिरुअनन्तपुरम
कालीकट अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	कोझीकोड
शेख अलआलम अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	श्रीनगर
राजीव गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	हैदराबाद

कोचीन अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	कोच्चि
वीर सावरकर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	पोर्ट ब्लेयर
दाबोलिम अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	गोवा
कैम्पेगोड़ा अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	बंग्लुरु
मंगलुरु अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	मंगलुरु
देवी अहिल्याबाई होल्कर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	इंदौर
जयपुर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	जयपुर
कोयम्बटूर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	कोयम्बटूर
तिरुचिरापल्ली अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	तिरुचिरापल्ली
लाल बहादुर शास्त्री अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	वाराणसी
जेवर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	नोएडा उत्तर प्रदेश
कुशीनगर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	कुशीनगर
महर्षि वाल्मिकी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	अयोध्या

8. जलमार्ग

- देश का सबसे बड़ा बन्दरगाह मुम्बई में है। बड़े बंदरगाहों का नियंत्रण केन्द्र सरकार करती है, जबकि छोटे बन्दरगाह संविधान की समवर्ती सूची में शामिल हैं, जिनका प्रबन्धन संबंधित राज्य सरकार करती है।
- देश का सर्वश्रेष्ठ प्राकृतिक बन्दरगाह विशाखापत्तनम है। यह भारत का सबसे गहरा बंदरगाह है। यह डॉल्फिन नोज चट्टान के पीछे है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

राष्ट्रीय जलमार्ग		
जलमार्ग	कहाँ से कहाँ तक	ऊँचाई (किमी)
एन. डब्ल्यू-1	इलाहाबाद से हल्दिया	1620
एन. डब्ल्यू-2	सादिया से धुबरी पट्टी	891
एन. डब्ल्यू-3	कोल्लम से कोट्टापुरम	205
एन. डब्ल्यू-4	काकीनाड़ा से पुडुचेरी	1095
एन. डब्ल्यू-5	तलचर से धमरा	623
एन. डब्ल्यू-6	लखीपुर से भांगा	121

भारत के प्रमुख बड़े बंदरगाह		
नाम	राज्य केन्द्र शासित प्रदेश	नदी खाड़ी एवं समुद्र
कोलकाता	पश्चिम बंगाल	हुगली नदी
मुम्बई	महाराष्ट्र	अरब सागर
चेन्नई	तमिलनाडु	बंगाल की खाड़ी
कोच्चि	केरल	अरब सागर
विशाखापत्तनम	आन्ध्र प्रदेश	बंगाल की खाड़ी
पारादीप	ओडिशा	बंगाल की खाड़ी
तूतीकोरीन	तमिलनाडु	बंगाल की खाड़ी
मोरमुगाओ	गोवा	अरब सागर
कांडला	गुजरात	अरब सागर
न्यू मंगलुरु	कर्नाटक	अरब सागर
न्हावाशेवा (जे. एल. नेहरू)	महाराष्ट्र	अरब सागर
एन्नौर	तमिलनाडु	बंगाल सागर

9. प्रमुख वन्य जीव अभयारण्य-राष्ट्रीय उद्यान

- भारत का प्रथम राष्ट्रीय उद्यान जिम कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान उत्तराखंड में है। इसका पुराना नाम हेली नेशनल पार्क था जिसकी स्थापना 1936 ई. में की गयी थी। जिसका वर्तमान नाम रामगंगा नेशनल पार्क है।
- भारत में सर्वाधिक राष्ट्रीय उद्यान मध्य प्रदेश (11) में है।
- भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान हेमिस (लद्दाख) और सबसे छोटा साउथ बटन राष्ट्रीय उद्यान (अंडमान निकोबार) है।

राष्ट्रीय उद्यान	राज्य केन्द्र शासित प्रदेश
पलामू (बेतला) अभयारण्य	झारखंड
गिर राष्ट्रीय उद्यान	गुजरात
नल सरोवर अभयारण्य	गुजरात
जिम कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान	उत्तराखंड
दुधवा राष्ट्रीय उद्यान	उत्तर प्रदेश
चन्द्रप्रभा अभयारण्य	उत्तर प्रदेश
बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान	कर्नाटक
बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान	कर्नाटक
मानस राष्ट्रीय उद्यान	असम
काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान	असम
घाना पक्षी विहार	राजस्थान
रणथम्भौर अभयारण्य	राजस्थान
कुंभलगढ़ अभयारण्य	राजस्थान
पेंच राष्ट्रीय उद्यान	मध्य प्रदेश
चिल्का अभयारण्य	ओडिशा
सिमलीपाल अभयारण्य	ओडिशा
मुदुमलै अभयारण्य	तमिलनाडु
डाम्पा अभयारण्य	मिजोरम
पेरियार अभयारण्य	केरल
परम्बिकुलम अभयारण्य	केरल
बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान	मध्य प्रदेश
कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान	मध्य प्रदेश
दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान	जम्मू-कश्मीर
सुन्दरवन राष्ट्रीय उद्यान	पश्चिम बंगाल
भगवान महावीर राष्ट्रीय उद्यान	गोवा
काबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान	मणिपुर
नोरकेक राष्ट्रीय उद्यान	मेघालय

भारत के प्रमुख पक्षी विहार	
नाम	राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश
आसन बैराज पक्षी अभयारण्य	उत्तराखंड
पटना पक्षी अभयारण्य	उत्तर प्रदेश
केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान/भरतपुर पक्षी अभयारण्य	राजस्थान
नलबाना पक्षी अभयारण्य	ओडिशा
ग्रेट इंडियन बस्टर्ड अभयारण्य	महाराष्ट्र
पुलिकट झील पक्षी अभयारण्य	आन्ध्र प्रदेश
ओखला पक्षी अभयारण्य	दिल्ली/उत्तर प्रदेश
सुल्तानपुर पक्षी अभयारण्य	हरियाणा
चुलानूर मोर अभयारण्य	केरल
घटप्रभा पक्षी अभयारण्य	कर्नाटक

NitinGupta.com

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

विज्ञान

I. भौतिक विज्ञान

1. मात्रक इकाई

- शक्ति का मात्रक वाट है।
- बल का मात्रक न्यूटन है।
- कार्य का मात्रक जूल है।
- चालक की वैद्युत प्रतिरोधकता की इकाई ओम-मीटर है।
- दूरी की इकाई प्रकाश वर्ष है।
- विद्युत धारा की इकाई एम्पियर है।
- एक हॉर्स पॉवर में 746 वाट होते हैं।
- दाब की इकाई पास्कल है।
- लम्बाई की न्यूनतम इकाई फर्मीमीटर है।
- वायुमण्डल के ओजोन-परत की मोटाई मापने की इकाई डॉब्सन है।

Nitin-Gupta.com

2. मापक यंत्र एवं पैमाने

- ध्वनि की तीव्रता को मापने वाला यंत्र ऑडियोमीटर है।
- पाइरोमीटर उच्च ताप के मापन में प्रयोग किया जाता है।
- मैनोमीटर गैसों के दाब मापने में प्रयोग किया जाता है।
- वायुमण्डलीय दाब को मापने में बैरोमीटर का प्रयोग किया जाता है।
- सोने की शुद्धता को मापने के लिए कैरेटोमीटर का प्रयोग किया जाता है।
- रक्त दाब मापने का यंत्र स्फिग्नोमैनोमीटर है।
- भूकम्प की तीव्रता को रिक्टर स्केल से मापा जाता है।

यांत्रिकी

- वाशिंग मशीन अपकेंद्रण सिद्धांत पर कार्य करती है।
- एक ट्रेन जैसे ही चलना आरम्भ करती है उसमें बैठे हुए यात्री का सिर पीछे की ओर झुक जाता है, इसका कारण गति का जड़त्व है।
- त्वरण ज्ञात करने का सही सूत्र $a=v-u/t$ है।

3. गुरुत्वाकर्षण

- गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत आइजैक न्यूटन ने दिया।
- गुरुत्वाकर्षण के सार्वभौमिक नियम का प्रतिपादन न्यूटन ने किया।
- किसी पिण्ड का भार ध्रुवों पर सर्वाधिक होता है।
- भारहीनता गुरुत्वाकर्षण की शून्य स्थिति होती है।
- यदि पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल अचानक लुप्त हो जाता है, तो इसके परिणामस्वरूप वस्तु का भार शून्य हो जाएगा परन्तु द्रव्यमान वही रहेगा।
- किसी लिफ्ट में बैठे हुए व्यक्ति को अपना भार अधिक लगता है जब लिफ्ट त्वरित गति से ऊपर जा रही होती है।
- एक लड़की झूले पर बैठी स्थिति में झूला झूल रही है। उस लड़की के खड़े हो जाने पर झूले का आवर्तकाल कम हो जाएगा।
- चन्द्रमा पर वायुमण्डल नहीं होने का कारण इस पर गैस अणुओं का पलायन वेग है।

4. स्थूल पदार्थों के गुण

- वर्षा के बूँद की गोलाकार आकृति पृष्ठ-तनाव के कारण होती है।
- ऑटोमोबाइल्स के हाइड्रॉलिक ब्रेक के कार्य करने को पास्कल का सिद्धांत कहते है।
- बैरोमीटर मापन में अचानक गिरावट हो जाने से तूफानी मौसम एक मौसम दशा इंगित करती है।
- बर्फ जमी झील के अन्दर मछलियाँ जीवित रहती है, क्योंकि झील की तली पर जल नहीं जम पाता है।
- 40°C ताप पर पानी का घनत्व अधिकतम होता है।
- लोहे की कील पारे पर तैरती है, जबकि वह पानी में डूब जाती हैं क्योंकि लोहे का घनत्व पानी से अधिक तथा पारे से कम होता है।
- एक सुई पानी में डूब जाती है जबकि लोहे से बना जहाज पानी पर तैरता है क्योंकि सुई का आपेक्षित घनत्व उसके द्वारा हटाए हुए पानी के आपेक्षित घनत्व से अधिक होता है।
- पानी के 40°C पर शरीर तैरता है यदि तापमान 1000°C हो जाए, तो शरीर डूब जाएगा।
- नदी की अपेक्षा समुद्र में तैरना आसान होता है, क्योंकि समुद्री जल नमकीन होने से उसका घनत्व अधिक होता है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

प्रकाश

- प्रकाश की गति 3×10^8 मी/से. है।
- प्रकाश की गति काँच में सबसे न्यूनतम होती है।
- सूर्य के प्रकाश को धरती की सतह तक पहुँचने में 8.5 मिनट का समय लगता है।
- जब प्रकाश एक माध्यम से दूसरे माध्यम में जाता हैं तो आवृत्ति अपरिवर्तित रहती है।
- तन्तु प्रकाशिकीय संचार में संकेत प्रकाश तरंग के रूप में प्रवाहित होता है।
- मरीजों के पेट के अन्दर का परीक्षण करने हेतु डॉक्टरों द्वारा प्रयुक्त एण्डोस्कोप प्रकाश के सकल आंतरिक परावर्तन के सिद्धांत पर कार्य करता है।
- दूरदर्शन प्रसारण में श्रव्य संकेतों का प्रेषण करने के लिए आवृत्ति मॉडुलन तकनीक का प्रयोग होता है।
- दृष्टिपटल (रेटिना) पर जो चित्र बनता है, वह वस्तु से छोटा व उल्टा होता है।
- लाल रंग का तरंगदैर्ध्य सबसे ज्यादा होता है।
- बैगनी रंग का तरंगदैर्ध्य सबसे कम होता है।
- नीले प्रकाश में उच्चतम ऊर्जा होती है।
- हमें वास्तविक सूर्योदय से कुछ मिनट पूर्व ही सूर्य दिखाई देने का कारण प्रकाश का अपवर्तन है।
- खतरे के संकेतों के लिए लाल प्रकाश का प्रयोग किया जाता है क्योंकि इसका प्रकीर्णन सबसे कम होता है।
- प्रकाश के प्रकीर्णन के कारण आकाश नीला दिखाई देता है।
- प्रकाश के प्रकीर्णन के कारण सूर्य अस्त होते समय लाल दिखाई देता है।
- अन्तरिक्ष यात्री को आकाश का रंग काला दिखाई देता है।
- कार में पीछे के यातायात के दृश्यावलोकन के लिए उत्तल दर्पण के शीशे का प्रयोग होता है।
- जब दो समानान्तर समतल दर्पणों के बीच कोई वस्तु रख दी जाती है तो बनने वाले प्रतिबिम्बों की संख्या अनन्त होती है।
- इन्द्रधनुष के रंगों का सही क्रम है :बैंगनी, जामुनी, नीला, हरा, पीला, नारंगी, लाल।
- उत्तल लेंस का प्रयोग दूरदृष्टि दोष निवारण के लिए किया जाता है।
- अवतल लेंस का प्रयोग निकट दृष्टि दोष निवारण के लिए किया जाता हैं।
- स्पष्ट दृष्टि की न्यूनतम दूरी 25 सेमी होती है।
- धूप के चश्में की पॉवर 0 डायोप्टर होती है।
- किसी अपारदर्शी वस्तु का रंग उस रंग के कारण होता है, जिसे वह परावर्तित करता है।
- एक रंगीन टेलीविजन में तीन आधारभूत रंगों के मिश्रण से लाल, हरा तथा नीला रंग बनता है।

5. ऊष्मा एवं ऊष्मागतिकी

- अपेक्षाकृत उबलते जल की तुलना में भाप से हाथ अधिक जलता है, क्योंकि भाप में गुप्त ऊष्मा होती है।
- 40^0 सेन्टीग्रेड एवं फॉरेनहाइट तापक्रम समान रहते हैं।
- एक स्वस्थ्य मनुष्य के शरीर का ताप 37°C (98.6°F) होता है।
- जब बर्फ पिघलती है तब आयतन घटता है।
- थर्मोस्टेट का सम्बन्ध तापक्रम से है।
- रेफ्रिजरेटर में थर्मोस्टेट का कार्य एकसमान तापमान को बनाए रखना है।
- रेफ्रिजरेटर में खाद्य पदार्थ को ताजा रखने हेतु सुरक्षित तापमान 40°F है।
- शीशे की छड़ जब भाप में रखी जाती है, इसकी लम्बाई बढ़ जाती है, परन्तु इसकी चौड़ाई अव्यवस्थित होती है।
- कमरे में लगा हुआ वातानुकूलक केवल आर्द्रता एवं तापक्रम नियंत्रित करता है।
- जब पानी में नमक मिलाया जाता है तो क्वथनांक बढ़ता है और हिमांक घटता है।
- थर्मस बोतल में पेय पदार्थ को कुछ समय तक उसी ताप पर रखने के लिए उसकी दीवारों पर रजत परत लगाई जाती है।
- गर्मियों में सफेद कपड़े पहनना ज्यादा आरामदायक है क्योंकि वे अपने ऊपर पड़ने वाली ऊष्मा को परावर्तित कर देती है।
- प्रेशर कुकर में खाना जल्दी पकता है क्योंकि अधिक दाब पर पानी अधिक तापक्रम पर उबलने लगता है।
- जब पानी को 00°C से 100°C तक गर्म किया जाता है तो इसका आयतन पहले घटता है और बाद में बढ़ता है।
- जब किसी बोतल में पानी भरा जाता है और उसे जमने दिया जाता है तो बोतल टूट जाती है, क्योंकि पानी जमने पर फैलता है।
- हाइड्रोजन से भरा हुआ पॉलिथीन का गुब्बारा पृथ्वी के स्थल से छोड़ा जाता है तो वायुमण्डल में अधिक ऊँचाई पर जाने से गुब्बारे के आयाम में वृद्धि होगी।

nitingupta.com

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

6. तरंग गति

- दीर्घ रेडियो तरंगे पृथ्वी की आयन मण्डल सतह से परावर्तित होती है।
- रेडियों तरंगों के विक्षेपण के लिए वायुमण्डल के स्तर में से आयनमण्डल उत्तरदायी होती है।
- दो उत्तरोत्तर श्रृंग अथवा दो उत्तरोत्तर गर्त के बीच की दूरी को तरंगदैर्ध्य कहते है।
- क्रिस्टल की संरचना जानने के लिए एक्स किरणों का प्रयोग किया जाता है।
- एक रडार, जो शत्रु के वायुयान की उपस्थिति का पता लगाता है, रेडियो तरंगों का प्रयोग करता है।
- अवरक्त तरंग का प्रयोग नाइट विजन उपकरण में किया जाता है।
- आंतों के रोगों के निदान में एक्स किरण का उपयोग किया जाता है।
- सी.टी. स्कैन करने में एक्स किरणों का प्रयोग किया जाता है।

ध्वनि

- लगभग $20^{0}C$ के तापक्रम पर लोहे में ध्वनि की गति अधिकतम होती है।
- ध्वनि का वायु में वेग 343 मी/से होता है।
- चन्द्रमा के धरातल पर दो व्यक्ति एक-दूसरे की बात नहीं सुन सकते क्योंकि चन्द्रमा पर वायुमण्डल नहीं है।
- पराश्रव्य वे ध्वनियाँ है, जिनकी आवृत्ति 20,000 हर्ट्ज से अधिक होती है।
- एक जैव पद्धति, जिसमें पराश्रव्य ध्वनि का उपयोग किया जाता है उसे सोनोग्राफी कहते हैं।
- ध्वनि की तीव्रता मापने के लिए डेसिबल इकाई का प्रयोग किया जाता है।
- जब दो लोग आपस में बात करते हैं तब लगभग 30 डेसीबल ध्वनि उत्पन्न होती है।
- मनुष्य के लिए मानक ध्वनि स्तर 90 डेसीबल है।
- दूरदर्शन प्रसारण में, चित्र संदेशों का संचरण आयाम मॉडुलन द्वारा होता है।

7. विद्युत धारा

- एक किलोवॉट घण्टा का मान 3.6×10^{6} जूल होता है।
- टरबाइन व डायनमों से बिजली प्राप्त करने में मैकेनिकल ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित किया जाता है।
- विद्युत ऊर्जा को यांत्रिक ऊर्जा में बदलने वाली युक्ति को विद्युत मोटर कहते है।
- चाँदी सर्वाधिक विद्युत चालकता वाला तत्व है।
- विद्युत का सबसे अच्छा सुचालक तांबा है।
- फ्यूज का सिद्धांत विद्युत का ऊष्मीय प्रभाव है।
- घर की सुरक्षित विद्युत सप्लाई के लिए उपयोग में लाने वाली फ्यूज तार जिस धातु की बनी होती है, उसका गलनांक कम होता है।
- हैलोजन लैम्प का तन्तु टंगस्टन एवं सोडियम का बना होता है।
- मानव शरीर (शुष्क) के विद्युत प्रतिरोध के परिमाण की कोटि 10^{6} ओम है।
- सामान्य ट्यूबलाइट में ऑर्गन के साथ मर्क्यूरी वेपर गैस होती है।
- श्वेत प्रकाश को नली में तन्तु को गर्म करके उत्पन्न करते हैं।
- विद्युत बल्ब के अंदर ऑर्गन गैस होती है।
- प्रत्यावर्ती धारा को दिष्ट धारा में परिवर्तित करने वाली युक्ति को रेक्टीफायर कहते हैं।
- अतिचालक का लक्षण शून्य पारगम्यता है।
- अर्धचालक की चालकता शून्य डिग्री केल्विन ताप पर शून्य होती है।
- जर्मेनियम धातु अर्धचालक की तरह ट्रांजिस्टर में प्रयोग होती है।

8. नाभिकीय भौतिकी

- साइक्लोट्रॉन प्रोटॉन को त्वरित करने के लिए प्रयुक्त किया जाता है।
- एक्स-रे के विकिरण में सर्वाधिक ऊर्जा होती है।
- सूर्य में ऊर्जा का निर्माण नाभिकीय संलयन द्वारा होता है।
- तारे अपनी ऊर्जा नाभिकीय संलयन के फलस्वरूप प्राप्त करते है।
- परमाणु रिएक्टर आण्विक भट्टी है।
- कोबाल्ट-60 आमतौर पर विकिरण चिकित्सा में प्रयुक्त होता है।
- प्लूटोनियम एक रेडियोधर्मी तत्व है जिसके भारत में बड़े भण्डार पाए जाते हैं।
- हाइड्रोजन बम अनियंत्रित संलयन अभिक्रिया सिद्धांत पर आधारित है।
- विद्युत उत्पन्न करने के लिए यूरेनियम धातु का उपयोग होता है।
- रेडियोधर्मी पदार्थ उत्सर्जित करता है—अल्फा कण, बीटा कण, गामा कण।
- भारत का प्रथम परमाणु ऊर्जा केन्द्र तारापुर परमाणु ऊर्जा केन्द्र है।
- कलपक्कम परमाणु शक्ति संयंत्र के कारण प्रसिद्ध है।
- इंदिरा गांधी आण्विक अनुसंधान केन्द्र तमिलनाडु में स्थित है।
- एक नाभिकीय रिएक्टर में भारी जल का कार्य न्यूट्रॉन की गति को कम करना होता है।
- पोखरण नाभिकिय परीक्षण-1974 का आधिकारिक कोड स्माइलिंग बुद्धा था।
- मई 1998 में पोखरण में भारत ने पांच परमाणु परीक्षण किए थे। पोखरण राजस्थान में स्थित है।

Nitin Gupta.com

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

II. रसायन

1. परमाणु संरचना

- प्रोटॉन और न्यूट्रॉन परमाणु नाभिक के अवयव होते हैं।
- रदरफोर्ड ने परमाणवीय नाभिक का खोज किया था।
- चैडविक ने परमाणु में न्यूट्रॉन की खोज की थी।
- जिस तत्व के परमाणु में दो प्रोटॉन, दो न्यूट्रॉन और दो इलेक्ट्रॉन हों, उस तत्व की द्रव्यमान संख्या 4 होती है।
- परमाणु जिनमें प्रोटॉनों की संख्या समान परंतु न्यूट्रॉनों की संख्या भिन्न-भिन्न रहती है, समस्थानिक कहलाते हैं।
- रेडियोएक्टिविटी का आविष्कार हेनरी बैकुरेल ने किया था।

2. रासायनिक एवं भौतिक परिवर्तन

- भौतिक परिवर्तन का एक उदाहरण पानी में चीनी का घुलना है।
- जल-अपघटन में ऊर्जा, ऊष्मा के रूप में उत्पन्न होता है।
- ऊंचाई की जगहों पर पानी 100 सेन्टीग्रेड के नीचे के तापमान पर इसलिए उबलता है क्योंकि वायुमंडलीय दाब कम हो जाता है, अतः क्वथनांक बिन्दु नीचे आ जाता है।
- अशुद्धियों के कारण द्रव का क्वथनांक बढ़ जाता है।

@Nitin-Gupta.com

3. कार्बनिक रसायन

- कार्बन,सभी जैव यौगिक का अनिवार्य मूल तत्व है।
- प्रथम विश्व युद्ध में मस्टर्ड गैस को आयुध के रूप में प्रयोग किया गया था।
- इथेफ़ॉन रसायन फल पकाने में सहायता करता है।
- एल्कोहॉल, उत्पादन के लिए शीरा (Molasses) अति महत्वपूर्ण कच्चा माल है।
- प्राकृतिक रबर का बहुलक आइसोप्रिन है।
- नायलॉन, प्राकृतिक बहुलक नहीं है।
- एथिलीन बहुलकीकरण के द्वारा पॉलिथीन बनाया जाता है।
- प्लास्टिक से पॉलिहाइड्रोजन गैस उत्पन्न होती है।
- 'बुलेट-प्रूफ जैकेट' बनाने में लेमिनेटेड (पटलित) कांच प्रयोग किया जाता है।
- साइट्रिक अम्ल के कारण नींबू खट्टा होता है।
- खट्टे दूध में मुख्यतः लैक्टिक अम्ल होता है।
- टार्टरिक अम्ल को बेकिंग पाउडर के निर्माण में उपयोग किया जाता है।
- सिरका, एसीटिक अम्ल का जलीय घोल है।
- हाइड्रोजन का ईधन मान अधिकतम होता है।
- स्वचालित वाहनों में प्रदूषण नियंत्रण हेतु प्रयुक्त सीएनजी में मुख्यतः CH_4 उपस्थति होता है।

4. धातुएँ

- प्लेटिनम कठोरतम धातु है।
- मोती की रासायनिक संरचना में कैल्शियम कार्बोनेट पाया जाता है।
- माणिक्य और नीलम रासायनिक रूप से एल्युमिनियम ऑक्साइड के लिए जाने जाते हैं।
- शुद्ध सोना 24 कैरेट का होता है।
- अति मुलायम खनिज, टाल्क (सोप स्टोन) मैग्नीशियम सिलिकेट है।
- चूना पत्थर का रासायनिक नाम कैल्शियम कार्बोनेट है।
- 'प्लास्टर ऑफ पेरिस' रासायनिक रूप से कैल्शियम सल्फेट है।
- माइका, ऊष्मा तथा विद्युत दोनों का कुचालक है।
- चाँदी की विद्युत चालकता सबसे अधिक होती है।
- बॉक्साइट, एल्युमिनियम धातु का महत्वपूर्ण अयस्क है।

5. अधातुएँ

- लिग्नाइट कोयले में कार्बन की निम्नतम मात्रा पाई जाती है।
- हाइड्रोजन को जलाने पर पानी बनता है।
- भारी जल का रासायनिक सूत्र D_2O है।
- भारी जल एक प्रकार का मंदक है।
- पानी की स्थायी कठोरता के लिए कैल्शियम और मैग्नीशियम के क्लोराइड्स व सल्फेट्स उत्तरदायी है।
- पानी का शुद्धतम रूप वर्षा का जल है।
- फिटकरी, गंदे पानी को स्कंदन की प्रक्रिया द्वारा स्वच्छ करती है।
- वायुमंडलीय वायु में नाइट्रोजन लगभग 78-79% होती है।
- गोताखोरों द्वारा गहरे समुद्र में सांस लेने के लिए ऑक्सीजन के साथ हीलियम गैस को मिश्रित किया जाता है।
- अमोनिया जल में आसानी से घुलनशील गैस है।
- सामान्यतः गुब्बारे में हीलियम गैस भारी जाती है।
- अमोनिया अश्रु गैस है।
- ट्यूब लाइट में निम्न दाब पर नियॉन और पारा के रूप में भरे जाते हैं।
- रसायन उद्योग में H_2SO_4 तेजाब के रूप में मूल रसायन माना जाता है।
- जल में कार्बन-डाई-ऑक्साइड प्रवाहित करने पर निर्मित सोडा वॉटर अम्लीय प्रकृति का होता है।
- नीला थोथा, कॉपर सल्फेट होता है।
- खाने का सोडा सोडियम बाई कार्बोनेट होता है।
- लवण सागर में सर्वाधिक सोडियम क्लोराइड पाया जाता है।
- सिल्वर ब्रोमाइड फोटोग्राफी में उपयोगी तत्व है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

6. मिश्रधातुएं

- गैल्वनीकृत लोहे पर जस्ते का लेप लगा होता है।
- एल्युमिनियम धातु से बनाई गई मिश्रधातु को हवाई जहाज तथा रेल के डिब्बे के पुर्जे बनाने में उपयोग किया जाता है।
- टांका एक मिश्रधातु है, जिसे टिन तथा सीसे को मिलाकर बनाया जाता है।
- कांसा धातु में तांबे की मात्रा अधिकतम होती है।
- स्टील को कठोरता प्रदान करने के लिए उसमें कार्बन की मात्रा मिलाई जाती है।
- स्टेनलेस स्टील बनाने के लिए लोहे में क्रोमियम और निकिल मिलाया जाता है।
- जंग लगने पर लोहे का भार बढ़ता है।

7. खाद्य संरक्षण

- सोडियम बेंजोएट का रासायनिक सूत्र $NaC_7H_5O_2$ है।
- सोडियम बेंजोएट का प्रयोग खाने की वस्तुओं के परिरक्षण में किया जाता है।
- शहद का प्रमुख घटक फ्रक्टोज (फल शर्करा) है।
- लैक्टिक अम्ल के कारण कुछ देर खुले में रखा दूध खट्टा हो जाता है।
- वनस्पति तेल का प्रयोग साबुन बनाने में होता है।

NitinGupta.com

8. उर्वरक

- गेहूँ की खेती के लिए नाइट्रोजन का उपयोग किया जाता है।
- हाइड्रोजन तत्व, उर्वरक में नहीं पाया जाता है।
- अमोनियम सल्फेट, मृदा में सर्वाधिक अम्ल छोड़ता है।
- यूरिया में नाइट्रोजन का प्रतिशत 47% होता है।
- कार्बन-डाई-ऑक्साइड का उपयोग यूरिया के उत्पादन में किया जाता है।
- सोडियम सल्फेट का उपयोग उर्वरक के रूप में किया जाता है।

9. विविध

- मच्छर भगाने वाली दवाओं में सक्रिय रसायन एलिथ्रिन है।
- चूहे मारने का जहर पोटैशियम सायनाइड नामक रासायनिक पदार्थ से बनता है।
- पृथ्वी की आयु का मापन यूरेनियम विधि द्वारा किया जाता है।
- जीनॉन को 'स्ट्रैन्जर गैस' कहा जाता है।
- टाइटेनियम को 'भविष्य की धातु' कहा जाता है।
- माचिस बनाने में मुख्य रूप से फ़ॉस्फोरस का प्रयोग किया जाता है।
- किसी पदार्थ का सबसे छोटा कण, जो स्वतंत्र अवस्था में रह सकता है, अणु कहलाता है।
- हाइड्रोजन परमाणु के न्यूक्लियस में प्रोटॉन की संख्या एक होती है।
- न्यूट्रॉन एक अस्थायी कण है।
- रासायनिक यौगिक का सबसे छोटा संभावी यूनिट अणु है।
- परमाणु के नाभिक में प्रोटॉन और न्यूट्रॉन होते हैं।
- परमाणु में प्रोटॉन नाभिक के भीतर रहते हैं।
- हाइड्रोजन का परमाणु क्रमांक एवं परमाणु भार समान होता है।
- जब कोई वस्तु धनावेशित होती है, तो वह इलेक्ट्रॉन ग्रहण करती है।
- किसी वस्तु के समस्थानिक में परमाणु संख्या समान होती है।
- सल्फर तत्व स्वतंत्र अवस्था में पाया जाता है।
- वायु, न तो तत्व है और न ही यौगिक।
- हीरा कठोरतम पदार्थ है।
- लोहे का सर्वाधिक शुद्ध रूप पिटवा लोहा होता है।
- क्लोरो-फ़्लोरो-कार्बन, ओज़ोन परत को हानि पहुंचाता है।
- सोडा वॉटर बनाने के लिए CO_2 गैस प्रयोग की जाती है।
- सबसे अधिक दहनशील गैस हाइड्रोजन है।
- प्लास्टिक का सामान बनाने के लिए एसिटिलीन गैस का प्रयोग किया जाता है।
- कार्बन मोनोऑक्साइड की अभिक्रिया 300^0C पर कराने पर मीथेन गैस बनता है।
- शुद्ध जल का pH मान -7 होता है।
- चाय में टेनिक अम्ल होता है।
- पानी और चॉक (खड़िया) के मिश्रण को अवसादन द्वारा पृथक किया जा सकता है।
- ऊर्ध्वपातन द्वारा नमक मिश्रित कपूर को शुद्ध किया जाता है।
- सोडियम कार्बोनेट 'वाशिंग सोडा' है।
- Pb_3O_4 को सिंदूर कहते हैं।
- पेय सोडा रासायनिक रूप से अम्लीय होता है।
- ब्लीचिंग पाउडर का रासायनिक सूत्र $Ca(ClO)_2$ है।
- ग्रेनाइट, आग्नेय शैल में पाया जाता है।
- सामान्य नमक का स्रोत हेलाइट होता है।
- बॉक्साइट, एल्युमीनियम धातु का अयस्क है।
- पीतल, तांबा व जस्ता का मिश्र धातु है।
- शक्कर के घोल का तापमान बढ़ाने पर शक्कर की विलेयता बढ़ती है।
- वह गुण जिसके कारण एक ही तत्व कई रूपों में पाया जाता है, अपररूपता कहलाता है।
- पोटैशियम नाइट्रैट का उपयोग उर्वरक में किया जाता है।
- थोरियम, नाभिकीय ईंधन है।
- जल का क्वथनांक अधिक होता है, क्योंकि इसके अणु हाइड्रोजन आबन्ध से बंधे होते हैं।
- पीने के पानी में क्लोरीन मिलाने से क्लोरीन युक्त पानी रोग के कीटाणुओं से मुक्त हो जाता है।
- रेशम (Silk) पदार्थ प्राकृतिक बहुलक है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

III. जीव विज्ञान

- जन्तु विज्ञान (Zoology) जीवित व मृत जानवरों दोनों का अध्ययन करता है।
- फूलों के अध्ययन को एंथोलॉजी कहते हैं।
- कीटों के वैज्ञानिक अध्ययन को एन्टोमोलॉजी कहते हैं।
- पैलियो वनस्पति के अन्तर्गत पादप जीवाश्म का अध्ययन किया जाता है।
- रेशम कीट पालन को सेरीकल्चर कहते हैं।
- मधुमक्खी पालन को एपीकल्चर कहते है।
- अंगूर की खेती को विटीकल्चर कहते है।
- पेडोलॉजी, मिट्टी के अध्ययन से संबंधित है।
- अस्थियों का अध्ययन विज्ञान की ऑस्टियोलॉजी शाखा के अन्तर्गत किया जाता है।
- मृदा विहीन पादप संवर्धन को हाइड्रोपोनिक कहते है।

Nitin-Gupta.com

1. जैव विकास

- वर्तमान प्रमाण के अनुसार, पृथ्वी पर जीव का उद्गम लगभग 2,000,000,00 वर्ष पूर्व हुआ है।
- पृथ्वी पर सबसे पुराना जीव नील हरित शैवाल है।
- विकासवाद का सिद्धांत डार्विन ने प्रतिपादित किया था।
- सर्वप्रथम जीव विकास (Evolution) को लैमार्क ने समझाया था।
- विकास के उत्परिवर्तन सिद्धांत का प्रतिपादन ह्यूगो डी व्रिज ने किया था। हाथियों के पूर्वज को मैमथ कहते है।
- डाइनासोर, मेसोजोइक युग में रहते थे।

2. वर्गिकी

- गर्म रुधिर वाले जन्तु वे होते हैं, जो अपने शरीर के तापक्रम को हमेशा एक समान बनाए रखते हैं।
- कैट फिश और समुद्री घोड़ा वास्तविक रूप से मछली है।
- व्हेल मछली सबसे बड़ा स्तनपायी जीव है।
- सील (Seal) एक स्तनपायी जीव है।
- ऑक्टोपस एक मृदुकवची (मोलस्क) है।
- स्कविड सबसे बड़ा अकशेरूकी जीव है।

3. पादप

- चट्टान पर उगने वाले पादप शैलोद्भिद कहलाते हैं।
- घटपर्णी एक कीटभक्षी पादप है।
- निपेंथिस खासियाना (घटपर्णी) नामक दुर्लभ एवं आपातीय पौधा मेघालय में पाया जाता है।
- पौधे के तने से हल्दी प्राप्त होता है।
- हल्दी के पौधे का खाने योग्य हिस्सा प्रकंद होता है।
- फलों का वह प्रकार, जिसमें लीची को रखा जा सकता है, वह एकबीजी बेरी है।
- अधोभूमि उत्पादित सब्जियों में शकरकंद एक रूपांतरित जड़ है।
- मटर एक शाक का पौधा है।
- तना काट आमतौर से गन्ना के प्रवर्द्धन के लिए प्रयोग किया जाता है।
- लौंग बंद कलियाँ हैं।
- लहसुन की विशिष्ट गंध का कारण सल्फर यौगिक है।
- जीवन-चक्र की दृष्टि से, पौधे का सबसे महत्वपूर्ण अंग पुष्प है।
- लाल मिर्च कैप्साइसिन के कारण तीखा होता है।
- रेशम का कीड़ा (Silk Worm) अपने जीवन चक्र के कोशित (Pupa) चरण में वाणिज्यिक तन्तु (Fiber of Commerce) पैदा करता है।
- कुनैन, जो मलेरिया के इलाज में प्रयोग की जाती है, वह आवृतबीजी पादप से प्राप्त होती है।
- सूक्ष्म जीवाणु (बैक्टीरिया) को कम्पाउन्ड माइक्रोस्कोप (Compound microscope) द्वारा देखा जाता है।
- शुष्क जलवायु के भली-भांति अनुकूलित पेड़-पौधों को मरुद्भिद कहते हैं।
- एक जलीय पौधे को हाइड्रोफाइट कहते हैं।
- अधिकांश कीट वातक तंत्र से श्वसन करते हैं।
- सेब के फल में लाली का कारण एंथोसायनिन है।
- टमाटर में लाल रंग का कारण लाइकोपीन है।
- यीस्ट और मशरूम फफूंद हैं।
- लाइकेन मिश्रित जीव है, जो कवक एवं शैवाल से बने होते हैं।
- अफीम पोस्त पौधे के अधपके फल से प्राप्त होता है।

4. आनुवंशिकता

- वर्तमान आनुवंशिक विज्ञान के जनक ग्रेगर जॉन मेंडल हैं।
- मेंडल ने अपने चिरप्रतिष्ठित "वंशागति नियमों" को प्रतिपादित करने में गार्डेन पी (मटर) का उपयोग किया था।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- हमारे शरीर में आनुवंशिक इकाई को जीन कहते हैं।
- डी.एन.ए. में उपलब्ध टायरोसीन यौगिक एमीनो अम्ल नहीं बनाता है।

5. जैव उर्वरक

- एजोला एक जैविक उर्वरक है।
- धान की फसल में नील हरित शैवाल, मुख्यतः जैव उर्वरक के रूप प्रयोग होता है।
- नील हरित शैवाल को एजोला के साथ मिलाने से एक अच्छा उर्वरक प्राप्त होता है।
- सायनो बैक्टीरिया सूक्ष्मजीवी, जैव उर्वरक के रूप में प्रयोग होता है।

6. कोशिका

- नाभिक के अलावा कोशिका के माइटोकॉन्ड्रिया में डी.एन.ए. होता है।
- साधारणतः मानव में 46 गुणसूत्र होते हैं।
- छिपकली में लिंग गुणसूत्र नहीं होता है।
- जैव कोशिका का माइटोकॉन्ड्रिया भाग पावर हाउस कहलाता है।
- प्लाज्मा झिल्ली प्रोटीन और लिपिड से बनी होती है।

NitinGupta.com

7. मानव शरीरिकी

- एक वयस्क मानव शरीर में जल का प्रतिशत लगभग 65% होता है।
- वयस्क मानव शरीर में 206 अस्थियाँ होती है।
- मानव शरीर की सबसे छोटी हड्डी स्टेपीज़ है।
- मनुष्य के शरीर में पसलियों के 12 जोड़े होते हैं।
- शल्यक्रिया में आर्थ्रोप्लास्टी (Arthoplasty) कूल्हे के जोड़ का प्रतिस्थापन है।
- नाखून काटते समय दर्द नहीं होता, क्योंकि नाखून मृत कोशिकाओं के द्रव्य द्वारा बने होते हैं।
- अस्थि एवं दंत निर्माण हेतु, कैल्सियम और फ़ॉस्फोरस की आवश्यकता होती है।
- एक स्वस्थ्य व्यक्ति का हृदय एक मिनट में औसतन 72 बार धड़कता है।

8. रुधिर परिवहन तंत्र

- रक्त एक तरल संयोजी ऊतक है।
- हीमोग्लोबीन, मानव रक्त में पाया जाने वाला पदार्थ है।
- शरीर में हीमोग्लोबीन का कार्य ऑक्सीजन का परिवहन करना है।
- केंचुआ के जीवद्रव्य में हीमोग्लोबीन का विलय हो जाता है।
- रक्त का लाल रंग हीमोग्लोबीन के कारण होता है।
- मनुष्य का औसत रक्तचाप 120/80 होता है।
- रक्त दाब का मापक यंत्र स्फिग्मोमैनोमीटर है।
- रक्त समूहों की खोज कार्ल लैन्डस्टीनर ने की थी।
- किसी सामान्य व्यक्ति के रक्त का pH स्तर 7.35-7.45 होता है।
- प्रतिजन (Antigen) वह पदार्थ है, जो एंटीबॉडी(Antibody) के निर्माण को उद्दीप्त करता है।
- श्वेत रक्त कण (WBC) का मुख्य कार्य रोग प्रतिरोधक क्षमता धारण करना है।
- मानव के श्वेत रक्त कणों (WBC) का व्यास 0.007 मिमी होता है।
- लाल रक्त कणिकाएं मुख्यतया अस्थि मज्जा में बनती हैं।
- WBC का निर्माण तथा RBC का विनाश प्लीहा में होता है।
- प्लाज्मा में जल का प्रतिशत 90% होता है।
- जब रक्त में ऑक्सीजन की सांद्रता में कमी आती है, तो श्वास की गति बढ़ जाती है।

9. पाचन तथा उत्सर्जन तंत्र

- मनुष्य के शरीर में खून के शुद्धिकरण की प्रक्रिया को डायलिसिस कहते हैं।
- शरीर में यूरिया, गुर्दे द्वारा रक्त से पृथक किया जाता है।
- इंसुलिन नामक हार्मोन रक्त में शर्करा की मात्रा के नियंत्रण में मदद करता है।
- कैल्शियम ऑक्सालेट, मानव वृक्क पथरी (Kidney Stones) में पाया जाने वाला प्रमुख रासायनिक यौगिक है।
- एंजाइम मूलतः प्रोटीन है।
- एंजाइम, जैविक सिस्टम (Living System) में रासायनिक क्रिया की प्रक्रिया को तेज (Catalyse) करने में उत्तरदायी कारक है।
- एमाइलेज, स्टॉर्च को जल अपघटन से ग्लूकोज (Hydrolysis Starch) बनाने वाला एंजाइम है।

10. प्रकाश- संश्लेषण

- प्रकाश-संश्लेषण में पौधों द्वारा कार्बन-डाई-ऑक्साइड गैस उपयोग की जाती है।
- पौधों द्वारा भोजन तैयार करने की प्रक्रिया फोटोसिंथेसिस कहलाती है।

11. विटामिन एवं पोषण

- विटामिन का आविष्कार कैसिमिर फंक ने किया था।
- वसा में प्रति यूनिट कैलोरी की मात्रा सर्वाधिक होती है।
- संतरा में विटामिन 'सी' की मात्रा सर्वाधिक होती है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- विटामिन 'सी' का रासायनिक नाम एस्कॉर्बिक अम्ल है।
- विटामिन 'सी' घाव को भरने में सहायक होता है।
- स्कर्वी रोग के इलाज में आंवला उपयोगी है।
- रक्त का थक्का बनने में विटामिन K की आवश्यकता होती है।
- सूर्य की किरणों से विटामिन डी प्राप्त होता है।
- विटामिन डी की अल्पता से रिकेट्स रोग होता है।
- रतौंधी नामक रोग विटामिन A की कमी से होता है।
- विटामिन B12 में कोबाल्ट की मात्रा पाई जाती है।
- विटामिन B1, थायमीन है।
- विटामिन C, जल में घुलनशील है।
- गेहूँ में रोटी बनाने के गुणों को प्रभावित करने वाला पदार्थ ग्लूटेन है।
- मूंगफली में प्रोटीन और वसा दोनों की प्रचुरता पाई जाती है।
- एक कठोर परिश्रम करने वाले पुरूष की दैनिक ऊर्जा आवश्यकता 4000 कैलोरी होती है।
- पालक के पत्तों में आयरन की मात्रा सबसे अधिक होती है।
- हरी सब्जियों में लौह का सबसे अधिक अंश पाया जाता है।
- लैक्टोबैसिलस बैक्टीरिया के कारण दूध खराब हो जाता है।
- गाय के दूध के हल्के पीले रंग का कारण कैरोटीन की उपस्थिति है।
- पपीता में मुख्यतः विटामिन 'सी' पाया जाता है।
- मानव अंग में पाचन प्रक्रिया का अधिकांश भाग छोटी आंत में सम्पन्न होता है।
- दूध पिलाने वाली माँ को प्रतिदिन आहार में 70 ग्राम प्रोटीन की आवश्यकता होती है।
- लार, स्टॉर्च के पाचन में सहयोग करती है।
- विटामिन- डी की संरचना में कैल्सिफेरॉल पाया जाता है।
- अलसी ओमेगा-3, वसीय अम्ल का प्रचुर स्रोत है।
- अन्य पशुओं के मांस की तुलना में, मछली का उपभोग स्वास्थ्यकर माना जाता है क्योंकि मछली में बहु-असंतृप्त वसा अम्ल होता है।

12. अन्तः स्रावी ग्रंथियां

- यदि अग्नाशय में खराबी हो जाए तो इंसुलिन और ग्लूकागन बनना बंद हो जाता है।
- थायरॉक्सिन (Thyroxien) एक प्रकार का हॉर्मोन है।
- थायराइड ग्रन्थि से थायरॉक्सिन स्रावित करने के लिए उत्तेजित करने वाला अन्तःस्रावी हॉर्मोन TSH है।
- एड्रीनेलीन हॉर्मोन के स्रावित होने से हृदय गति बढ़ जाती है तथा उत्तेजना का अनुभव होता है।
- एस्ट्रोजन एक हॉर्मोन है।
- इंसुलिन की कमी से मनुष्य में मधुमेह होता है।
- मानव हॉर्मोन 'इंसुलिन' अग्नाशय में उत्पन्न होता है।
- मानव शरीर की सबसे बड़ी ग्रन्थि यकृत है।
- मानव शरीर में सबसे छोटी अन्तःस्रावी ग्रन्थि पिट्यूटरी है।
- पित्ताशय में पित्त का संचय होता है।
- यकृत में पित्त का निर्माण होता है।
- हरे फलों को कृत्रिम ढंग से पकाने हेतु प्रयुक्त गैस एसीटिलीन है।
- जब चीटियाँ काटती हैं, तो वे फॉर्मिक अम्ल अन्तःक्षेपित करती हैं।
- सामान्य मानव शरीर का तापक्रम 98.6°F होता है।

13. रोग एवं उपचार

- एल्कोहॉल के निरविषन के लिए मानव अंगों में यकृत उत्तरदायी होता है।
- प्लास्मोडियम परजीवी वाहक, मच्छर है।
- डेंगू रोग मच्छर के काटने से होता है।
- डेंगू बुखार में मानव शरीर में प्लेटलेट्स की कमी हो जाती है।
- सर रोनाल्ड रॉस ने यह खोज की थी कि मलेरिया, प्लाज्मोडियम नामक परजीवी से होता है।
- 'सिलिकॉसिस' फेफड़े से संबंधित एक बीमारी है।
- आयोडीन की कमी से घेंघा रोग होता है।
- सेल्मोनेला बैसिलाई के कारण भोजन विषाक्तता होता है।
- हृदय की धड़कन नियंत्रित करने के लिए पोटैशियम खनिज आवश्यक है।
- ट्यूमर की पहचान हेतु प्रयुक्त रडियोधर्मी समस्थानिक आर्सेनिक-74 है।
- अल्जाइमर (Alzheimer) रोग में मानव शरीर का मस्तिष्क प्रभावित होता है।
- पोलियो, विषाणु के कारण होता है।
- पोलियो के टीके की खोज जोन्स साल्क ने की थी।
- एथलीट फूड बीमारी फफूंद से होती है।
- EEG द्वारा ब्रेन की बीमारी के बारे में पता लगाया जाता है।
- घ्राण संवेदना की कमी को एनोस्मिया कहते हैं।
- डाउन सिंड्रोम (Down Syndrome) एक आनुवंशिक विकार है, यह गुणसूत्रों की संख्या में परिवर्तन के कारण होता है।
- तपेदिक रोग जीवाणुओं से उत्पन्न होता है।
- अस्थमा रोग एलर्जी के कारण होता है।
- फ़ाईलेरिया, गोलकृमि (निमेटोड) से होने वाला रोग है।
- निकट दृष्टि दोष को अवतल लेंस का प्रयोग करके ठीक किया जा सकता है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- दूर दृष्टि दोष से पीड़ित व्यक्ति को पास की वस्तु स्पष्ट देखने में कठिनाई होती है।
- मनुष्य की आँख में प्रकाश तरंगें रेटिना पर स्नायु उद्वेगों में परिवर्तित होती है।
- यदि आँख का लेंस अपारदर्शी हो जाए, तो मोतियाबिंद हो जाता है।
- ट्रिपैनोसोमा नामक एककोशिकीय जीव से निद्रा रोग (Sleeping Sickness) नामक बीमारी होती है।
- मीजल्स (खसरा) रोग को एंटीबायोटिक द्वारा ठीक नहीं किया जा सकता है।
- खसरा, वायरस के कारण होता है।
- मदिरा के अतिशय सेवन से यकृत में सूजन होता है।
- पीलिया (Jaundice) से यकृत दुष्प्रभावित होता है।
- स्त्रियों की तुलना में पुरूष वर्णांधता से अधिक पीड़ित हो सकते हैं, क्योंकि उनमें केवल एक X क्रोमोसोम होता है।
- B.C.G. का टीका यक्ष्मा (T.B.) से बचाव के लिए लगाया जाता है।
- B.C.G. का टीका नवजात शिशु को जन्म के तुरंत बाद लगाना चाहिए।
- ब्राइट्स रोग शरीर के गुर्दों को प्रभावित करता है।
- जीवाणु द्वारा कुष्ठ रोग होता है।
- इंटरफेरॉन का प्रयोग कैंसर के नियंत्रण के लिए जाता है।
- मधुमेह को टीकाकरण द्वारा नियंत्रित नहीं किया जा सकता है।
- मधुमेह के उपचार हेतु प्रयुक्त हॉर्मोन इंसुलिन का आविष्कार एफ. जी. बैंटिंग द्वारा किया गया था।
- हेपेटाइटिस रोग से मनुष्य के शरीर का यकृत (लीवर) प्रभावित होता है।
- मनुष्य में एफ्लाटॉक्सिन खाद्य विषाक्तता द्वारा सामान्यतः यकृत प्रभावित होता है।
- बर्ड फ्लू का विषाणु H5N1 होता है।
- मक्का की पत्तियों के शीर्ष का सफेद होना जिंक की कमी का सूचक है।
- पाइरिला कीट, गन्ने के फसल में पाया जाने वाला कीट है।
- बी टी कपास के उत्पादन से संबंधित सूक्ष्मजीव, जीवाणु है।
- गोल्डन राइस में सर्वाधिक मात्रा विटामिन-A की होती है।
- जेम्स डी. वाटसन तथा फ्रांसिस क्रिक का संबंध DNA की संरचना से है।
- 2,4-D एक रसायन है, जिसका उपयोग खरपतवारों को नष्ट करने के लिए किया जाता है।

14. विविध

- मायोग्लोबिन में लोहा धातु होती है।
- जन्तु वसा में उपस्थित एल्कोहॉल कोलेस्ट्रॉल है।
- कॉलेस्ट्रॉल का असामान्य स्तर धमनियों के कठोर हो जाने से संबंधित है।
- वनस्पति तेल में, सूरजमुखी का तेल हृदय रोगियों के लिए उपयुक्त है।
- जैट्रोफा, बायो -डीजल पौधा है।
- मानव मूत्र का पीला रंग यूरोक्रोम वर्णक के कारण होता है।
- पर्णहरित (क्लोरोफिल) में मैग्नीशियम तत्व पाया जाता है।
- पेनिसिलीन के आविष्कारक अलेक्जेंडर फ्लेमिंग हैं।
- गुर्दे की पथरी को किरणों द्वारा तोड़ना, लिथोट्रिप्सी कहलाता है।
- प्राणियों में आहार, श्वसन और संश्लेषण तीन प्रमुख उपापचय गुण हैं।
- रेयॉन, कृत्रिम रेशम है।
- मेंढक अपनी त्वचा से सांस लेता है।
- रंगों के बीच आँख की सुग्राहकता पीले एवं हरे रंग के लिए सबसे अधिक होती है।
- थर्मोस्कोप, प्रारम्भिक थर्मामीटर, का आविष्कार गैलीलियो ने किया था।
- मानव शरीर में सबसे मजबूत मांसपेशियाँ जबड़े में होती है।
- व्हाइट लेग हॉर्न, कुक्कुटों की एक किस्म है।
- दीमक को श्वेत चींटी भी कहते हैं।
- भ्रूणीय वृद्धि को मापने वाली तकनीक अल्ट्रोसोनिक्स है।
- 'हाई सिक्युरिटी एनिमल डिजीज लैबोरेटरी' भोपाल में स्थित है।
- 'वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाईजेशन' का मुख्यालय जेनेवा में स्थित है।
- पॉली-हाउस का प्रयोग पौधे उगाने के लिए किया जाता है।
- हरगोविंद खुराना को प्रोटीन के संश्लेषण के लिए जाना जाता है।
- विज्ञान के क्षेत्र में असाधारण योगदान के लिए शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार प्रदान किया जाता है।
- नेत्रदान में, दाता की आँख के कॉर्निया को प्रत्यारोपित (Transplant) किया जाता है।
- हृदय में 4 कक्ष होते हैं।
- मनुष्य आर्द्रता व गर्मी का अनुभव करता है क्योंकि पसीना, आर्द्रता के कारण वाष्पित नहीं होता है।
- विश्व का सबसे बड़ा पुष्प रैफ्लेसिया है।
- रात्रि में पेड़ के नीचे सोना हानिकारक होता है क्योंकि पेड़ कार्बन-डाई-ऑक्साइड छोड़ते हैं।
- ऊंट अपने कूबड़ का प्रयोग वसा के संग्रह के लिए करता है।
- कॉर्बन डेटिंग का प्रयोग जीवाश्म की आयु निर्धारण के लिए होता है।
- वृक्ष की आयु, इसमें वार्षिक वलयों की संख्या के आधार पर किया जाता है।
- धान के खेत से मेथेन गैस निकलती है।
- धान के पौध उगाने की 'डैपाग विधि' फिलीपींस में विकसित हुई थी।
- 'जया' भारत में विकसित प्रथम बौने धान की किस्म थी।
- सक्रिय उपर्जित असंक्रमता एंटीबॉडीज़ के उत्पादन का परिणाम है।
- फलों के मीठे स्वाद का कारण फ्रक्टोस है।

NitinGupta.com

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

विविध

भारतरत्न		
सन्	**नाम**	**विशेष**
1954	डॉ. सर्वपल्ली राधाकष्णन, चक्रवर्ती राजगोपालाचारी, डॉ. चन्द्रशेखर वेंकटरमण	
1955	डॉ. भगवान दास, डॉ. मोक्षगुंडम विश्ववेश्वरैया, जवाहर लाल नेहरू	
1957	पंडित गोविन्द वल्लभ पंत	
1958	धोंडोकेशव कर्वे	
1961	विधान चन्द्र राय, राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन	
1962	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	
1963	डॉ. जाकिर हुसैन, डॉ. पाण्डुरंग वामन काणे	
1966	लाल बहादुर शास्त्री	मरणोपरान्त पुरस्कार पाने वाले प्रथम व्यक्ति
1971	इंदिरा गांधी	
1975	वराह वेंकट गिरि	
1976	कुमार स्वामी कामराज	
1980	मदर टेरेसा	
1983	आचार्य विनोबा भावे	मरणोपरान्त
1987	खान अब्दुल गफ्फार खान	
1988	मखदुम गोपालन रामचन्द्रन	मरणोपरान्त
1990	डॉ. भीमराव अम्बेडकर नेल्सन मंडेला	मरणोपरान्त
1991	राजीव गांधी सरदार वल्लभ भाई पटेल मोरारजी देसाई	मरणोपरान्त मरणोपरान्त
1992	मौलाना अबुल कलाम आजाद जे. आर. डी. टाटा, सत्यजीत रे	मरणोपरान्त
1997	ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, गुलजारी लाल नन्दा अरुणा आसफ अली	मरणोपरान्त
1998	एम. एम. सुब्बालक्ष्मी, सी. सुब्रह्मण्यम	
1999	पंडित रविशंकर, प्रो. अमर्त्य सेन गोपीनाथ बारदोलोई, जयप्रकाश नारायण	मरणोपरान्त
2001	लता मंगेशकर, उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ	
2008	भीमसेन जोशी	
2014	सचिन तेन्दुलकर चिन्तामणि नगेसा, रामचन्द्र राव	सबसे कम उम्र में भारत रत्न पाने वाले व्यक्ति
2015	अटल बिहारी वाजपेयी, मदन मोहन मालवीय	
2019	प्रणव मुखर्जी, नानाजी देशमुख, भूपेन हजारिका	
2024	कर्पूरी ठाकुर, एम. एस. स्वामीनाथन, चौधरी चरण सिंह, पी. वी. नरसिम्हा राव, लाल कृष्ण आडवाणी	

नोट : भारत रत्न सम्मान से एक वर्ष में अधिकतम तीन लोगों को सम्मानित करने की परम्परा है, किन्तु पहली बार वर्ष 1999 में 4 लोगों को और अब वर्ष 2024 में 5 लोगों को एक साथ भारत रत्न से सम्मानित किया गया है।

ज्ञानपीठ पुरस्कार			
वर्ष	**पुरस्कार विजेता**	**रचना**	**भाषा**
1965	जी शंकर कुरूप	ऑडा कुजाई	मलयालम
1966	ताराशंकर बंदोपाध्याय	गणदेवता	बांग्ला
1967	के.वी. पुट्टप्पा व उमाशंकर जोशी	रामायण दर्शनम्, निशीथ	कन्नड़ एवं गुजराती
1968	सुमित्रानन्दन पंत	चिदम्बरा	हिन्दी का प्रथम
1969	फिराक गोरखपुरी	गुल-ए-नगमा	उर्दू
1970	विश्वनाथ सत्यनारायण	श्रीमद् रामायण कल्पवृक्षम्	तेलुगु
1971	विष्णु डे	स्मृति सत्ता भविष्यत	बांग्ला
2010	चन्द्रशेखर कंवर	कन्नड़ साहित्य	
2011	प्रतिभा रे	उड़िया साहित्य	
2012	डॉ. रावुरी भारद्वाज	तेलुगु साहित्य	

Nitin-Gupta.com

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

2013	केदार नाथ सिंह	हिन्दी साहित्य
2014	भालचन्द्र नेमाड़े	मराठी साहित्य
2015	रघुवीर चौधरी	गुजराती साहित्य
2016	शंख घोष	बांग्ला साहित्य
2017	कृष्णा सोबती	हिन्दी साहित्य
2018	अमिताभ घोष	अंग्रेजी साहित्य (पहली बार)
2019	अक्कीतम अच्युतन नंबूदिरी	मलयालम साहित्य
2021	नीलमणि फूकन	असमिया साहित्य
2022	दामोदर मौज़ो	कोंकणी साहित्य
2023	गुलजार और रामभद्राचार्य	उर्दू साहित्य संस्कृत साहित्य

Nitin-Gupta.com

नोबेल पुरस्कार पाने वाले भारतीय/भारतीय मूल के व्यक्ति

वर्ष	नाम	क्षेत्र	विशेष
1913	रवीन्द्र नाथ टैगोर	साहित्य	गीतांजलि काव्य संग्रह के लिए
1930	सी.वी. रमन	भौतिकी	रमन प्रभाव के लिए
1968	हरगोविन्द खुराना	चिकित्सा	कृत्रिम जीन के संश्लेषण के लिए
1979	मदर टेरेसा	शांति	समाज सेवा संबंधी कार्यों के लिए
1983	सुब्रह्मण्यम चन्द्रशेखर	भौतिकी	चन्द्रशेखर सीमा के लिए
1998	अमर्त्य सेन	अर्थशास्त्र	कल्याणकारी अर्थशास्त्र के लिए
2001	वी.एस. नायपॉल	साहित्य	
2009	वेंकटरमण रामकृष्ण	रसायन विज्ञान	राइबोसोम की संरचना और कार्य प्रणाली के लिए
2014	कैलाश सत्यार्थी (संयुक्त)	शांति	पाकिस्तान मूल की मलाला युसुफनई के साथ
2019	अभिजीत बिनायक बनर्जी	अर्थशास्त्र	एक्सपेरिमेंटल अप्रोच टू एलिवेटिंग ग्लोबल पोवर्टी पुस्तक के लिए

प्रमुख पुरस्कार : क्षेत्र एवं राशि

नोबेल पुरस्कार	साहित्य, चिकित्सा, भौतिकी, रसायन, शान्ति (सभी 1901) से एवं अर्थशास्त्र (1969 से) के क्षेत्र में (7 मिलियन स्वीडिश क्रोनर)
पुलित्जर पुरस्कार	पत्रकारिता के क्षेत्र में (1917 से शुरू, 10,000 डॉलर प्रदान)
ऑस्कर पुरस्कार	फिल्म के क्षेत्र में (1929 से शुरू)
कलिंग पुरस्कार	विज्ञान के क्षेत्र में (1952 से शुरू; 1,000 पौंड प्रदान)
मान बुकर पुरस्कार	साहित्य के क्षेत्र में (1969 से शुरू 60,000 पौंड प्रदान)
ग्रेमी पुरस्कार	संगीत के क्षेत्र में (1958 से शुरू)
भारत रत्न	कला, साहित्य, विज्ञान, और विशिष्ट सेवा तथा जनसेवा के क्षेत्र में
दादा साहेब फाल्के पुरस्कार	फिल्म के क्षेत्र में (1969 से शुरु; स्वर्ण कमल और 10 लाख रुपये प्रदान)
ज्ञानपीठ पुरस्कार	साहित्य के क्षेत्र में(1965 से शुरु; 11 लाख रुपये प्रदान)
रैमन मैग्सेस पुरस्कार	सरकारी सेवा, जनसेवा, पत्रकारिता, साहित्य, संचार, अन्तर्राष्ट्रीय समझ के क्षेत्र में (1958 से शुरू; 50,000 डॉलर प्रदान) एवं 2001 से उद्गामी नेतृत्व के क्षेत्र में
सरस्वती सम्मान	साहित्य के क्षेत्र में (1991 से शुरू; 5 लाख रुपये प्रदान)
वाचस्पति पुरस्कार	संस्कृत साहित्य में उत्कृष्ट योगदान के लिए (1992 से शुरू, 1 लाख रुपये प्रदान)
शंकर पुरस्कार	भारतीय दर्शन, संस्कृति तथा कला के क्षेत्र में (1.5 लाख रुपये प्रदान)
व्यास सम्मान	साहित्य के क्षेत्र में
कबीर पुरस्कार	खेलों में जीवन भर की उपलब्धियों के लिए (5 लाख रुपये)
भटनागर पुरस्कार	विज्ञान के क्षेत्र में (1957 से शुरू; 2 लाख रुपये प्रदान)
धन्वन्तरि पुरस्कार	चिकित्सा के क्षेत्र में (1971 से शुरू)
बोरलॉग पुरस्कार	कृषि की पैदावार में उल्लेखनीय योगदान के लिए (1973 से शुरू)
बी. सी. राय पुरस्कार	चिकित्सा के क्षेत्र में

प्रमुख शोध-संस्थान

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान	नई दिल्ली
केन्द्रीय गन्ना अनुसंधान संस्थान	कोयम्बटूर
केन्द्रीय तम्बाकू अनुसंधान संस्थान	राजमुंदरी, आंध्र प्रदेश
भारतीय चीनी तकनीकी संस्थान	कानपुर
राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान	करनाल, हरियाणा
केन्द्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान	चेन्नई
केन्द्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान	लखनऊ
भारतीय मौसम विज्ञान संस्थान	नई दिल्ली
रामन अनुसंधान संस्थान	बेंगलुरु
डीजल लोकोमोटिव वर्क्स	वाराणसी
केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान	नई दिल्ली
केन्द्रीय ट्रैक्टर संस्थान	नई दिल्ली
केन्द्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान	लखनऊ

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

भारतीय रासायनिक जैविकी संस्थान	कोलकाता
उच्च अक्षांश अनुसंधान प्रयोगशाला	गुलमर्ग
केन्द्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान	नागपुर
औद्योगिक विष विज्ञान अनुसंधान केन्द्र	लखनऊ
कोशिकीय तथा आण्विक जीव विज्ञान केन्द्र	हैदराबाद
भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण विभाग	कोलकाता
केन्द्रीय जूट प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान	कोलकाता
सेन्टर फॉर डी.एन.ए. फिंगर प्रिंटिंग एण्ड डायग्नोस्टिक्स	हैदराबाद
राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केन्द्र	गुरुग्राम (गुड़गाँव)
भारत इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड	जलहल्ली बेंगलुरु
केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान	कटक
भारतीय दलहन शोध संस्थान	कानपुर
केन्द्रीय जल एवं विद्युत अनुसंधान केन्द्र	खड़कवासला, पुणे

Nitin-Gupta.com

प्रमुख वाद्ययंत्र एवं वादक	
सितार	पंडित रविशंकर, निखिल बनर्जी, विलायत खाँ, वन्दे हसन, शाहिद परवेज, उमाशंकर मिश्र, बुद्धादित्य मुखर्जी आदि।
तबला	जाकिर हुसैन, अल्लारक्खा खाँ, गुदई महाराज, किशन महाराज, फ़ैयाज़ खान, सुखविन्दर सिंह आदि।
बाँसुरी	पन्नालाल घोष, हरि प्रसाद चौरसिया, वी. कुंजामनी, एन. लीला, राजेन्द्र प्रसाद, राजेन्द्र कुलकर्णी आदि।
सरोद	अमजद अली खाँ, अली अकबर खाँ, अलाउद्दीन खाँ, हाफिज खाँ, विश्वजीत रॉय चौधरी, जरीन दारूवाला (ज़रीन शर्मा), मुकेश शर्मा आदि।
शहनाई	बिस्मिल्ला खाँ, दयाशंकर जगन्नाथ, अली अहमद हुसैन खाँ आदि।
वायलिन	डॉ. एन. राजम, विष्णु गोविंद जोग, एल. सुब्रह्मण्यम, संगीता शंकर, कुन्नाकुदी विद्यानाथन, टी. एन. कृष्णन आदि।
वीणा	एस. बालचंद्रन, बदरुद्दीन डागर, कल्याण कृष्ण भागवतार, बी. दोरोस्वामी आयंगर आदि।
संतूर	भजन सोपोरी, शिव कुमार शर्मा आदि।
पखावज	उस्ताद रहमान खाँ, गोपाल दास, छत्रपति सिंह आदि।
रुद्रवीणा	उस्ताद सादिक अली खाँ, असद अली खाँ आदि।
मृदंगम	ठाकुर भीकम सिंह, पालधार रघु, डॉ. जगदीश सिंह, टी. वी. गोपालकृष्णन आदि।
सारंगी	उस्ताद बिन्दु खाँ।
नादस्वरम्	शेख चिन्ना मौलाना, टीएन राजरथिनम पिल्लई, नीरुस्वामी पिल्लई।
सिम्झनी	जुबिन मेहता।

शास्त्रीय नृत्य एवं कलाकार	
भरतनाट्यम (तमिलनाडु)	यामिनी कृष्णमूर्ति, सोनल मान सिंह, रुक्मिणी देवी अरूण्डेल, टी. बाल सरस्वती पद्म सुब्रमण्यम, एस. के. सरोज, रामगोपाल, लीला सैमसन, मृणालिनी साराभाई, वैजयंतीमाला बाली, मालविका सरकार, प्रियदर्शिनी गोविन्द।
कुचिपुड़ी (आंध्र प्रदेश)	यामिनी कृष्णमूर्ति, लक्ष्मी नारायण शास्त्री, राधा रेड्डी, राजा रेड्डी, स्वप्नसुंदरी, वेदांतम सत्यनारायण सरमा, वेम्पत्ति चेनासत्यम।
ओडिसी (ओडिशा)	संयुक्त पाणिग्रही, सोनल मुग्दल मान सिंह, किरण सहगल, माधवी, मुग्दल रानी कर्ण, कालीचरण पटनायक, इंद्राणी रहमान, शेरोन लोवेन (USA) मिर्ता बारवी (अर्जेंटीना) नृत्य गुरु- मोहन महापात्र, केलुचरण महापात्र, पंकज चरण दास, हरेकृष्ण बेहरा, मायाधर राउत।
कथकली (केरल)	वल्लथोल नारायण मेनन, कृष्ण नायर, आनन्द शिवरामन, कृष्णन कुट्टी आदि।
कत्थक (उत्तर प्रदेश)	बिरजू महाराज, लच्छु महाराज, सुखदेव महाराज, सितारादेवी, गोपीकृष्ण, शोवना नारायण, मालविका सरकार, बिन्दादीन महाराज, अच्छन महाराज, नारायण प्रसाद।
मणिपुरी (मणिपुर)	गुरु अमली सिंह, आतम्ब सिंह, नलकुमार सिंह, झावेरी बहनें (दर्शन, नयना, सुवर्णा तथा रंजना झावेरी), सविता मेहता, कलावती देवी, चारू माथुर, बिम्बावती।
मोहिनीअट्टम (केरल)	कल्याणी अम्मा, भारती शिवाजी, रागिनी देवी

लोकनृत्य	
झारखण्ड	छऊ, सरहुल, करमा, डांगा, सोहराई।
उत्तराखंड	गढ़वाली, कुमायूँ, झोड़ा चपादी।
आन्ध्र प्रदेश	कुचिपुड़ी (शास्त्रीय), घंटामर्दाला, कुम्मी, सिद्धि मधुरी, छड़ी।
छत्तीसगढ़	पिण्डवानी, गौडी, करमा, झूमर, (या झूमइर) डागला, पाली, नवारानी, ।
हिमाचल प्रदेश	धमान, छपेली, महाथू, नटी, डांगी, चम्बा, थाली, डफ, आदि।
गुजरात	गरबा, डाण्डिया, टिप्पानी जुरियुन, भवाई, रासलीला, लास्या आदि।
असम	बिहू, बिछुआ, नटपूजा महारास, खेल गोपाल, झुमुरा होब्जानाई, कलिगोपाल, बुगुरूम्बा, अंकियानाट आदि।
पश्चिम बंगाल	काठी, गम्भीरा, ढाली, जात्रा, बाउल, मरसिया, कीर्त्तन आदि।
केरल	कथकली (शास्त्रीय नृत्य), मोहिनीअट्टम (शास्त्रीय नृत्य), कालीअट्टम (थियम), पादयानी, ओट्टमथुलाल आदि।
मणिपुर	मणिपुरी (शास्त्रीय नृत्य), राखाल, नटरास आदि।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

ओडिशा	ओडिसी (शास्त्रीय नृत्य), सवारी, धूमरा।
राजस्थान	घूमर, घापाल, पणिहारी, जिन्दाद, नेजा, गणगौर आदि।
महाराष्ट्र	लावणी, नकटा, कोली, लेझिम, बोहदा, गौरीचा, ललिता, तमाशा, मौनी, लेज़िम , पोवाड़ा आदि।
मेघालय	लाहो, बांग्ला, आदि।
गोवा	मंडो, झागोर, खोल, ढकनी आदि।
अरुणाचल प्रदेश	मुखौटा नृत्य, युद्ध नृत्य आदि।
कर्नाटक	यक्षगान, कुनीथा, करगा, लाम्बी, वीरगास्से आदि।
नागालैंड	चोंग, खैवा, लीम, नुरालीम आदि।
पंजाब	भांगड़ा, गिद्धा, आदि।
मिजोरम	खानट्म, पाखुपिला, चेरोकान आदि।
जम्मू-कश्मीर	हिकात, मंदजास, कूद दण्डीनाच, दमाली आदि।
तमिलनाडु	भरतनाट्यम (शास्त्रीय नृत्य), कुम्मी, कावड़ी आदि।
उत्तरप्रदेश	रासलीला, नौटंकी, झूला, कजरी, चाचरी, आदि।

Nitin-Gupta.com

भारत में प्रथम (महिला)	
प्रथम आदिवासी राष्ट्रपति	द्रौपदी मुर्मू
प्रथम महिला राष्ट्रपति	प्रतिभा देवी सिंह पाटिल
प्रथम महिला प्रधानमंत्री	इन्दिरा गाँधी
प्रथम महिला लोक सभा अध्यक्ष	मीरा कुमार
प्रथम महिला महासचिव (लोकसभा)	स्नेहलता श्रीवास्तव
प्रथम महिला राज्यसभा उपसभापति	वायलेट हरि अल्वा
प्रथम महिला केन्द्रीय मंत्री	राजकुमारी अमृत कौर आहलुवालिया
प्रथम महिला सांसद	राधाबाई सुबारायन
प्रथम महिला राज्यपाल	सरोजिनी नायडू (उ.प्र.)
यूपीएससी की प्रथम महिला अध्यक्ष	रोज मिलियन बैथ्यू
प्रथम महिला शासिका	रजिया सुल्तान
प्रथम महिला आई. ए. एस.	अन्ना राजम मल्होत्रा
प्रथम महिला आई पी. एस.	किरण बेदी
प्रथम महिला मुख्यमंत्री	सुचेता कृपलानी (उ.प्र.)
किसी राज्य की विधानसभा की प्रथम महिला अध्यक्ष	शन्नो देवी (हरियाणा, 1966-67)
प्रथम महिला काँग्रेस अध्यक्ष	डॉ. एनी बेसेन्ट

सुप्रीम कोर्ट की प्रथम महिला न्यायाधीश	मीरा साहिब फातिमा बीबी
उच्च न्यायालय की प्रथम महिला मुख्य न्यायाधीश	लीला सेठ (हिमाचल प्रदेश)
देश की प्रथम महिला सत्र न्यायाधीश	अन्ना चांडी (केरल)
अशोक चक्र पाने वाली प्रथम महिला	नीरजा भनोट
संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रथम महिला भारतीय राजदूत	विजयलक्ष्मी पंडित
इंग्लिश चैनल पार करने वाली प्रथम भारतीय महिला	आरती साहा
नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाली प्रथम भारतीय महिला	मदर टेरेसा
एवरेस्ट शिखर पर पहुँचने वाली प्रथम महिला	बच्छेन्द्री पाल
'मिस वर्ल्ड' बनने वाली प्रथम महिला	कुमारी रीता फारिया
एवरेस्ट पर लगातार दो बार चढ़ने वाली प्रथम महिला	संतोष यादव
'मिस यूनिवर्स' बनने वाली प्रथम महिला	सुष्मिता सेन
'भारत रत्न' से सम्मानित प्रथम महिला	श्रीमती इन्दिरा गाँधी
ज्ञानपीठ पुरस्कार पाने वाली प्रथम महिला	आशापूर्णा देवी
ओलम्पिक में कोई पदक पाने वाली प्रथम महिला	कर्णम मल्लेश्वरी (कांस्य पदक)
प्रथम महिला मेयर	तारा चेरियन (चेन्नई)
प्रथम महिला स्नातक (प्रतिष्ठा)	कामिनी रॉय (1886 ई.)
प्रथम महिला स्नातक	कदाम्बिनी गांगुली एवं चन्द्रमुखी बासु
प्रथम महिला फिजिशियन	आन्नदी बाई गोपालराव जोशी
प्रथम महिला सर्जन	डॉ. प्रेमा मुखर्जी
प्रथम महिला रेल ड्राइवर	सुरेखा शंकर यादव
वायुसेना में प्रथम महिला पायलट	हरिता कौर दयाल
प्रथम महिला एयरबस पायलट	दुर्बा बनर्जी
प्रथम महिला लेफ्टिनेंट जनरल	पुनीत अरोड़ा
प्रथम महिला एयर बाइस मार्शल	पी. बंदोपाध्याय
प्रथम महिला चेयरपर्सन ऑफ इंडियन एयरलाइन्स	सुषमा चावला
अंतरिक्ष में जाने वाली भारतीय मूल की प्रथम महिला	कल्पना चावला (अमेरिकी नागरिक)
ऑस्कर पुरस्कार जीतने वाली प्रथम महिला	भानु अथैया
एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली प्रथम महिला	कमलजीत संधू

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

दक्षिणी ध्रुव पर पहुँचने वाली प्रथम महिला	रीना कौशल धर्मशक्तू
सात प्रमुख सागर तैरकर पार करने वाली प्रथम महिला	बुला चौधरी
गोबी रेगिस्तान पार करने वाली प्रथम महिला	सुचेता कड़ेथानकर
प्रथम महिला मुख्य चुनाव	वी. एस. रमादेवी
राज्य सभा के लिए नामांकित होने वाली प्रथम महिला फिल्म अभिनेत्री	नरगिस दत्त
अंटार्कटिका पहुँचने वाली प्रथम महिला	मेहर मूसा
साहित्य अकादमी पुरस्कार जीतने वाली प्रथम महिला	अमृता प्रीतम
ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाली प्रथम महिला	मैरी लीला राव
भारतीय सिनेमा की प्रथम अभिनेत्री	देविका रानी रोरिक
राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रथम महिला अध्यक्ष	जयंती पटनायक
दूरदर्शन समाचारवाचक प्रथम महिला	प्रतिमा पुरी
ओलंपिक बैडमिंटन (महिला) में रजत पदक जीतने वाली व विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप में महिला एकल का खिताब जीतने वाली प्रथम महिला	पी. वी सिंधू
ओलंपिक बैडमिंटन (महिला) में कांस्य पदक जीतने वाली प्रथम महिला	साइना नेहवाल
ओलंपिक महिला कुश्ती में कांस्य पदक जीतने वाली प्रथम महिला	साक्षी मलिक (2016 रियो ओलंपिक)
ओलंपिक में मुक्केबाजी (महिला) में कांस्य पदक जीतने वाली प्रथम महिला	मैरी कॉम (2012 लंदन ओलंपिक)
प्रथम महिला विदेश सचिव	चोकिला अय्यर
दोहरा शतक बनाने वाली प्रथम महिला	मिताली राज
ओलंपिक की जिमनास्टिक्स प्रतिस्पर्धा के लिए क्वालिफाई करने वाली प्रथम महिला	दीपा कर्माकर
अन्तर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति की सदस्य बनने वाली प्रथम भारतीय महिला	नीता अम्बानी
लगातार दो ओलम्पिक में पदक जीतने वाली प्रथम महिला	पीवी सिंधु
पैरालम्पिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली प्रथम महिला	अवनि लेखरा
एशियाड में स्वर्ण पदक जीतने वाली प्रथम महिला	विनेश फोगाट
व्यक्तिगत ट्रैक मुकाबले में ओलंपिक फाइनल तक पहुँचने वाली प्रथम महिला	पी. टी. उषा

भारत में प्रथम (पुरुष)	
प्रथम गवर्नर जनरल	लॉर्ड विलियम बेन्टिक
अंतिम गवर्नर जनरल एवं प्रथम वायसराय	लॉर्ड कैनिंग
अंतिम वायसराय	लॉर्ड माउंटबेटन
स्वतंत्र भारत का प्रथम गवर्नर जनरल	लॉर्ड माउंटबेटन
स्वतंत्र भारत का प्रथम तथा अंतिम (भारतीय) गवर्नर जनरल	चक्रवर्ती राजगोपालाचारी
प्रथम राष्ट्रपति	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
प्रथम मुस्लिम राष्ट्रपति	डॉ. जाकिर हुसैन
प्रथम उप-राष्ट्रपति	डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन
प्रथम प्रधानमंत्री	पं. जवाहरलाल नेहरू
प्रथम उप-प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री	सरदार वल्लभ भाई पटेल
प्रथम शिक्षा मंत्री	अबुल कलाम आजाद
केन्द्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने वाला प्रथम मंत्री	श्यामा प्रसाद मुखर्जी (1950)
प्रथम कमांडर इन चीफ	एयर मार्शल सर थॉमस एमहर्स्ट
प्रथम वायु सेनाध्यक्ष	एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी
प्रथम नौ सेनाध्यक्ष	वाइस एडमिरल आर डी कटारी
प्रथम चीफ ऑफ आर्मी स्टॉफ	जनरल एम राजेन्द्र सिंह
स्वतंत्र भारत का प्रथम कमांडर-इन-चीफ	जनरल एम. करिअप्पा
प्रथम फील्ड मार्शल	जनरल मानेक शॉ
लोकसभा का प्रथम अध्यक्ष	गणेश वासुदेव मावलंकर
प्रथम चुनाव आयुक्त	सुकुमार सेन
प्रथम मुख्य न्यायाधीश	हीरालाल जे. कानिया
स्वतंत्र भारत में जन्में (29 सितम्बर, 1947) प्रथम मुख्य न्यायाधीश	न्यायमूर्ति सरोश होमी कपाड़िया
अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय में प्रथम भारतीय न्यायाधीश (अध्यक्ष)	डॉ. नागेन्द्र सिंह
अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय में प्रथम न्यायाधीश	बेनेगल रामाराव
भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के प्रथम अध्यक्ष	व्योमेशचन्द्र बनर्जी
भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष	बदरुद्दीन तैयब
राष्ट्रीय काँग्रेस के सम्मेलन में भारत की स्वतंत्रता का प्रस्ताव पेश करने वाला प्रथम व्यक्ति	हसरत मोहानी
नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाला प्रथम भारतीय	रवीन्द्रनाथ टैगोर

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

विविध

प्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक	सी. वी. रमन (भौतिकी)
रेमन मैग्सेसे अवार्ड पाने वाला प्रथम पुरुष	आचार्य विनोबा भावे
स्टालिन पुरस्कार प्राप्त करने वाला प्रथम पुरुष	सैफुद्दीन किचलू
गोल्डेन ग्लोब अवार्ड जीतने वाले प्रथम पुरुष	ए. आर रहमान
भारतरत्न पुरस्कार प्राप्त करने वाला प्रथम पुरुष	डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन
भारत रत्न से सम्मानित प्रथम विदेशी नागरिक	खान अब्दुल गफ्फार खान
ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रथम व्यक्ति	जी शंकर कुरूप
आई.सी.एस. में सफल होने वाला प्रथम पुरुष	सत्येन्द्र नाथ टैगोर
अंतरिक्ष में पहुँचने वाला प्रथम पुरुष	राकेश शर्मा
इंग्लिश चैनल को पार करने वाला प्रथम पुरुष	मिहिर सेन
पाक स्ट्रेट तैराकी प्रतियोगिता जीतने वाला प्रथम पुरुष	वैद्यनाथ
बिना ऑक्सीजन के एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचने वाला पुरुष	शेरपा फू दोरजी (9 मई, 1984)
भारत का भ्रमण करने वाला प्रथम चीनी यात्री	फाहियान
मुगल दरबार में आने वाला प्रथम अंग्रेज	हॉकिन्स
भारत आने वाले प्रथम अमेरिकी राष्ट्रपति	ड्वाइट डेविड आइजन हावर
भारत आने वाले प्रथम ब्रिटिश प्रधानमंत्री	हेराल्ड एम.सी. मिलॉन
भारत आने वाले प्रथम रूसी प्रधानमंत्री	निकोलाई ए. बुल्गानिन
प्रथम भारतीय पायलट	जे. आर. डी. टाटा
ओलम्पिक में वैयक्तिक स्पर्द्धा में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतने वाला खिलाड़ी	अभिनव बिन्द्रा (10 मी. एयर राइफल 2008)
ब्रिटिश संसद का सदस्य बनने वाला प्रथम पुरुष	दादाभाई नौरोजी
प्रथम समाचार-पत्र शुरू करने वाला व्यक्ति	जेम्स ए. हिक्की
प्रिंटिंग प्रेस का प्रचलन करने वाला प्रथम व्यक्ति	जेम्स ए. हिक्की
विश्व बैडमिन्टन चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाला प्रथम भारतीय	प्रकाश पादुकोण (कांस्य पदक 1983)
ऐथलेटिक्स में ओलम्पिक स्वर्ण पदक जीतने वाले प्रथम भारतीय	नीरज चोपड़ा (जेवलिन थ्रो-2020)
प्रथम रक्षा स्टाफ प्रमुख (सीडीएस)	जनरल विपिन रावत

Nitin-Gupta.com

भारत में सर्वाधिक बड़ा, लम्बा एवं ऊँचा	
सबसे लम्बा सड़क पुल	भूपेन हजारिका सेतु (असम)
सबसे बड़ा पशुओं का मेला	सोनपुर (बिहार)
सबसे ऊँची मीनार	कुतुबमीनार (दिल्ली)
सबसे बड़ी ताजे पानी की झील	वुलर झील (जम्मू-कश्मीर)

सबसे ऊँचा गुरुत्वीय बाँध	भाखड़ा बाँध (पंजाब)
सबसे बड़ा रेगिस्तान	थार (राजस्थान)
सबसे बड़ा गुफा मन्दिर	कैलाश मन्दिर (एलोरा)
सबसे बड़ा चिड़ियाघर	अरिग्नार अन्ना जूलॉजिकल पार्क (चेन्नई)
सबसे बड़ी मस्जिद	जामा मस्जिद (दिल्ली)
सबसे ऊँची चोटी	गॉडविन आस्टिन (K-2)
सबसे लम्बी सुरंग (सड़क) (यह जम्मू को श्रीनगर से जोड़ती है।)	चेनानी-नाशरी सुरंग (9.2 km) (जम्मू-कश्मीर)
सबसे लम्बी सुरंग (रेलवे)	पीरपंजाल (जम्मू-कश्मीर)
सबसे बड़ा डेल्टा	सुन्दरवन डेल्टा (प. बंगाल)
सबसे अधिक वनों का राज्य	मध्य प्रदेश
सबसे बड़ा कोरीडोर	रामेश्वरम मंदिर (तमिलनाडु)
सबसे ऊँचा झरना (455m ऊँचा)	कुंचिकलां जलप्रपात (वराही नदी) कर्नाटक
सबसे लम्बी सड़क	ग्रैंड ट्रंक रोड
सबसे ऊँचा दरवाजा	बुलन्द दरवाजा (फतेहपुर सिकरी)
सबसे लम्बी नदी	गंगा नदी
सबसे बड़ा अजायबघर	कोलकाता अजायबघर
सबसे बड़ा गुम्बज	गोल गुम्बज (बीजापुर)
सर्वाधिक वर्षा का स्थान	मासिनराम (मेघालय)
सबसे बड़ा लीवर पुल	हावड़ा ब्रिज (कोलकाता)
सबसे लम्बी नहर	इन्दिरा गाँधी नहर (राजस्थान)
सबसे लम्बा रेलवे प्लेटफॉर्म	गोरखपुर (उ.प्र.) (1.3 km)
सबसे विशाल स्टेडियम	युवा भारती (साल्ट लेक कोलकाता)
सबसे अधिक आबादी वाला शहर	मुम्बई (महाराष्ट्र) (2011 की जनगणना के अनुसार)
सर्वाधिक शहरी क्षेत्र वाला राज्य	महाराष्ट्र (2011 की जनगणना के अनुसार)
सबसे लम्बा रेल मार्ग	डिब्रूगढ़ से कन्याकुमारी
सबसे बड़ा प्राकृतिक बन्दरगाह	मुम्बई (महाराष्ट्र)
सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग	राष्ट्रीय राजमार्ग NH -44
सबसे लम्बी तटरेखा वाला राज्य	गुजरात
खारे पानी की सबसे बड़ी तटीय झील	चिल्का झील (ओडिशा)
भारत की सबसे लम्बी सहायक नदी	यमुना नदी
दक्षिण भारत की सबसे लम्बी नदी	गोदावरी
सबसे लम्बा बाँध	हीराकुड बाँध (ओडिशा)
सबसे ऊँचा बाँध	टिहरी बाँध (उत्तराखण्ड)

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

भारत का सर्वोच्च शौर्य सम्मान	परमवीर चक्र
भारत का सर्वोच्च सम्मान	भारत रत्न
सबसे बड़ा गुरुद्वारा	स्वर्ण मंदिर, अमृतसर
सबसे बड़ा गिरजाघर	सैट कैथेडरल (गोवा)
सबसे ऊँचा टी. वी टावर	रामेश्वरम (तमिनाडु)
सबसे लम्बी तटरेखा वाला दक्षिण भारत का राज्य	आन्ध्र प्रदेश (1100 km)
सबसे लम्बा समुद्र तट	मैरिना बीच (चेन्नई)
सबसे अधिक मार्ग बदलने वाली नदी	कोसी नदी
सबसे बड़ी कृत्रिम झील	गोविन्द बल्लभ पन्त सागर
सबसे गहरी नदी घाटी	भागीरथी व अलकनंदा
डेल्टा न बनाने वाली सबसे बड़ी नदी	नर्मदा व ताप्ती
सबसे अधिक ऊँचाई पर स्थित युद्ध स्थल	सियाचीन ग्लेशियर
सबसे बड़ा नदी द्वीप	माजुली (ब्रह्मपुत्र नदी, असम)
सबसे बड़ा तारामंडल	बिड़ला प्लैनेटोरियम (कोलकाता)
सबसे ऊँचा हवाई पत्तन	लेह (लद्दाख)
सबसे बड़ा राज्य (क्षेत्रफल)	राजस्थान
सबसे बड़ा जिला (क्षेत्रफल)	कच्छ (गुजरात)
सबसे तेज चलने वाली ट्रेन	गतिमान एक्सप्रेस
सबसे ऊँची मूर्ति	स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (गुजरात)

Nitin-Gupta.com

विश्व में सर्वाधिक बड़ा, छोटा, लम्बा एवं ऊँचा	
सबसे बड़ा महाद्वीप	एशिया
सबसे छोटा महाद्वीप	ऑस्ट्रेलिया
सबसे बड़ा महासागर	प्रशान्त महासागर
सबसे गहरा महासागर	प्रशान्त महासागर
सबसे बड़ा नगर (क्षेत्रफल में)	लंदन (ग्रेट-ब्रिटेन)
सबसे बड़ा देश (क्षेत्रफल की दृष्टि से)	रूस
सबसे छोटा देश (क्षेत्रफल की दृष्टि से)	वेटिकन सिटी
सर्वाधिक जनसंख्या का देश	चीन
सर्वाधिक निर्वाचक संख्या का देश भारत	भारत
न्यूनतम जनसंख्या घनत्व	अंटार्कटिका
सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला देश	सिंगापुर
सर्वाधिक आबादी वाला नगर	टोकियो (जापान)
सबसे कम आबादी वाला नगर	वेटिकन सिटी
सबसे लम्बी समुद्री सीमा वाला देश	कनाडा
सबसे छोटी समुद्री सीमा वाला देश	जिब्राल्टर
सर्वाधिक सीमाओं वाला देश	चीन (14 देशों के साथ)
सबसे बड़ा द्वीप	ग्रीनलैण्ड
सबसे बड़ा प्रायद्वीप	अरब प्रायद्वीप
सबसे बड़ा द्वीप-समूह	इण्डोनेशिया
सबसे बड़ा नदी-द्वीप	माजुली (ब्रह्मपुत्र नदी, असम)
सबसे बड़ा डेल्टा	सुन्दरवन (भारत)
सबसे लम्बी नदी	नील नदी (मिस्त्र)
सबसे बड़ी नदी (चौड़ी व बहाव की दृष्टि से)	अमेजन (द. अमेरिका)
सबसे छोटी नदी	रो नदी (मोंटाना अमेरिका)
सबसे बड़ा सागर	दक्षिणी चीन सागर
सबसे विशाल उपसागर	हडसन उपसागर
सबसे छोटी पक्षी	हमिंगबर्ड
सबसे लम्बी सहायक नदी	मेडिरा (अमेजन की सहायक नदी)
सबसे व्यस्त व्यापारिक नदी	राइन नदी (जर्मनी)
अन्तःसागरीय नदी	क्रोमवेल धारा
सबसे लम्बा मुहाना	ओब नदी का मुहाना (रूस)
सबसे व्यस्त नहर	कील नहर (जर्मनी)
सबसे बड़ी झील	कैस्पियन सागर (रूस)
सबसे बड़ी ताजे पानी की झील	सुपीरियर झील (अमेरिका)
सबसे गहरी झील	बैकाल झील (रूस)
झील के अन्दर झील	मेनीटू (कनाडा)
सर्वाधिक ऊँचाई पर स्थित झील (नौकायन)	टिटिकाका (द. अमेरिका)
सबसे बड़ा लैगून	लैगोआ डॉस पैटोस (ब्राजील)
सबसे ऊँचा जलप्रपात (झरना)	साल्टो एंजिल (कैरोना नदी, वेनेजुएला)
सबसे चौड़ा जलप्रपात	खोन जलप्रपात (लाओस)
सबसे बड़ा जलडमरूमध्य	डेविस जलडमरूमध्य (ग्रीनलैण्ड एवं बैफिन द्वीप)
सबसे बड़ा गल्फ	मैक्सिको का गल्फ
सबसे विशाल जलसंधि	टार्टार जलसंधि (रूस एवं सखालिन द्वीप के मध्य)
सबसे चौड़ी जलसंधि	डेविस जलसंधि (ग्रीनलैण्ड व बैफिन द्वीप के मध्य)

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

विविध

सबसे ऊँचा पर्वत शिखर	माउण्ट एवरेस्ट (हिमालय, नेपाल)
सबसे ऊँची पर्वतमाला	हिमालय (एशिया)
सबसे लम्बी पर्वतमाला	एंडीज (दक्षिणी अमेरिका)
सबसे ऊँचा पठार	पामीर (तिब्बत) का पठार
सबसे नीची पहाड़ी	बुकिट टामसन (ब्रुनेई)
सर्वाधिक ऊँचा ज्वालामुखी	माउण्ट कोटोपैक्सी, इक्वाडोर (दक्षिणी अमेरिका)
सबसे विशाल ज्वालामुखी	मौना-लोआ (हवाई द्वीप)
सबसे ऊँचा बाँध	न्युरेक (304 m (तजिकिस्तान)
सबसे बड़ा बाँध (कंक्रीट)	ग्राण्ड कूली बाँध (कोलम्बिया नदी, अमेरिका)
सबसे लम्बा रेलवे प्लेटफार्म	गोरखपुर (उत्तर प्रदेश, भारत)
सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन	ग्रैंड सेंट्रल टर्मिनल (न्यूयॉर्क)
सबसे लम्बी रेलमार्ग	ट्रान्स साइबेरियन रेलमार्ग
सर्वाधिक ऊँचाई पर स्थित रेलवे स्टेशन	सौंदेर (बोलीविया)
सबसे बड़ी रेल सुरंग	गोटहार्ड (57.09 km स्विट्जरलैंड
सबसे बड़ी सड़क सुरंग	लीर्डल (Laerdal) (24.51 km) नॉर्वे
सबसे ऊँची सड़क	लेह-मनाली मार्ग (भारत)
सबसे बड़ा राजमार्ग	ट्रान्सकैनेडियन राजमार्ग
सबसे ऊँचा नगर	वेनचुआन (तिब्बत)
सबसे ऊँची राजधानी	लापाज (बोलीविया)
सबसे विशाल दलदल	प्रीपेट दलदल (साइबेरिया क्षेत्र)
सबसे बड़ा रेगिस्तान	सहारा (अफ्रीका)
एशिया का सबसे बड़ा रेगिस्तान	गोबी (मंगोलिया)
सबसे ठण्डा प्रदेश	वोस्टॉल (अन्टार्कटिका)
सबसे बड़ी मस्जिद	मस्जिद अल-हराम (मक्का, सऊदी अरब)
सबसे ऊँची मस्जिद	सुल्तान हसन मस्जिद, काहिरा (मिस्र)
सबसे ऊँची मीनार	कुतुबमीनार (भारत)
सबसे बड़ा गिरजाघर	वेसिलिका ऑफ सेंट पीटर वेटिकन
सबसे बड़ा महल	वेटिकन सिटी पैलेस (इटली)
सबसे ऊँची बिल्डिंग	बुर्ज खलीफा (829.84 m)
सबसे लम्बी दीवार	चीन की दीवार
सबसे बड़ा स्टेडियम	स्टारहोव स्टेडियम, प्राग (चेक)
सबसे बड़ा इनडोर स्टेडियम	सुपरडोम ल्यूसियाना (यू. एस. ए.)
सर्वाधिक वर्षा का स्थान	मासिनराम (मेघालय, भारत)
सबसे बड़ा घंटाघर	द ग्रेट बेल ऑफ मास्को (रूस)
सबसे बड़ा बन्दरगाह	न्यूयॉर्क (संयुक्त राज्य अमेरिका)
सबसे बड़ा हवाई अड्डा	खालिद हवाई अड्डा, रियाद
सर्वाधिक बुद्धिमान पशु	चिम्पांजी
सबसे विशाल मंदिर	अंकोरवाट का मंदिर (कम्बोडिया)
सबसे बड़ी मूर्ति	स्टैच्यू आफ यूनिटी (भारत)
सबसे बड़ा संग्रहालय	ब्रिटिश संग्रहालय (लंदन)
सबसे बड़ा पुस्तकालय	काँग्रेस पुस्तकालय (वाशिंगटन (USA) स्थापना-1800
सबसे बड़ा चिड़ियाघर	क्रूगर नेशनल पार्क (द. अफ्रीका)
सबसे बड़ा महाकाव्य	महाभारत
सबसे बड़ा पार्क	वुड वफेली नेशनल पार्क (कनाडा)
सबसे बड़ा प्लैनेटोरियम	मियाझाकी (जापान)
सबसे बड़ा राजप्रासाद	इंपीरियल पैलेस (टोकियो)
सबसे बड़ी कार्यालयी इमारत	पेंटागन (सं. रा. अमेरिका)
सबसे लम्बा वृक्ष	सिकोया का वृक्ष, कैलिफोर्निया
सबसे ऊँचा पशु	जिराफ
सबसे विशालकाय पशु	ब्लू व्हेल
सबसे बड़ा पक्षी	ऑस्ट्रिच (शुतुरमुर्ग)

यूनेस्को सूची में शामिल भारत के विश्व विरासत स्थल

वर्ष	स्थल	राज्य
1983	अजन्ता की गुफाएँ	महाराष्ट्र
1983	आगरा का किला	उत्तर प्रदेश
1983	ताजमहल	उत्तर प्रदेश
1983	एलोरा की गुफाएँ	महाराष्ट्र
1984	सूर्य मंदिर (कोणार्क)	ओडिशा
1984	महाबलीपुरम के स्मारक	तमिलनाडु
1985/2023	केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान	राजस्थान
1985	काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान	असम
1985	मानस वन्य जीव अभयारण्य	असम

Nitin-Gupta.com

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

1986	गोवा का चर्च	गोवा
1986	हम्पी	कर्नाटक
1986	फतेहपुर सीकरी	उत्तर प्रदेश
1986	खजुराहो मंदिर	मध्य प्रदेश
1987	सुन्दरवन राष्ट्रीय उद्यान	पश्चिम बंगाल
1987	एलीफैंटा गुफाएँ	महाराष्ट्र
1987	पट्टदकल के स्मारक	कर्नाटक
1987 / 2004	चोल मंदिर	तमिलनाडु
1988 / 2005	नंदादेवी राष्ट्रीय अभयारण्य व फुलों की घाटी	उत्तराखण्ड
1989	सांची का स्तूप	मध्य प्रदेश
1993	हुमायूँ का मकबरा	दिल्ली
1993	कुतुबमीनार	दिल्ली
1999/2005/2008	माउण्टेन रेलवे(दार्जिलिंग रेलवे/नीलगिरी/कालका-शिमला)	प. बंगाल, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश
2002	महाबोधि मंदिर (बोधगया)	बिहार
2003	भीमबेटका की गुफाएँ	मध्य प्रदेश
2004	चंपानेर-पावागढ़ पार्क	गुजरात
2004	छत्रपति शिवाजी टर्मिनल (पूर्व विक्टोरिया टर्मिनल)	महाराष्ट्र
2007	लाल किला	दिल्ली
2010	जंतर-मंतर(जयपुर)	राजस्थान
2012	पश्चिमी घाट	कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र व तमिलनाडु
2013	राजस्थान के पहाड़ी किले, चित्तौड़गढ़ किला, कुंभलगढ़ किला, रणथंभौर किला (सवाई माधोपुर), जैसेलमेर किला, आमेर किला (जयपुर), गागरोन किला (झालावार)	राजस्थान
2014	ग्रेट हिमालयन राष्ट्रीय पार्क	हिमाचल प्रदेश
2014	रानी की वाव	पाटन, गुजरात
2016	नालन्दा महाविहार (विश्वविद्यालय)	बिहार
2016	कंचनजंघा राष्ट्रीय पार्क	सिक्किम
2016	ली कार्बुसियर के स्थापत्य कार्य	चण्डीगढ़
2017	अहमदाबाद का ऐतिहासिक शहर	गुजरात
2018	मुम्बई का विक्टोरियन और आर्ट डेको एनसेंबल	महाराष्ट्र
2019	जयपुर गुलाबी शहर	राजस्थान
2021	रामप्पा मंदिर	तेलंगाना
2021	धौलावीरा	गुजरात
2023	शांति निकेतन	प. बंगाल
2023	होयसलों मंदिर समूह	कर्नाटक

© NitinGupta.com

समकालीन संयुक्त राष्ट्र अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष	
2015	अन्तर्राष्ट्रीय मृदा वर्ष
2015	अन्तर्राष्ट्रीय प्रकाश एवं प्रकाशीय तकनीक वर्ष
2016	अन्तर्राष्ट्रीय दलहन वर्ष
2017	सतत् पर्यटन विकास वर्ष
2019	अन्तर्राष्ट्रीय स्वदेशी भाषा वर्ष
2019	मॉडरेशन का अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष
2019	रासायनिक तत्वों की आवर्त सारणी का अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष
2020	पादप स्वास्थ्य का अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष
2020	नर्स एवं दाई का अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष
2021	सतत् विकास के लिए रचनात्मक अर्थव्यवस्था का अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष
2021	फलों एवं सब्जियों का अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष
2022	आर्टिसानल मत्स्य और एक्वाकल्चर का अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष
2023	अन्तर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष (भारत की सिफारिश पर)
2024	कैमलिड्स का अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष

महत्वपूर्ण राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय दिवस	
4 जनवरी	लुइस ब्रेल दिवस
9 जनवरी	प्रवासी भारतीय दिवस
10 जनवरी	विश्व हिन्दी दिवस
12 जनवरी	राष्ट्रीय युवा दिवास (स्वामी विवेकानन्द के जन्म दिवस पर)
15 जनवरी	थल सेना दिवस
25 जनवरी	भारत पर्यटन दिवस
26 जनवरी	गणतंत्र दिवस
26 जनवरी	अन्तर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क व उत्पाद दिवस
30 जनवरी	सर्वोदय दिवस, शहीद दिवस, कुष्ठ निवारण दिवस
4 फरवरी	विश्व कैंसर दिवस
21 फरवरी	अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस
28 फरवरी	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

विविध

3 मार्च	विश्व वन्यजीव दिवस
4 मार्च	राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस
8 मार्च	अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस
10 मार्च	केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की स्थापना दिवस
15 मार्च	विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस
20 मार्च	विश्व खुशहाली दिवस एवं विश्व गौरैया दिवस
21 मार्च	विश्व वानिकी दिवस
22 मार्च	विश्व जल संरक्षण दवस
23 मार्च	भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव के शहीद दिवस
23 मार्च	विश्व मौसम विज्ञान दिवस
24 मार्च	विश्व टी. बी. दिवस
24 मार्च	ग्रामीण डाक जीवन बीमा दिवस
7 अप्रैल	विश्व स्वास्थ्य दिवस
9 अप्रैल	वीरता दिवस
14 अप्रैल	अम्बेडकर जयंती
17 अप्रैल	विश्व हीमोफीलिया दिवस
18 अप्रैल	विश्व विरासत दिवस
22 अप्रैल	पृथ्वी दिवस
1 मई	विश्व श्रमिक दिवस
3 मई	विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस
8 मई	विश्व रेडक्रॉस दिवस
8 मई	अन्तर्राष्ट्रीय थैलीसीमिया दिवस
11 मई	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस
31 मई	विश्व तम्बाकू रोधी दिवस
5 जून	विश्व पर्यावरण दिवस
21 जून	अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस
23 जून	अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस
11 जुलाई	विश्व जनसंख्या दिवस
26 जुलाई	कारगिल स्मृति दिवस
27 जुलाई	सीआरपीएफ की स्थापना दिवस
15 अगस्त	स्वतंत्रता दिवस
29 अगस्त	राष्ट्रीय खेल दिवस (ध्यानचंद के जन्मदिवस पर)
5 सितम्बर	शिक्षक दिवस (राधाकृष्णन के जन्मदिन पर)
8 सितम्बर	अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस
14 सितम्बर	हिन्दी दिवस
14 सितम्बर	विश्व-बन्धुत्व एवं क्षमा याचना दिवस
16 सितम्बर	ओजोन संरक्षण दिवस
20 सितम्बर	RPF की स्थापना दिवस
21 सितम्बर	विश्व शांति दिवस
27 सितम्बर	विश्व पर्यटन दिवस
1 अक्टूबर	अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस
2 अक्टूबर	लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती
8 अक्टूबर	वायु सेना दिवस
16 अक्टूबर	विश्व खाद्य दिवस
24 अक्टूबर	संयुक्त राष्ट्र दिवस
14 नवम्बर	बाल दिवस
14 नवम्बर	विश्व मधुमेह दिवस
17 नवम्बर	विश्व विद्यार्थी दिवस
17 नवम्बर	राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस
18 नवम्बर	विश्व वयस्क दिवस
25 नवम्बर	विश्व मांसाहार निषेध दिवस
26 नवम्बर	विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस
1 दिसम्बर	विश्व एड्स दिवस
3 दिसम्बर	अन्तर्राष्ट्रीय विकलांगता जन दिवस
4 दिसम्बर	नौसेना दिवस
4 दिसम्बर	रासायनिक दुर्घटना निवारण दिवस
5 दिसम्बर	अन्तर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस
6 दिसम्बर	नागरिक सुरक्षा दिवस
7 दिसम्बर	झंडा दिवस (सशस्त्र बलों का)
10 दिसम्बर	अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस
11 दिसम्बर	विश्व अस्थमा दिवस
14 दिसम्बर	राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस
16 दिसम्बर	विजय दिवस
19 दिसम्बर	गोवा मुक्ति दिवस
23 दिसम्बर	किसान दिवस (चौधरी चरणसिंह का जन्मदिन)
24 दिसम्बर	राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस

विश्व के प्रमुख संगठन और उनके मुख्यालय

संगठन	मुख्यालय
गैट (GATT)	जिनेवा (स्विट्जरलैंड)
एमनेस्टी इंटरनेशनल	लंदन
एशियाई विकास बैंक (ADB)	मनीला

© Nitin Gupta.com

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

दक्षिण-पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संघ (ASEAN)	जकार्ता (इंडोनेशिया)
नाटो (NATO)	ब्रुसेल्स
अफ्रीकी एकता संगठन (OAU)	आदिस-अबाबा
रेड क्रॉस (Red Cross)	जिनेवा (स्विट्जरलैंड)
सार्क (SAARC)	काठमाण्डू (नेपाल)
संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP)	नैरोबी
इन्टरपोल (INTERPOL)	लियॉन्स (फ्रांस)
विश्व व्यापार संगठन (WTO)	जिनेवा (स्विट्जरलैंड)
अमेरिकी राज्यों का संगठन (OAS)	वाशिंगटन डी.सी.
अरब लीग(ARAB LEAGUE)	काहिरा
परस्पर आर्थिक सहायता परिषद् (COMECON)	मास्को
वर्ल्ड काउंसिल ऑफ चर्चेज (WCC)	जिनेवा (स्विट्जरलैंड)
यूरोपीय ऊर्जा आयोग (EEC)	जिनेवा (स्विट्जरलैंड)
अफ्रीकी आर्थिक आयोग (ECA)	आदिस-अबाबा
पश्चिमी एशिया आर्थिक आयोग (ECWA)	बगदाद
संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग (UNHCR)	जिनेवा (स्विट्जरलैंड)
अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु उर्जा एजेंसी (IAEA)	वियना
संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (UNIDO)	वियना
संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन(UNCTAD)	जिनेवा (स्विट्जरलैंड)
विश्व वन्य जीव संरक्षण कोष (WWF)	ग्लांड (स्विट्जरलैंड)
अन्तर्राष्ट्रीय ओलंपिक कमिटी (IOC)	लुसाने
यूरोपीय कॉमन मार्केट(ECM)	जिनेवा (स्विट्जरलैंड)
चोगम(राष्ट्रमंडलीय राष्ट्राध्यक्ष सम्मेलन) (CHOGM)	स्ट्रांसबर्ग
पेट्रोलियम उत्पादक देशो का संगठन (OPEC)	वियना
आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD)	पेरिस
यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ECTA)	जिनेवा (स्विट्जरलैंड)
राष्ट्रमंडल (COMMON WEALTH)	लंदन
यूरोपीय आर्थिक समुदाय (EEC)	जिनेवा
यूरोपीय संसद	लक्जमबर्ग
यूरोपियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (ESRO)	पेरिस
यूरोपियन परमाणु ऊर्जा समुदाय (EURATON)	ब्रुसेल्स
एशिया और प्रशान्त क्षेत्रों का आर्थिक और सामाजिक आयोग (ESCAP)	बैंकॉक
यूनिसेफ	न्यूयॉर्क

Nitin Gupta.com

समकालीन संयुक्त राष्ट्र अन्तर्राष्ट्रीय दशक

2014 से 2023 ई.	सभी के लिए वहनीय (sustainable) ऊर्जा का संयुक्त राष्ट्र दशक
2015 से 2024 ई.	अफ्रीकी आदिवासी (African Descent) के लिए अंतर्राष्ट्रीय दशक
2016 से 2025 ई.	पोषण पर कार्यवाही का संयुक्त राष्ट्र दशक
2018 से 2027 ई.	गरीबी उन्मूलन के लिए तृतीय संयुक्त राष्ट्र दशक
2018 से 2028 ई.	सतत् विकास हेतु पानी अभियान के अन्तर्राष्ट्रीय दशक
2019 से 2028 ई.	पारिवारिक खेती का संयुक्त राष्ट्र दशक, नेल्सन मंडेला शांति के दशक
2021 से 2030 ई.	सतत् विकास के लिए महासागर विज्ञान अन्तर्राष्ट्रीय दशक, पारिस्थितिक तंत्र बहाली पर संयुक्त राष्ट्र का फैसला
2022 से 2032 ई.	स्वदेशी भाषाओं का अन्तर्राष्ट्रीय दशक

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार

2000	आशा भोंसले	2001	यश चोपड़ा
2002	देवानन्द	2003	मृणाल सेन
2004	अडूर गोपाल कृष्णन्	2005	श्याम बेनेगल
2006	तपन सिन्हा	2007	मन्नाडे
2008	वी. के. मूर्ति	2009	डी. रामानायडू
2010	के. बालाचन्दर	2011	सौमित चटर्जी
2012	प्राण	2013	गुलजार (सम्पुरण सिंह कालरा)
2014	शशि कपूर	2015	मनोज कुमार
2016	के विश्वनाथ	2017	विनोद खन्ना
2018	अमिताभ बच्चन	2019	रजनीकांत
2020	आशा पारेख	2021	वहीदा रहमान
2022	रेखा		

नोट : प्रथम दादा साहेब फाल्के पुरस्कार–देविका रानी (1969)

प्रमुख देशों की समाचार एजेंसियाँ

देश	एजेंसी
यू. एस. ए.	एसोसिएटेड प्रेस (AP)
रूस	तास, नोवोस्ती (TASS, NOVOSTI)
ब्रिटेन	रायटर्स (REUTERS)
मलेशिया	बरनामा (BERNAMA)
इटली	अंसा (ANSA)
इजरायल	इतीम (ITIM)
फ्रांस	ए.एफ.पी.(A.F.P)

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

भारत	समाचार भारती
भारत	प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया (PTI)
चीन	सिन्हुआ (XINHUA)
जापान	क्योडो (KYODO)
इंडोनेशिया	अंतारा (ANTARA)
ईरान	इरना (IRNA)
जर्मनी	डी. पी. ए. (D.P.A.)
फिलीस्तीन	वाफा (WAFA)
ऑस्ट्रेलिया	ए. ए. पी. (AAP)
पाकिस्तान	यू. पी.पी. (UPP)
मिस्र	मेना (MENA)
भारत	यूनीवार्ता, यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया (UNIVARTA, UNI)
यू. एस. ए.	यूनाइटेड प्रेस इंटरनेशनल (UP)

Nitin-Gupta.com

प्रमुख चिह्न तथा प्रतीक

कलम	संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक
कमल का फूल	संस्कृति एवं सभ्यता
रेड क्रॉस	डॉक्टरी सहायता एवं अस्पताल
लाल झंडा	क्रान्ति या खतरे का सूचक
काला झंडा	विरोध का प्रतीक
पीला झंडा	संक्रामक रोग ग्रस्त लोगों को ले जाने वाले वाहन पर लगा झंडा
उल्टा झंडा	संकट का प्रतीक
झुका झंडा	राष्ट्रीय शोक का प्रतीक
सफेद झंडा	संधि या समर्पण का प्रतीक
लाल त्रिकोण	परिवार नियोजन का प्रतीक
कबूतर पक्षी	शान्ति का प्रतीक
लाल प्रकाश	खतरा या यातायात रोकने का प्रतीक
हरा प्रकाश	यातायात को जाने का संकेत
आँखों पर बँधी पट्टी और हाथ में तराजू लिए स्त्री	न्याय का प्रतीक
बाँह पर काली पट्टी	शोक, विरोध और दुःख का प्रतीक
एक-दूसरे को काटती दो हड्डियाँ और ऊपर खोपड़ी	बिजली का खतरा
चक्र	प्रगति का प्रतीक
ओलिव की शाखा	शांति का प्रतीक

अन्तर्राष्ट्रीय सीमाएँ

मैकमोहन रेखा	भारत एवं चीन
रेडक्लिफ रेखा	भारत एवं पाकिस्तान
हिण्डनबर्ग रेखा	जर्मन एवं पोलैंड
38वीं समानान्तर	उत्तरी कोरिया एवं दक्षिणी कोरिया
मैगीनॉट रेखा	जर्मनी एवं फ्रांस
49वीं समानान्तर रेखा	USA एवं कनाडा
मेनरहीम रेखा	रूस एवं फिनलैंड
डुरण्ड रेखा	पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान

प्रमुख देशों के सरकारी दस्तावेज

ग्रीन बुक	इटली और ईरान की सरकारी रिपोर्ट या प्रकाशन
ऑरेंज बुक	नीदरलैंड सरकार की रिपोर्ट या प्रकाशन
ह्वाइट बुक	पुर्तगाल, चीन व जर्मनी की सरकारी रिपोर्ट या प्रकाशन
ह्वाइट पेपर	ब्रिटेन और भारत सरकार की किसी विशेष विषय पर रिपोर्ट
ब्लू बुक	ब्रिटिश सरकार का सरकारी रिपोर्ट या प्रकाशन
ग्रे बुक	बेल्जियम व जापान की सरकारी रिपोर्ट या प्रकाशन
येलो बुक	फ्रांस सरकार की सरकारी रिपोर्ट या प्रकाशन
ज्वाइंट पेपर	दो या दो से अधिक सरकारों की संयुक्त रिपोर्ट या प्रकाशन

विश्व की प्रमुख गुप्तचर संस्थाएँ

सेन्ट्रल एक्सटर्नल लेंजा डिपार्टमेन्ट	चीन
ऑस्ट्रेलियन सिक्यूरिटी एंड इंटेलीजेंस ऑर्गेनाइजेशन	ऑस्ट्रेलिया
के. जी. बी./जी. आर. यू.	रूस
ब्यूरो ऑफ स्टेट सिक्यूरिटी	द. अफ्रीका
एम. आई. (मिलिट्री इंटेलीजेंस) - 5 एवं 6, स्पेशल ब्रांच, ज्वांइट इंटेलीजेंस ऑर्गेनाइजेशन	यू. के.
इंटर सर्विसेज इन्टेलीजेंस (आई. एस. आई.)	पाकिस्तान
रिसर्च एण्ड एनालिसिस विंग (RAW), इंटेलीजेंस ब्यूरो (IB), सेन्ट्रल ब्यूरो ऑफ इनवेस्टिगेशन (CBI)	भारत
सेन्ट्रल इंटेलीजेन्स एजेन्सी (CIA), फेडरल ब्यूरो ऑफ इनवेस्टिगेशन (FBI)	यू. एस. ए.
मोसाद	इजरायल
मुखबरात	मिस्र
नाइचो	जापान
सावाक	ईरान
अल मुखबरात	इराक

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव

नाम	कार्यकाल	विवरण
त्रिग्वेली (नॉर्वे)	फरवरी, 1946 से नवम्बर, 1952 तक	नवम्बर, 1952 में स्वयं पद से इस्तीफा दिया
डेग हैमरसोल्ड (स्वीडेन)	अप्रैल, 1953 से सितम्बर, 1961 तक	सितम्बर, 1961 में अफ्रीका में हवाई दुर्घटना में मृत्यु

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

यू थांट (म्यांमार)	नवम्बर, 1961 से दिसम्बर, 1971 तक	नवम्बर, 1961 में कार्यवाहक व 1962 में महासचिव बने
कुर्त वाल्दीहीम (ऑस्ट्रिया)	जनवरी, 1972 से दिसम्बर, 1981 तक	दो कार्यकाल
जेवियर पेरेज द कुइयार (पेरू)	जनवरी, 1982 से दिसम्बर, 1991 तक	दो कार्यकाल
बुतरस बुतरस घाली (मिस्र)	जनवरी, 1992 से दिसम्बर, 1996 तक	
कोफी अन्नान(घाना)	जनवरी, 1997 से दिसम्बर, 2006 तक	दो कार्यकाल
बान की मून (द. कोरिया)	जनवरी, 2007 से दिसम्बर, 2016	दो कार्यकाल
एंतोनियो गुटेरेस (पुर्तगाल)	जनवरी, 2017 से अब तक	

Nitin-Gupta.com

संयुक्त राष्ट्र विशिष्ट अभिकरण एवं अन्य संगठन

संगठन	स्थापना वर्ष	मुख्यालय
अन्तर्राष्ट्रीय दूर संचार संघ (ITU)	1865 ई.	जिनेवा (स्विट्जरलैंड)
सार्वभौम डाक संघ (UPU)	9 अक्टूबर 1874	बर्न (स्विट्जरलैंड)
अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO)	11 अप्रैल 1919	जिनेवा (स्विट्जरलैंड)
विश्व पर्यटन संगठन (WTO)	1925	मैड्रिड (स्पेन)
अन्तर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO)	7 दिसम्बर 1944	मॉन्ट्रियल (कनाडा)
संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO)	16 अक्टूबर 1945	रोम (इटली)
अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)	27 दिसम्बर 1945	वाशिंगटन डी. सी. (USA)
विश्व बैंक (World Bank)	1944	वाशिंगटन डी. सी. (USA)
यूनेस्को(UNESCO)	4 नवम्बर 1946	पेरिस (फ्रांस)
अन्तर्राष्ट्रीय सामुद्रिक व्यापार संगठन (IMO)	मार्च 1958	लंदन (ब्रिटेन)
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)	7 अप्रैल 1948	जिनेवा (स्विट्जरलैंड)
विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO)	23 मार्च 1950	जिनेवा (स्विट्जरलैंड)
अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण (IAEA)	29 जुलाई 1957	वियना (ऑस्ट्रिया)
संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (UNIDO)	नवम्बर 1966	वियना (ऑस्ट्रिया)
विश्व बौद्धिक सम्पदा संगठन (WIPO)	1967	जिनेवा (स्विट्जरलैंड)
अन्तर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष (IFAD)	1977	रोम (इटली)
विश्व व्यापार संगठन (WTO)	1 जनवरी 1995	जिनेवा (स्विट्जरलैंड)
व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि संगठन (CTBT)	19 नवम्बर 1996	वियना (ऑस्ट्रिया)
रासायनिक हथियार निषेध संगठन (OPCW)	29 अप्रैल 1997	द हेग (नीदरलैण्ड)
अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय	3 अप्रैल 1946	द हेग (नीदरलैण्ड)
संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद्	जून 2006	जिनेवा (स्विट्जरलैंड)
यूरोपीयन संघ (European Union)	1 जनवरी 1958	ब्रुसेल्स (बेल्जियम)
यूरोपीय अंतरिक्ष एजेन्सी (European Space Agency - ESA)	1975	पेरिस (फ्रांस)
नाटो (NATO)	4 अप्रैल 1949	ब्रुसेल्स (बेल्जियम)
एशियाई विकास बैंक (ADB)	19 दिसम्बर 1966	मनीला (फिलीपींस)
आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD)	1961	पेरिस (फ्रांस)
आसियान (ASEAN)	8 अगस्त 1967	जकार्ता (इण्डोनेशिया)
दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ (सार्क) (SAARC)	1985	काठमाण्डु (नेपाल)
अरब लीग (Arab League)	22 मार्च 1945	काहिरा
G-8	1975	
पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (OPEC)	1960	वियना (आस्ट्रिया)
रेडक्रॉस	1863	जिनेवा (स्विट्जरलैंड)
राष्ट्रमंडल	1926	लंदन
गुटनिरपेक्ष	1961	बेलग्रेड
स्वतंत्र राष्ट्रों का राष्ट्रकुल (CIS)	8 दिसम्बर 1991	मिंस्क (बेलारूस)
ब्रिक्स (BRICS)	2009	शंघाई (चीन)

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

Download All Subject Free PDF

- General Knowledge
- Child Development and Pedagogy
- Current Affairs
- History
- Maths
- Geography
- Reasoning
- Economics
- Science
- Polity
- Computer
- Environment
- General Hindi
- MP GK
- General English
- UP GK

Join Our Best Course

- GK Trick By Nitin Gupta
- Current Affairs

Daily Current Affairs PDF, Best Test Series, Best GK PDF के लिए हमें Follow करें

हमें FOLLOW करें

Telegram

Whatsapp

Instagram

Apps

Youtube

GK Trick By Nitin Gupta
The Ultimate Key to Success.

Welcome To

GK TRICK BY
NITIN GUPTA APP

यहाँ पर आपको मिलेगा

- Best PDF Notes For All Exams
- Best Test Series For All Exams
- Daily Current Affairs PDF
- सभी Course बहुत ही कम Price पर
- सभी Test Detail Discription के साथ व Analysis करने को सुविधा